खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 16 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-284

अब से एसएसएलसी और पीयूसी परीक्षा में 33 प्रतिशत अंक लाने पर ही ... @ नम्मा बेंगलूरु

28 राज्यों के नौकरशाहों ने ठेंगे पर रखा सुप्रीम कोर्ट का आदेश

समान स्वास्थ्य सुविधाएं देने में 28 राज्य फेल

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने में 28 राज्य फेल साबित हुए हैं। इन राज्यों ने सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देश के बावजूद रोगियों को आईसीयू और सीसीयू सुविधाएं देने में समान मानक तैयार नहीं किया। राज्य सरकारों की इस लापरवाही पर सुप्रीम कोर्ट ने 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अवमानना नोटिस जारी की है और इन प्रदेशों के मुख्य सचिवों और स्वास्थ्य विभाग के शीर्ष अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायाधीश एनके सिंह की खंडपीठ ने राज्य सरकारों को कारण बताओ नोटिस जारी की है। खंडपीठ ने प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के संबंधित मुख्य सचिवों और स्वास्थ्य विभाग के शीर्ष अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस का जवाब हलफनामे के साथ लेकर 20 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने शीर्ष नौकरशाहों को नोटिस जारी करते हुए यह भी कहा है कि न्यायालय के प्रति इस तरह के लापरवाह रवैये के लिए उनके खिलाफ क्यों न कार्रवाई की जाए। 20 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से न्यायालय के समक्ष हाजिर रहने की हिदायत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कहा है कि इसमें किसी भी तरह की बहानेबाजी नहीं चलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने जारी की अवमानना नोटिस

20 नवंबर को हाजिर हों, अन्यथा कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट ने जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शीर्ष नौकरशाहों को अवमानना की नोटिस दी है, उनमें अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मिजोरम, ओड़ीशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट अस्पतालों में चिकित्सा लापरवाही और आईसीयू एवं सीसीयू के लिए एक समान मानकों के अभाव की गंभीर शिकायत से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में सीसीयू के मानकीकरण के व्यापक मुद्दे की निगरानी रखने का फैसला किया और केंद्र एवं राज्य सरकारों मिल कर एक समान रूपरेखा पर काम करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह का आदेश कई बार जारी किया, लेकिन जमीनी स्तर इसका कभी पालन नहीं किया गया।

इस साल पांच अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्येक राज्य को निर्देश दिया कि वे कारपोरेट अस्पतालों सहित सभी हितध-ारकों के साथ बैठक करके आईसीयू एवं सीसीयू में भर्ती, उपचार, स्टाफिंग, स्वच्छता और बुनियादी ढांचे के लिए मसौदा मानदंड तैयार करें। न्यायालय ने शीर्ष स्वास्थ्य सचिवों को व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी लेने और प्रस्तावों पर हस्ताक्षर करने के लिए भी कहा। 19 अगस्त को जब मामले पर फिर से विचार किया गया, तो न्यायालय ने पाया कि इतनी तेजी के बावजूद, यह प्रक्रिया अधूरी रह गई। न्यायालय ने सख्ती से कहा कि एक व्यापक रोडमैप के बिना कोई भी प्रभावी निर्देश जारी नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों की राय सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी, एमिकस क्यूरी करण भरिहोके और एम्स के प्रोफेसर डॉ. नितीश नाइक की तीन सदस्यीय समिति गठित की। न्यायालय ने राज्यों को 30 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट पूरी करके 5 अक्टूबर तक समिति को भेजने का निर्देश दिया।

18 सितंबर को कुछ राज्यों ने और समय मांगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने समय सीमा थोड़ी बढ़ा दी, लेकिन चेतावनी दी कि अगर समय-सीमा का पालन नहीं किया गया तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। फिर भी 13 अक्टूबर ▶10 पर

चुनाव में धन के इस्तेमाल पर निर्वाचन आयोग सख्त

मतदाता संशोधन के बाद धनदाता निषेधन

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार चुनाव में पैसों के दुरुपयोग पर चुनाव आयोग सख्त है। चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद अब तक तीन दिनों में आयोग ने 33.97 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। इसी के साथ चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों के खर्च पर निगरानी के लिए व्यय पर्यवेक्षक भी तैनात किए हैं। इसे चुनाव के दौरान पैसों के दुरुपयोग और मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों पर रोक लगाने के लिए निर्वाचन आयोग का बड़ा कदम बताया जा रहा है। आयोग ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में व्यय पर्यवेक्षकों की तैनाती की है। जो उम्मीदवारों के चुनावी खर्च पर पैनी नजर रखेंगे।

पर्यवेक्षक तैनात, तीन दिन में 33.97 करोड़ जब्त

आगामी चुनावों में धनबल, मुफ्तखोरी के साथ-साथ नशीली दवाओं, नशीले पदार्थों और शराब के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के लिए आयोग ने दो चरणों में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों और आठ विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनावों के लिए सभी प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश जारी किए हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि उम्मीदवारों द्वारा किए जाने वाले चुनावी खर्च की निगरानी के लिए व्यय पर्यवेक्षकों को पहले ही तैनात कर दिया गया है और वे चुनाव की अधिसूचना के दिन अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच गए हैं।

चुनाव आयोग ने कहा, अपने दौरे के दौरान वे व्यय निगरानी में लगी सभी टीमों से मिलेंगे। उड़नदस्ते, निगरानी दल, वीडियो निगरानी दल मतदाताओं को लुभाने के लिए धनबल या अन्य प्रलोभनों के किसी भी संदिग्ध मामले पर नजर रखने के लिए चौबीस घंटे सतर्क रहेंगे। इसी के साथ चुनाव आयोग ने बताया कि चुनाव की घोषणा के बाद से विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों ने कुल 33.97 करोड़ रुपए की नकदी, शराब, ड्रग्स और मुफ्त सामान जब्त किया है।

चुनावों में धनबल, मुफ्तखोरी के साथ-साथ ड्रग्स, नशीले पदार्थों और शराब के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के लिए चुनाव आयोग ने राज्य पुलिस विभाग, राज्य उत्पाद शुल्क विभाग, आयकर विभाग, एफआईयू-आईएनडी, आरबीआई, एसएलबीसी, डीआरआई, सीजीएसटी, एसजीएसटी, सीमा शुल्क, ईडी, एनसीबी, आरपीएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एएआई, डाक विभाग, राज्य वन विभाग और राज्य सहकारिता विभाग सहित सभी प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश जारी किए हैं।

उम्मीदवारों द्वारा किए जाने वाले चुनावी खर्च की निगरानी रखने के लिए व्यय पर्यवेक्षकों को पहले ही तैनात कर दिया गया है और वे चुनाव की अधिसूचना जारी होने के दिन ही अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच चुके हैं। इस दौरान वे व्यय निगरानी में लगी सभी टीमों से मिलेंगे। मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धन-बल या अन्य प्रलोभन के किसी भी संदिग्ध मामले पर नजर रखने के लिए उड़न दस्ते, निगरानी दल, ▶10 पर

मंदिर धन के दुरुपयोग पर हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

दान के धन से हिमाचल सरकार ले रही थी निजी लाभ

शिमला, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने मंदिरों में जमा दान की राशि के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने साफ कर दिया है कि दान का पैसा भगवान का है, सरकार का नहीं। हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार सड़कों और पुलों के निर्माण, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक भवनों को बनाने जैसे गैर-धार्मिक कार्यों के मंदिर के दान का पैसा व्यक्तिगत लाभ, निजी उद्योगों में निवेश और मंदिर आने वाली वीआईपी हस्तियों को महंगे उपहार (काजू, बादाम, मोमेंटो) खरीदने में खर्च कर रही थी। हाईकोर्ट ने इन सभी कामों पर तुरंत रोक लगा दी है।

निजी उद्योगों में कर रहे थे निवेश खरीद रहे थे काजू-बादाम

जस्टिस विवेक सिंह ठाकुर और जस्टिस राकेश कैंथला की बेंच ने कहा कि भक्तों द्वारा दिया गया दान केवल धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए ही इस्तेमाल होना चाहिए। हाईकोर्ट ने 31 क्षेत्रों की एक विस्तृत सूची जारी की है जहां इन पैसों का उपयोग किया जा सकता है। इन पैसों का मुख्य इस्तेमाल वेद और योग की शिक्षा, अध्ययन और प्रचार-प्रसार के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने में होगा। इसके अलावा, मंदिरों की देखभाल, पुजारियों को वेतन देने और सामाजिक बुराइयों को खत्म करने में भी इसका उपयोग किया जाएगा। हाईकोर्ट ने विशेष रूप से छुआछूत और जातिवाद खत्म करने के लिए अंतरजातीय विवाह को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों को शुरू करने का आदेश दिया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि मंदिर हमेशा से ही शिक्षा और सामाजिक कल्याण के केंद्र रहे हैं। इस फैसले में मंदिर के प्रबंधन को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। अब हर मंदिर को अपनी मासिक आय, खर्चों का विवरण और ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से नोटिस बोर्ड या वेबसाइट पर दिखानी होगी, ताकि भक्तों का विश्वास बना रहे। हाईकोर्ट ने सख्त चेतावनी दी है कि मंदिर के धन का गलत इस्तेमाल करना एक आपराधिक अंधविश्वास और धार्मिक स्वतंत्रता का अपमान है। अगर किसी ट्रस्ट ने धन का दुरुपयोग किया है, तो पूरी राशि उसी से वसूल की जाएगी। मंदिर के दान का पैसा अब तक सड़कों और पुलों के निर्माण, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक भवनों को बनाने जैसे गैर-धार्मिक कार्यों में इस्तेमाल हो रहा था। इसके अलावा, व्यक्तिगत लाभ, निजी उद्योगों में निवेश और मंदिर आने वाले वीआईपी को महंगे उपहार (काजू, बादाम, मोमेंटो) खरीदने में भी धन खर्च किया जा रहा था। हाईकोर्ट ने इन सभी कामों पर तुरंत रोक लगा दी है।

पूर्व सीएम बघेल की पूर्व सचिव के खिलाफ चार्जशीट

आय से 1872 प्रतिशत अधिक सम्पत्ति

सौम्या चौरसिया

29 अचल सम्पत्ति

सौम्या चौरसिया और परिवार के नाम 9.20 करोड़ की सम्पत्ति की पुष्टि EOW ने की।

पूर्व CM की उप सचिव रहीं सौम्या चौरसिया 2008 बैच की राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं।

सौम्या नगर निगम बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन और कई शासकीय पदों पर रहीं हैं।

दिसम्बर 2019 से नवम्बर 2022 तक मुख्यमंत्री कार्यालय में उप सचिव के पद पर थीं।

सौम्या चौरसिया ने 17 साल में बनाए 50 करोड़

रायपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव रही सौम्या चौरसिया के खिलाफ आय से अधिक सम्पत्ति मामले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) ने कार्रवाई करते हुए करीब 50 करोड़ रुपए की सम्पत्ति जब्त की है। एजेंसी ने विशेष न्यायालय में 8000 पन्नों की चार्जशीट पेश की है।

आर्थिक अपराध शाखा ने दावा किया है कि सौम्या चौरसिया ने 17 साल में 2.51 करोड़ रुपए वेतन पाए। लेकिन उन्होंने 49.69 करोड़ की सम्पत्ति अर्जित की। ये उनके आय से 1872 फीसदी ज्यादा है। ईओडब्लू ने यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धाराओं 13 (1) (बी) और 13 (2) के तहत दर्ज किया है। चार्जशीट में ये भी दावा किया गया है कि कई सम्पत्तियां सौम्या चौरसिया ने अपने रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी। हालांकि सौम्या ने एजेंसी को इसका कोई हिसाब या जवाब नहीं दिया। एजेंसी ने सम्पत्तियों को अटैच कर लिया है। ये सम्पत्ति पति सौरभ मोदी, मां शांति देवी, बहन के ससुर मनसुख पटेल और फुफेरे भाई अनुराग चौरसिया के नाम पर है। ईओडब्लू के मुताबिक, सौम्या के रिश्तेदारों के नाम पर 54 से अधिक सम्पत्तियां हैं,जिसकी कीमत करीब 49 करोड़ है। इनमें से ईडी ने 39 करोड़ रुपए की 29 सम्पत्तियां कुर्क कीं और ईओडब्लू ने 8.5 करोड़ रुपए की 16 सम्पत्तियां जब्त की हैं। छत्तीसगढ़ में हुए 540 करोड़ रुपए के कोयला घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग, करप्शन और 47 करोड़ के डीएमएफ घोटाले को लेकर सौम्या के खिलाफ ईडी और ईओडब्लू ने केस दर्ज किया है। इनको लेकर सौम्या करीब ढ़ाई साल तक जेल में रही। वह कुछ दिनों पहले ही बाहर आईं हैं और बेंगलुरु में रह रही हैं।

सौम्या चौरसिया 2008 बैच की राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। उनकी पहली नियुक्ति डिप्टी कलेक्टर के रूप में बिलासपुर में हुई थी। 2019 में उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में उप सचिव नियुक्त किया गया। इसके बाद उनकी प्रशासन पर पकड़ जबरदस्त हो गई।

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

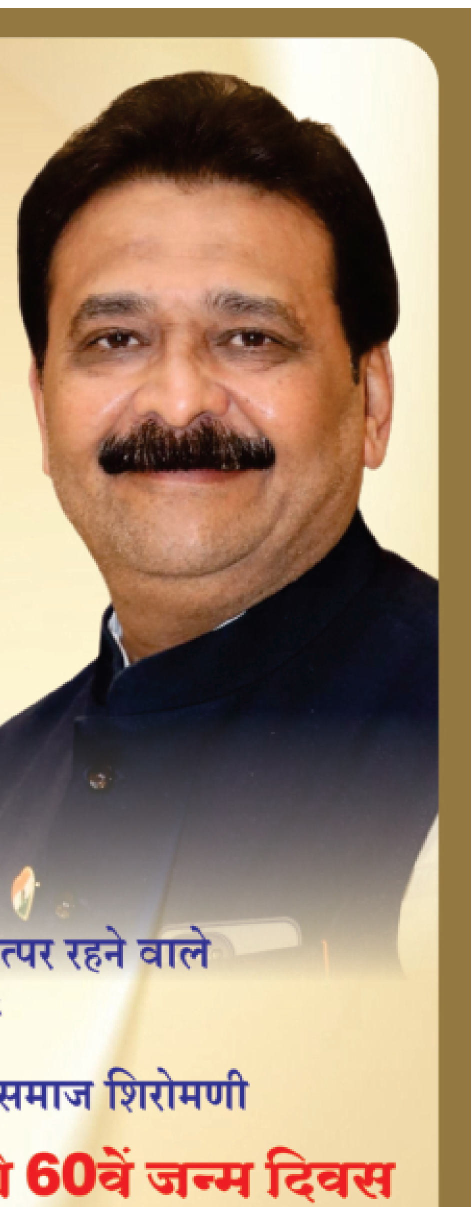

श्री महेन्द्र एच. सिंघी

क्रियाशील व्यक्तित्व के धनी, सेवाभावी, श्री सिद्धारुढ स्वामी मठ के पूर्व चेअरमन, कांठा प्रांत के गौरव, संस्कार स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष, दिव्यांगों की आशाकिरण, प्रवासी बंधुओं की यात्रा संबंधी सुविधाओं के लिए सदैव तत्पर रहने वाले ZRUCC मेंबर व अनेक उच्च संघ संस्थाओं में सेवाएं प्रदान करनेवाले हम सभी के प्रिय समाज शिरोमणी

श्री महेन्द्र सिंघी (तेजुभाई) को 60वें जन्म दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

शुभेच्छुक

CA चन्नवीर मुंगुरवाडी
चेअरमन
श्री सिद्धारूढस्वामी मठ ट्रस्ट कमीटी

गौतम गोलेच्छा
चेअरमन
महाविर लिंब सेंटर, हुबली

रविंद्र बलिगेर
पूर्व कार्यदर्शी
कर्नाटक चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रिज हुबली

महाविर कुंदूर
अध्यक्ष
संस्कार स्कूल, हुबली

कांतिलाल बोहरा
उपाध्यक्ष
संस्कार स्कूल, हुबली

जयंतिलाल चौहान
निर्देशक
संस्कार स्कूल, हुबली

अश्विन सेमलानी
मेंबर DRUCC
दक्षिण पश्चिम रेलवे, बेंगलूर मंडल

सुनिल कटारिया
Sha Hirachand Vanechand & Co. Hubli

सुभाष डंक
अध्यक्ष
भारत जैन महामंडल, हुबली

जीवन जीना एक कला है और मनुष्य जीवन का कलाकार: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जीवन जीना एक कला है और मनुष्य जीवन का कलाकार है। जैसा हम बनना चाहेंगे वैसा बन सकते है। सभी मानव जन्म से एक जैसे होते हैं पर कला ही उसे नया रूप प्रदान करती है। धर्म की कला मनुष्य को जीवन जीना सीखाती है। मनुष्य जीवन केवल पेट भरने के लिए नहीं मिला है। धर्म की कला आत्मा को भी सुंदर व पावन बना कर मनुष्य जीवन को सार्थक बनाती है। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि विकृतियों का ज्ञान प्राप्त कर उनको समझना और अपने को उनसे दूर रखना भी धर्म

की कला है। शरीर की बीमारी दवाओं से ठीक हो सकती है पर मन की बीमारी का समाधान मन ही कर सकता है। व्यक्ति मन के पीछे भागता रहता है पर मन की तृष्णा कभी नहीं मिट सकती है। मन ही व्यक्ति को अच्छा बुरा बनाता है। मन में बुरे भाव आ जाने पर व्यक्ति अपराध की तरफ अग्रसर होता है और मन में अच्छे भाव जागृत होने पर वह धर्म से जुड़ त्यागी तपस्वी बन जाता है। जिनवाणी मन को धर्म से जोड़ने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि मन को धर्म में लगा कर संसार के सपनों से दूर जाने वाला वैरागी बन जाता है। जिसका जीवन संतोष से परिपूर्ण होता है वह सुखी होता है। मन को जीतने की नहीं जीने की जरूरत है। मन हमारा दुश्मन नहीं दोस्त है। बस उसे समझने की आवश्यकता है और साक्षी भाव से देखना है। मन सावचेत रहने पर उसमें कलुषित भावना भी नहीं आएगी। दुनिया वहीं करती और बोलती है जो मन चाहता है। जो मन चाहता है इन्द्रिया वहीं करती है। मन वश में कर लिया तो पाप भी नहीं होंगे। मन को धर्म साधना से जोड़ देंगे तो जीवन सुधर जाएगा। जीवन की आसक्ति की रस्सी को तोड़ते हैं। जब तक अज्ञान, मोह एवं आसक्ति है, तब तक मन की दुष्टता दूर नहीं हो सकती। दुष्टता की जड़ आसक्ति पर काबू करें और मन की दुष्टता दूर करने के लिए ज्ञान, संयम एवं अध्यात्म का अंकुश लगाएँ। उन्होंने कहा कि छोटा-सा अंकुश विशालकाय हाथी को भी वश में रख सकता है, इसी प्रकार ज्ञान से अध्यात्मरूपी अंकुश, मन पर नियंत्रण जरूर करेगा। इस अवसर पर पिंकी संघवी, खुशी जैन, भूमी जैन, चंद्रकांत जैन, संतोष जैन, नरेश जैन, महेश जैन, कांतिलाल जैन उपस्थित रहे।

जिनवाणी साधक का आध्यात्मिक विकास करती है: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित साध्वी निर्मलाजी के सान्निध्य में साध्वी उपासना ने उत्तराध्ययन सूत्र के तेईसवें अध्ययन का विवेचन करते हुए बताया कि यह अध्ययन भगवान गौतमस्वामी और केशीकुमार श्रमण के ऐतिहासिक संवाद पर आधारित है, जिसमें भगवान पार्श्वनाथ और भगवान महावीर की दो परम्पराओं का सुंदर समन्वय प्रकट होता है। साध्वी उपासना ने कहा कि भगवान महावीर ने केवल बाह्य रूपों में नहीं, बल्कि आचार-विचार में भी यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाया।

गौतमस्वामी और केशीकुमार के संवाद से यह संदेश मिलता है कि धर्म का सार कभी बदलता नहीं, केवल उसका रूप परिवर्तित होता है। सत्य और संयम दोनों ही कालातीत हैं। यह अध्ययन संवाद, समाधान और समन्वय की स्थिरता का प्रेरक प्रतीक है। आठ प्रवचन-माताओं के माध्यम से यह अध्ययन साकार हुआ है, इसलिए इसका नाम 'प्रवचन-माता' रखा गया है। जैसे माता अपने बालक को जन्म देकर उसका पालन-पोषण करती है, वैसे ही जिनवाणी साधक को आत्मिक जन्म देकर उसका आध्यात्मिक विकास करती है। इस अध्ययन में पाँच समितियाँ और तीन गुप्तियाँ सम्मिलित हैं, ईर्या समिति, आना-जाना विवेकपूर्वक करना। भाषा समिति, असत्य, कठोर या अहितकारी वचन से बचना। एषणा समिति, आहार एवं आवश्यक वस्तुओं के ग्रहण में मर्यादा रखना। आदान-निक्षेप समिति, वस्तुओं का विवेकपूर्ण उपयोग करना। परिष्ठापना समिति: अनुपयोगी पदार्थों का विवेकपूर्वक परित्याग करना। इन पाँच समितियों का उद्देश्य अहिंसक व्यवहार का पालन है। तीन गुप्तियाँ ˆ मनोगुप्ति, वचनगुप्ति, और कायगुप्ति ˆ साधक को पाप के सूक्ष्मतम स्पर्श से भी बचने का मार्ग दिखाती हैं। ये आठों प्रवचन-माताएँ साधक-जीवन का मूल आचार हैं और आत्मशुद्धि की आधारशिला हैं। आभार ज्ञापन राकेश दलाल ने और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

व्यक्ति जन्म से नहीं बल्कि कर्म से महान बनता है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में उत्तराध्ययन सूत्र का विवेचन करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि तप त्याग सेवा चारित्र ये किसी जाति धर्म या व्यक्ति विशेष की बपौती नहीं होते हैं।

व्यक्ति जन्म से नहीं बल्कि कर्म से महान बनता है। उसके कार्य कलाप ही व्यक्ति के परिचय बनते हैं। इसलिए कभी भी हमे अपने कुल जाति या वैभव का घमंड नहीं करना चाहिए। इंदुप्रभा जी ने कहा कि हमे संतों का कभी अपमान नहीं करना चाहिए। संत निर्ग्रन्थ होते हैं और कनक कामिनी के त्यागी, काम भोग विषय विकार से मुक्त होते हैं। हम अपनी संतानों को संतों से दूर नहीं रखें और न गलत धारणा उनके मन में भरें।

उत्तराध्ययन में भृगु पुरोहित का वर्णन आता है। उन्होंने अपने बच्चों को संयम की ओर बढ़ने से रोकने के लिए संतों के बारे में गलत जानकारी भर दी कि संत हत्यारे होते हैं। सत्य पर आवरण ज्यादा समय तक टिकता नहीं है और सत्य सामने आते ही पुरोहित के पूरे परिवार ने दीक्षा ले कर आत्म कल्याण कर लिया। इसलिए हम अरिहंत सिद्ध साधु और धर्म की असातना नहीं करें और रूप नहीं बल्कि गुणों को महत्व दें। दोपहर में श्राविकाओं के लिए अंत्याक्षरी का आयोजन हुआ। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

मन पर जीत पाना ही ब्रह्मचर्य है: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव के प्रसंग पर प्रभु की अंतिम वाणी का रसा स्वादन चल रहा है। प्रभु ने मोक्ष में जाने से पूर्व भव्य जीवों के कल्याण के लिए उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से मोक्ष का मार्ग दिखाया है।

प्रभु महावीर शासन के स्वामी हैं। सभी को सत्मार्ग दिखाया है। पापी मनुष्य को भी पार लगाया है। प्रभु शरण में आने वाला जीवन का कल्याण कर लेता है। प्रभु चरणों में जाते ही मानव के

कर्मों की निर्जरा होने लगती है। ऐसी ज्ञान की वाणी सभी के लिए कल्याणकारी है। 16वां अध्याय ब्रह्मचर्य समाधि है। आत्म रमन करना ही ब्रह्मचर्य है। मन पर जीत पाना ही ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मचर्य में रमन करना शील में रहना बहुत कठिन है। लेकिन यही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। जब मानव आत्मा में रमन करने लगता है तो वह सतर्क हो जाता है। इसके लिए विवेक की जरूरत होती है। धन दौलत से कीमती शील की रक्षा करना होता है। ब्रह्मचर्य में रहना बहुत मुश्किल है। सब कुछ जितना आसान है लेकिन मन को बस में करना बहुत कठिन है। हाथी का दांत तोड़ना, शेर को मरना आसान है। लेकिन मन को बस में करना बहुत मुश्किल है। जिसने मन को बस में कर लिया वह ब्रम्हचर्य के मार्ग पर चल सकता है।

इस शील तन की रक्षा के लिए मन बस में होना बहुत जरूरी है। साधु को गोचरी के लिए भी जाना हो तो कहां जाना यह सोचना चाहिए। ऐसे ही हर जगह नहीं जाना चाहिए। जैन ही है अगर शाकाहारी नहीं है तो वहां गोचरी के लिए साधु को नहीं जाना चाहिए। ऐसे ही ब्रह्मचर्य का पालन करने वालों के लिए कई नियम कानून होते है। उसका अगर पालन नहीं किया तो सब मामला गड़बड़ हो जाता है। भगवान की वाणी का अनुभव होने पर मानव गलत मार्गों पर जाने से बच जाता है। चंदन के वृक्ष में सांप लपता रहता है, लेकिन उसमें थोड़ा भी विष नहीं आता है। ऐसे ही साधु संतों को भी सचेत रहना चाहिए। सूखा रुखा जो भी हो उसको खा लेना चाहिए। ज्यादा सिंगार और मेकअप भी नहीं करना चाहिए। नियंत्रण में रहना चाहिए। ज्यादा दिखावा करना भी गड़बड़ हो जाता है। नियंत्रण में रह कर मन को बस में रख कर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

राजाजीनगर को सेवा के क्षेत्र में मिला प्रथम पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा गुजरात की धरा, अहमदाबाद के कोबा विश्व भारती ध्यान केंद्र में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सानिध्य में आयोजित 59वें राष्ट्रीय अधिवेशन एकत्व में अभातेयुप द्वारा शाखा मूल्यांकन के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर को विशाल श्रेणी में सत्र 2024-2025 अध्यक्ष कमलेश चौरडिया के नेतृत्व में सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु पुरे भारत वर्ष में प्रथम स्थान से पुरस्कृत किया गया।

इसी के साथ तेरह अन्य सम्मान से भी सम्मानित किया गया। जिसमें प्रथम सम्मान-चोका सत्कार, द्वितीय सम्मान-जैन संस्कार विधि में स्टार परफॉर्मर परिषद, तृतीय सम्मान-कॉंफिडेंट पब्लिक स्पीकिंग सीनियर

आयोजन, चतुर्थ सम्मान-कॉंफिडेंट पब्लिक स्पीकिंग जूनियर आयोजन, पांचवां सम्मान-भिक्षु विचार दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजन, छठा सम्मान-तेरापंथ टास्क फोर्स कार्यशाला का आयोजन, सातवां सम्मान- अभ्यर्थना एक क्रांति 24 घंटे जप का आयोजन, आठवां सम्मान- केबीसी कौन बनेगा चैम्पियन में पूरे भारतवर्ष में द्वितीय स्थान, नौवां सम्मान-आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु एवं दसवां सम्मान -आचार्य तुलसी डे-केयर हॉस्पिटल का शुभारंभ, 11वां सम्मान फिट युवा हिट युवा के अंतर्गत पुरे भारत वर्ष में स्टार परफॉर्मेंस हेतु सम्मान, इस वर्ष जितेश दक की अध्यक्षता में एमबीडीडी में दो सम्मान, 12वां सम्मान 24 कैंप करने हेतु और 13वां सम्मान एमबीडीडी में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु शामिल है। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के हर एक युवा साथी एवं किशोरों द्वारा गत वर्ष सेवा-संस्कार-संगठन के क्षेत्र उल्लेखनीय कार्यक्रमों को संपादित करने में अथक श्रम नियोजित हुआ है। दानदाताओं के अर्थ सहयोग से ही सभी कार्यक्रम सफल हो पाए। इस अवसर पर तेयुप से अध्यक्ष जितेश दक, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चौरडिया, अभुतपूर्व अध्यक्ष कमलेश गन्ना, अभूतपूर्व अध्यक्ष सतीश पोरवाड़, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी, जयंतीलाल गांधी, मंत्री अनिमेष चौधरी, जितेन्द्र कोठारी ने अधिवेशन में सहभगिता दर्ज करते हुए कोबा अहमदाबाद में विराजित पूज्य प्रवर आचार्य श्री महाश्रमणजी, साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभाजी, मुख्य मुनि महावीर कुमारजी, तेयुप आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि योगेश कुमारजी एवं सभी साधु-साध्वियों की सेवा-दर्शन करते हुए परिषद द्वारा संपादित कार्यों की संक्षिप्त जानकारी प्रगति प्रतिवेदन के माध्यम से सम्प्रेषित की गई।

आचार्य तुलसी चेतना सेवा केंद्र की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य तुलसी चेतना सेवा केंद्र के पदाधिकारियों द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सामूहिक नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

अध्यक्ष ललित मांडोत ने स्वागत करते हुए कहा चेतना सेवा केंद्र को आध्यात्मिक एवं सामाजिक रूप से कैसे उन्नत करें, इस विषय पर चिंतन किया जाएगा।

इस अवसर पर मुनि श्री पुलकित कुमार जी का 15 दिवस का प्रवास भी प्राप्त हुआ है। जिस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए विचार विमर्श किए गया। बेंगलूरु क्षेत्र के श्रावक समाज को ज्यादा से ज्यादा सेवा उपासना करने की भी विशेष व्यवस्था के साथ रुकने और ठहरने का प्रबंध भी किया जाएगा। मंत्री लादू लाल बाबेल ने कार्यक्रम की सफलता हेतु कुछ बिंदुओं पर सुझाव दिए। इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारी ने समर्थन दिया। संस्था द्वारा सेवा कार्य जैसे स्वास्थ्य शिविर, अन्नदानम, स्कूलों में यूनिफॉर्म वितरण को आति शीघ्र प्रारंभ करने को लेकर विचार किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मदन बारमेचा, संगठन मंत्री विक्रम दूगड़, सह मंत्री राजेश चावत, राकेश छाजेड़, विमल पितलिया एवं कन्हैया लाल चिप्पड़ उपस्थित रहे।

ब्राह्मण धर्मसभा का बड़ा फैसला: 21 अक्टूबर को मनाई जाएगी दीपावली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

संपूर्ण कर्नाटक के विद्वान ब्राह्मणों द्वारा हाल ही में बेंगलूरु के कृष्णराज हॉस्पिटल रोड स्थित सिंधी धर्मशाला में धर्मसभा का आयोजन किया गया। पंडित राहुल शर्मा ने बताया कि सभा में दीपावली महापर्व कब मनाएं को लेकर चर्चा हुई। आज संपूर्ण भारतवर्ष में दीपावली महापर्व को लेकर एक बहुत बड़ी बहस छिड़ी हुई है और जनमानस द्वारा विप्रो (ब्राह्मणों) को व्यंग्यात्मक दृष्टिकोण से देखा और पूछा जा रहा है कि ब्राह्मण अपने लालच के कारण दो-दो दिन त्योहार मना रहे हैं। इसी रोष को प्रकट करने के लिए हम सभी ब्राह्मण आज एकजुटता का प्रतीक देकर एक

होने जा रहे हैं। बेंगलूरु के सिंधी मंदिर में समस्त ब्राह्मणों द्वारा धर्मसिंधु, निर्णय सिंधु एवं अनेकों पंचांगों द्वारा विदित कर 21 को दीपावली मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर पंडित जसवंत शर्मा, पंडित अनुराग शास्त्री, पंडित मुरारी दाधीच, पंडित रमेश श्रीमाली, पंडित घनश्याम दवे, मैसूरु के पंडित राहुल शर्मा एवं समस्त ब्राह्मण समाज के पंडित उपस्थित रहे।

दिवाली से पहले आनंद सब के लिए कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स द्वारा कोडीहल्ली में आयोजित विशेष कार्यक्रम दिवाली से पहले दिवाली- आनंद सब के लिए का कार्यक्रम पूरे उत्साह और भावनात्मक माहौल के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह आयोजन कोडीहल्ली में सरकारी मॉडल प्राइमरी स्कूल में रह रहे 30 बालिकाओं के साथ मंच सदस्यों, उनके परिवार एवं बच्चो के बीच स्नेह, सहयोग और सौहार्द को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया था।

कार्यक्रम में बच्चों के चेहरों पर दिखा जोश, उत्साह और आत्मविश्वास अविस्मरणीय था। उनकी शानदार प्रस्तुतियों और सहभागिता ने सभी उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। बच्चों ने न केवल रंगारंग नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, बल्कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी दिया। पर्यावरण संरक्षण पर प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति - कार्यक्रम की सबसे प्रभावशाली प्रस्तुतियों में से एक पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित नाट्य प्रस्तुति थी। बच्चों ने इस नाटक के माध्यम से पर्यावरण को बचाने की आवश्यकता पर बल दिया और सामूहिक रूप से सेव मदर अर्थ का संकल्प लिया। उनकी इस पहल ने सभी उपस्थित सदस्यों को भावुक कर दिया। इस आयोजन को यादगार बनाने के लिए मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स द्वारा कई गतिविधियां शामिल की गईं। बच्चों के साथ आयोजित सामूहिक केक कटिंग समारोह और रंगारंग कार्यक्रमों ने उत्साह का माहौल बना दिया, जिसके बाद विद्यारण्या संस्था को किचन आइटम, स्टेशनरी किट और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गईं। इसके अतिरिक्त, बच्चों को स्वादिष्ट लंच और आइसक्रीम का वितरण किया गया और उनके पटाखे फोड़ने के उत्साह ने पूरे माहौल को दिवाली की रोशनी से जगमगा दिया, जिससे यह आयोजन यादगार बन गया। आयोजकों संयोजक दीपा चौधरी, प्रांजल सरावगी, श्याम जालान के अथक प्रयासों से शाखा का यह एक सफलतम कार्य रहा जहां बच्चों की खुशहाली - मनाओ दिल से दीपावली वाली कहावत चरितार्थ होती है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम मात्र एक सेवा गतिविधि नहीं था, बल्कि मंच के सभी सदस्यों और उनके परिवारों के बीच रिश्तों को मजबूत करने का भी एक अवसर था। उन्होंने सभी सदस्यों का उनके समय, प्रयास और सहयोग के लिए हृदय से धन्यवाद किया, जिसके कारण यह आयोजन वास्तव में जोरदार, जबरदस्त और यादगार बन गया।

अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने विश्वास व्यक्त किया कि इस ऊर्जा और भावना को आगे भी जीवित रखा जाएगा, ताकि हर दीपावली किसी न किसी के चेहरे पर नया उजाला और मुस्कान ला सके।

अब से एसएसएलसी और पीयूसी परीक्षा में 33 प्रतिशत अंक लाने पर ही उत्तीर्णता मिलेगी: शिक्षा मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री एस. मधुबंगारप्पा ने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से एसएसएलसी और माध्यमिक परीक्षाओं में उत्तीर्णता अंक कम कर दिए गए हैं और 33 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्र उत्तीर्ण घोषित किए जाएँगे। एसएसएलसी परीक्षा में, उम्मीदवार को कुल 33 प्रतिशत अंक और 625 अंकों में से कम से कम 206 अंक प्राप्त करने होंगे। उन्होंने कहा कि संबंधित विषय में कुल अंकों का कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र को उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि द्वितीय पीयूसी परीक्षा में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे। प्रत्येक विषय में कम से कम 30 अंक, लिखित, प्रायोगिक, आंतरिक अंकों सहित, प्राप्त करने होंगे। कुल 600 अंकों में से 198 अंक प्राप्त करने वाले छात्र को उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह नियम वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से एसएसएलसी और द्वितीय पीयूसी परीक्षाओं में नए छात्रों,

पुनरावर्तकों और निजी उम्मीदवारों पर लागू होगा।

सीबीएसई और पड़ोसी राज्यों में सभी विषयों और प्रत्येक विषय में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने का मानदंड अपनाया गया है। राज्य प्रशासनिक सुधार आयोग ने भी उत्तीर्ण अंकों को कम करने की सिफारिश की थी। उन्होंने बताया कि अब तक, एसएसएलसी और द्वितीय पीयूसी में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य था। उन्होंने कहा कि इस बदलाव का राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और स्कूल परीक्षा एवं मूल्यांकन बोर्ड आने वाले दिनों में इस बारे में और जानकारी देगा। न्यूनतम उत्तीर्ण अंकों को कम करने के लिए जनता के सुझाव स्वीकार किए गए। 33 प्रतिशत अंकों के पक्ष में 701 पत्र प्राप्त हुए। 35 प्रतिशत अंकों के पक्ष में केवल 8 पत्र प्राप्त हुए। इसलिए, उत्तीर्णता के लिए 33 प्रतिशत अंकों पर विचार करने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा प्रणाली में सुधार लाना बहुत जरूरी है। इस बारे में काफी चर्चा हुई। अगर छात्र किसी अलग प्रणाली से उत्तीर्ण होते हैं, तो बाद में समस्याएँ आएंगी। इसलिए, हम वेबकास्टिंग के माध्यम से परीक्षा आयोजित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सालाना तीन परीक्षाएँ लागू की गई हैं। सरकारी स्कूलों में अच्छे शिक्षक हैं। हालाँकि, विभाग उनकी सेवाओं का उपयोग करने में हिचकिचा रहा था। शिक्षक इसे सुधार रहे हैं और पढ़ा रहे हैं। यहाँ तक कि मुख्यमंत्री ने भी कहा था कि ग्रेस मार्क्स नहीं दिए जाने चाहिए। हमें 75 प्रतिशत का लक्ष्य दिया गया था। इस वर्ष, हमने 79 प्रतिशत परिणाम प्राप्त किए हैं। राज्य भर के 800 सरकारी स्कूलों को एक साथ अपग्रेड करके कर्नाटक पब्लिक स्कूलों में बदलने की योजना बनाई गई है, और 400 करोड़ रुपये की लागत से आवश्यक बुनियादी ढाँचा विकसित किया जाएगा। इन स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षा से लेकर दूसरे पीयूसी तक एक ही छत के नीचे शिक्षा की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि एशियाई विकास बैंक के सहयोग से राज्य सरकार द्वारा 500 स्कूलों को केपीएस स्कूलों में अपग्रेड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कल्याण कर्नाटक क्षेत्रीय विकास बोर्ड निधि के माध्यम से 200 स्कूलों को केपीएस स्कूलों में परिवर्तित किया जाएगा। खनन पर्यावरण पुनरोद्धार निगम 10 तालुकों में 100 केपीएस स्कूलों को अपग्रेड करेगा और एक अलग डीपीआर तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 2 से 3 केपीएस स्कूलों और प्रत्येक तालुक में 4 से 5 स्कूलों का उन्नयन किया जाएगा। सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण में शिक्षक भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे सभी का धन्यवाद करते हैं और कहा कि जीबीए को छोड़कर 91.46 प्रतिशत प्रगति हुई है। विश्वास है कि बेंगलूरु में सर्वेक्षण समय पर पूरा हो जाएगा। उन्होंने शिक्षकों द्वारा छोटी-मोटी तकनीकी समस्याओं और दबाव के बावजूद पूरी ईमानदारी से सर्वेक्षण करने की सराहना की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्कूल शिक्षा विभाग की प्रधान सचिव राशि महेश, सुरालकर आयुक्त विकास किशोर, एकीकृत शिक्षा कर्नाटक परियोजना की निदेशक विद्याकुमारी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सरकार कर्नाटक में स्थानीय निकाय चुनाव कराने के पक्ष में: मुख्यमंत्री

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा है कि उनकी सरकार स्थानीय निकायों के चुनाव कराने के पक्ष में है और सरकार अदालत के निर्देशों का पालन करेगी। हासन में बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनाव का मुद्दा अदालत में है। हम अदालत के निर्देशानुसार चुनाव कराएँगे। हम चुनाव कराने के लिए तैयार हैं। हमें बेंगलूरु नगर निगम और अन्य शहरी स्थानीय निकायों के भी चुनाव कराने हैं। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए चुनाव जरूरी हैं। एक सवाल का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि दो दिन पहले हुई रात्रिभोज बैठक का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। हम अक्सर रात्रिभोज पर मिलते हैं और पार्टी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हैं। हालाँकि, इसका नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है। आरएसएस को सरकारी भवनों में कार्यक्रम आयोजित करने से रोकने संबंधी क्षेत्रीय जनसंपर्क मंत्री प्रियांक खड़गे के पत्र के बारे में, सिद्धरामैया ने कहा कि यह मुद्दा केवल आरएसएस तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा केवल आरएसएस ही नहीं, किसी भी संगठन को स्कूल परिसर या पार्क जैसे सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित नहीं करने चाहिए, जिससे दूसरों को परेशानी हो। तमिलनाडु ने इस संबंध में एक नीति बनाई है। मैंने अधिकारियों से कहा है कि वे देखें कि तमिलनाडु ने इस संबंध में क्या किया है। मंत्रिमंडल फेरबदल पर एक सवाल का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा बिहार चुनाव खत्म होने दीजिए। मुख्यमंत्री हसनम्बा मंदिर के दर्शन के लिए हासन आए थे। उनके साथ विधायक और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

कर्नाटक में पेट्रोल और डीजल उपकर से असंगठित क्षेत्र के लगभग 1.30 करोड़ मजदूरों को होगा लाभ: श्रम मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रम मंत्री संतोष एस. लाड ने कहा है कि कर्नाटक में असंगठित क्षेत्रों के लगभग 1.30 करोड़ मजदूरों को पेट्रोल और डीजल पर प्रस्तावित 1 उपकर संग्रह से लाभ मिलेगा।

यादगीर के सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए लाड ने कहा कि विभाग का लक्ष्य पेट्रोल और डीजल पर 1 उपकर का उपयोग करके असंगठित क्षेत्रों को अधिक सरकारी लाभ प्रदान करना है। उन्होंने कहा यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को भेजा गया है और इसे चर्चा के लिए कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा अगर कैबिनेट इसे मंजूरी देती है, तो असंगठित क्षेत्रों के मजदूरों को लाभ मिलेगा। श्रम विभाग अपने-अपने पेशे में कार्यरत 101 विभिन्न प्रकार के मजदूरों को स्मार्ट कार्ड वितरित करने जा रहा है। ड्यूटी के दौरान मृत्यु या स्थायी विकलांगता से पीड़ित मजदूर के

परिवार के सदस्यों को 1 लाख का मुआवजा दिया जाएगा, और अस्पताल के खर्च के लिए 50,000 भी दिए जाएँगे। लाड ने कहा कि परिवहन क्षेत्र के मजदूरों को अन्य असंगठित क्षेत्रों की तुलना में अधिक लाभ मिलेगा। मृत्यु और स्थायी विकलांगता पर परिवार के सदस्यों को 5 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। श्रम विभाग के अधिकारी पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कर रहे हैं। अब तक 10 लाख मजदूरों ने पंजीकरण कराया है। मंत्री ने कहा कि फर्जी निर्माण श्रमिक सदस्यता कार्डों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अब तक ऐसे 28 लाख कार्ड हटाए जा चुके हैं। निर्माण मजदूरों के परिवारों के लगभग 13 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई है। ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा आरएसएस के खिलाफ आवाज उठाने के बाद उन्हें मिली धमकी भरे कॉल के बारे में पूछे जाने पर, लाड ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। जिन लोगों ने महात्मा गांधी की हत्या की थी, वे उनके खिलाफ आवाज उठाने वालों को धमकी देंगे। अभी तक मुझे कोई धमकी भरा कॉल नहीं आया है। हम सार्वजनिक जीवन में हैं। हमें ऐसी परिस्थितियों का सामना करना चाहिए। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर 11 साल सत्ता में रहने के बावजूद बिहार के लोगों की जीवनशैली में सुधार न करने का आरोप लगाया। बिहार की प्रति व्यक्ति आय मात्र 60,000 है। बिहार के लोगों के लिए उनका (भाजपा और कुमार का) क्या योगदान था? उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बिहार की 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 जमा करने का आरोप लगाया, जबकि भाजपा कर्नाटक में गारंटी योजनाओं का विरोध कर रही है। श्रम मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश और गुजरात को ज्यादा तरजीह दी, जहाँ भाजपा या उसके सहयोगी दल सत्ता में हैं, और ज्यादा अनुदान जारी किया। केंद्र के तरजीही रवैये के तहत, आंध्र प्रदेश को गूगल का एआई हब मिल रहा है।

अब तक 6.40 लाख श्रद्धालु हसनम्बा मंदिर के दर्शन कर चुके

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

देवी हसनम्बा के सार्वजनिक दर्शन के छठे दिन बुधवार को भक्तों ने देवी के दर्शन किए। जिला प्रभारी मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने मंदिर परिसर और उसके आसपास रथों की कतारों में खड़े भक्तों से बात की और बुनियादी ढाँचे का निरीक्षण किया। बाद में, पत्रकारों से बात करते हुए, मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने बताया कि पिछले पाँच दिनों में 6,40,700 लोग दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि सुबह एक लाख लोगों ने दर्शन किए। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में भक्तों की संख्या 2.50 लाख को पार कर सकती है और कहा कि चाहे जितने भी लोग आएँ, सभी को सुचारू रूप से दर्शन होंगे। सभी व्यवस्थाएँ पूरी हैं और लोगों को दर्शन के लिए कुछ और समय मिलेगा। मौजूदा हालात में चार घंटे लगते हैं और आने वाले दिनों में आने वालों को चार-पाँच घंटे कतार में खड़े रहने

के लिए तैयार रहना चाहिए। एक हजार और 300 रुपये के विशेष दर्शन टिकट के माध्यम से पिछले साल से ज्यादा पैसा इकट्ठा हो रहा है। आमदनी हो या न हो, लोगों को जल्द दर्शन कराना हमारे लिए जरूरी है। दर्शन उत्सव में शामिल लोग बड़े आनंद से दर्शन कर रहे हैं। देवी की कृपा से सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है, इसकी सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि दर्शन के अभी आठ दिन और हैं। उन्होंने कहा कि हर दिन लोगों की संख्या कम से कम 50 प्रतिशत बढ़ेगी और हमें चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन हम अच्छी व्यवस्था के साथ दर्शन कराएँगे। शिष्टाचार के नियमों के अनुसार, पूर्व मंत्री गोपालैय्या, बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, विधायक एच.के. सुरेश, विनय गुरुजी, नयना मोटामा, चलवाडी नारायणस्वामी, पीजी आर सिंधिया, प्रथम, फिल्म अभिनेता वशिष्ठ सिम्हा, हरिप्रिया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बुधवार को हसनम्बा देवी के दर्शन किए। इस अवसर पर जिला कलक्टर के.एस. लता कुमारी, जिलाधिकारी सीईओ बी.आर. पूर्णिमा, एसपी मोहम्मद सुजीता, सांसद श्रेयस पटेल और मंदिर प्रशासक मौजूद थे।

धमकी भरे कॉल का वीडियो पोस्ट किया

हमारी लड़ाई आरएसएस द्वारा फैलाई जा रही गंदी मानसिकता के खिलाफ: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के आईटी-बीटी और ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा यह कहने के एक दिन बाद कि उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और सरकारी संपत्तियों पर उसकी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने पर धमकी भरे कॉल मिल रहे हैं, उन्होंने बुधवार को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें एक व्यक्ति को मंत्री को कठोर और असंसदीय भाषा में गाली देते हुए सुना जा सकता है। इसे उन्हें मिल रही धमकी और गाली-गलौज वाली कॉलों का एक नमूना बताते हुए, खड़गे ने कहा कि यह वीडियो आरएसएस द्वारा युवाओं के दिमाग में भरी जा रही गंदगी का एक छोटा सा उदाहरण है। उन्होंने कहा जबकि भाजपा नेताओं के बच्चे अपना उज्ज्वल भविष्य बना रहे हैं, गरीब और वंचित परिवारों के बच्चों को दूसरों को गाली देने और धमकाने के लिए बलि का बकरा बनाया जा रहा है। अगर मैं शिकायत दर्ज कराता हूँ, तो इससे केवल उस व्यक्ति की जिंदगी को नुकसान होगा और उन लोगों को कोई नुकसान नहीं होगा जिन्होंने उसे इस मानसिक स्थिति में धकेला। वीडियो में, जो खड़गे और एक अज्ञात व्यक्ति के बीच फोन पर हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग है, फोन करने वाले को मंत्री की माँ के लिए हिंदी में अपशब्द कहते सुना जा सकता है। इसके जवाब में, खड़गे ने जानना चाहा कि क्या कर्नाटक के भाजपा नेता बी.वाई. विजयेंद्र, आर. अशोक, सी.टी. रवि, वी. सुनील कुमार, प्रताप

सिम्हा, चलवाडी नारायणस्वामी और अन्य मोदी और मोहन भागवत की माताओं के लिए इस तरह की गालियाँ देना स्वीकार्य मानेंगे। आरएसएस पर अपना हमला जारी रखते हुए, उन्होंने कहा हमारी लड़ाई व्यक्तियों के खिलाफ नहीं, बल्कि आरएसएस द्वारा फैलाई जा रही इस गंदी मानसिकता के खिलाफ है। यह उन दुष्ट ताकतों के खिलाफ लड़ाई है जो मासूमों का ब्रेनवॉश कर रही हैं और उनके दिमाग को दूषित कर रही हैं। आरएसएस के कार्यकर्ताओं को बुद्ध, बसवन्ना और अंबेडकर के आदर्शों से परिचित कराने की जरूरत दोहराते हुए, खड़गे ने कहा कि वह मासूम बच्चों और युवाओं को ऐसी भ्रष्ट व्यवस्था का शिकार होने से बचाने के लिए कड़े कदम उठाएँगे।

मंत्री ने कहा अगर उन्हें लगता है कि मैं इन धमकियों और अपमानों से घबरा जाऊँगा, तो वे भ्रम में हैं। मेरी राजनीति सिर्फ सत्ता-केंद्रित नहीं है, बल्कि वैचारिक राजनीति है, एक जन-केंद्रित राजनीति है जो निर्दोष युवाओं को इस दुष्चक्र से बाहर निकालने का प्रयास करती है। रविवार को, जिस दिन आरएसएस ने बेंगलूरु में सौ कार्यक्रम आयोजित किए (जिनमें से कई स्कूल परिसरों और अन्य सरकारी परिसरों में आयोजित किए गए), खड़गे ने मांग की कि सरकारी संपत्तियों पर ऐसी गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा देश के बच्चों, युवाओं, जनता और समग्र समाज की भलाई के हित में, मैं विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूँ कि सरकारी संपत्तियों के परिसरों में आरएसएस द्वारा संचालित सभी प्रकार की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाए, चाहे वे शाखा, सांघिक या बैठक के नाम पर हों। सिद्धरामैया ने कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु सरकार द्वारा वहाँ आरएसएस की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के लिए उठाए गए कदमों का अध्ययन करने का निर्देश दिया है।

बस के पेड़ से टकरा जाने से दस लोग घायल

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में मबनूर क्रॉस के पास मंगलवार की रात को एक एनडब्ल्यूकेआरटीसी बस के पेड़ से टकरा जाने से कम से कम दस लोग घायल हो गए। बस बेंगलूरु से अथानी जा रही थी। पुलिस अधिकारियों ने सभी घायलों को गोकक तालुका अस्पताल और अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया। घायलों के रिश्तेदारों ने पुलिस से शिकायत की कि स्वास्थ्य विभाग की एम्बुलेंस ने उनकी मदद की गुहार पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जबकि उन्होंने दुर्घटना के तुरंत बाद स्वास्थ्य विभाग की हेल्पलाइन पर कॉल किया था।

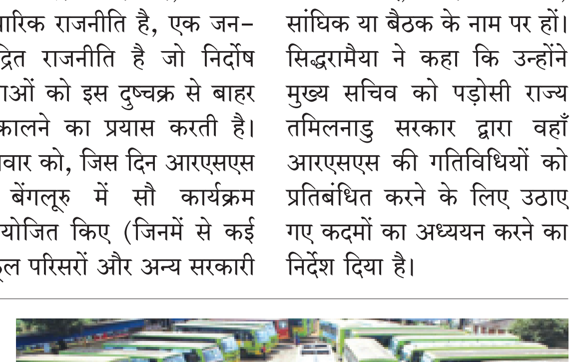

अवैज्ञानिक और अधूरे नागरिक कार्यों का हवाला देते हुए संपत्ति कर वसूली पर रोक लगाने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बार-बार आने वाली बाढ़, अव्यवस्थित सड़क निर्माण कार्य और अनियोजित नागरिक परियोजनाओं से निराश, बेंगलूरु के पूर्वी इलाकों के निवासियों ने कर्नाटक सरकार से बुनियादी ढाँचे के बहाल होने तक संपत्ति कर वसूली स्थगित करने का आग्रह किया है। आयकरदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले नागरिक समूह, वरथूर, पनाथूर और बालगेरे के व्यक्तिगत करदाता मंच (आईटीपीएफ) के सदस्यों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को लिखे एक पत्र में, नागरिक एजेंसियों पर 'अवैज्ञानिक, अपूर्ण और खराब समन्वय' वाली सफेदी और जल निकासी कार्य करने का आरोप लगाया है, जिसके कारण भीषण बाढ़ आई है और यातायात और सामान्य जीवन बाधित हुआ है। पत्र में कहा गया है कि बार-बार अपील करने और 27 सितंबर को बाढ़ प्रभावित वरथूर में मुख्यमंत्री के दौरे के बावजूद, अधिकारी समस्याओं का समाधान करने में विफल रहे और पैचवर्क का काम शुरू कर दिया है।

समूह ने आरोप लगाया कि जल निकासी लाइनों को सीवेज मैनहोल से जोड़ा जा रहा है, जिससे भारी बारिश के दौरान पानी का बहाव रुक रहा है। उन्होंने कहा कि नए सिरे से बनाए गए हिस्से, खासकर

पनाथूर मेन रोड पर, दोषपूर्ण ढाल डिजाइन के कारण पानी भर रहा है।

बेंगलूरु सिटी ईस्ट कॉर्पोरेशन के अंतर्गत वरथूर और पनाथूर क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे एक इंजीनियर ने कहा कि सभी कार्य वैज्ञानिक रेखाचित्रों के अनुसार और सड़क निर्माण नियमावली के अनुसार किए जा रहे हैं। मंच ने सभी चल रहे कार्यों का वैज्ञानिक ऑडिट कराने, किसी भी नई सफेदी करने से पहले वर्षा जल नेटवर्क को पूरा करने और ठेकेदारों और अधिकारियों के लिए सख्त जवाबदेही की मांग की है। इसने सरकार से सुरक्षित पैदल मार्ग बनाने और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों को अवरुद्ध करने वाले अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी आग्रह किया। फोरम ने कहा नम्मा बेंगलूरु विश्व स्तर पर भारत के आईटी केंद्र के रूप में जाना जाता है, लेकिन इस तरह की नागरिक लापरवाही ब्रांड बेंगलूरु के गौरव और विश्वसनीयता को धूमिल करती है। पत्र में कहा गया है, नागरिक करों के भुगतान के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन चाहते हैं कि करों का प्रभाव बेहतर सेवाओं पर पड़े। हमें अच्छा सार्वजनिक बुनियादी ढांचा प्रदान करें और कर वसूलें। यदि जीबीए करदाताओं के अनुरोधों की अनदेखी करता रहता है, तो हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप उन्हें हमसे संपत्ति कर न वसूलने का आदेश दें। आईटीपीएफ की सदस्य श्वेता ने कहा कि क्षेत्र के निवासियों द्वारा हस्ताक्षरित यह पत्र मुख्यमंत्री को ईमेल के माध्यम से भेजा गया था। उन्होंने बताया उन्हें हमें करों से मुक्त कर देना चाहिए। हम उस पैसे का उपयोग उन पर निर्भर रहने के बजाय अपने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए करेंगे। बेंगलूरु सिटी ईस्ट कॉर्पोरेशन के अंतर्गत वरथूर और पनाथूर क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे एक इंजीनियर ने कहा कि सभी कार्य वैज्ञानिक रेखाचित्रों के अनुसार और सड़क निर्माण नियमावली के अनुसार किए जा रहे हैं।

मनमर्जी से बयानबाजी कर रहे कांग्रेस नेता

आरएसएस पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता: विजयेंद्र

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा है कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगाना असंभव है। यहाँ मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के विधायक और वरिष्ठ मंत्री आरएसएस पर अपनी मनमर्जी से बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने इस ओर ध्यान आकर्षित किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के इस पावन अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से भाषण देते हुए आरएसएस की प्रशंसा की थी। आरएसएस निस्वार्थ भाव से देश निर्माण और युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाने का ईमानदार कार्य करता रहा है। उन्होंने बताया कि आरएसएस की गतिविधियां केवल कर्नाटक और भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया के 40 से ज्यादा देशों में चल रही हैं। आरएसएस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा

सकता। कांग्रेस पार्टी, जिसने राज्य और देश में भाजपा की ज्यादा मौजूदगी न होने पर भी आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था, को बाद में प्रतिबंध वापस लेना पड़ा। अब भाजपा के पास नरेंद्र मोदी का साहसिक नेतृत्व है। देश के कई राज्यों में भाजपा की सरकार भी है। ऐसे में उन्होंने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की बात को मूर्खता की पराकाष्ठा बताया। विजयेंद्र ने प्रियांक खड़गे से अपील की कि वे अपने ग्रामीण विकास विभाग की उपलब्धियों और सुधारों को राज्य की जनता के सामने रखें। गुलबर्गा जिला पिछले 50-60 सालों से आपके परिवार के नियंत्रण में है। आपने उस जिले में क्या विकास कार्य किए हैं? शिक्षा के क्षेत्र में गुलबर्गा जिला पूरे राज्य में सबसे निचले पायदान पर है। प्रियांक खड़गे राज्य की जनता को बताएँ कि यह पिछड़ा क्यों है। कांग्रेस सरकार अपनी ढाई साल की नाकामी पर पर्दा डाल रही है और इस तरह दुष्प्रचार और गलत सूचना फैला रही है। उन्होंने आपत्ति जताई कि इसके पीछे विषय से भटकाने की चाल है। वे आरएसएस को छूने के भी लायक नहीं हैं। उन्होंने साफ कहा कि प्रतिबंध लगाना नामुमकिन है। जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रियांक खड़गे को धमकियाँ मिल रही हैं, तो उन्होंने कहा कि वे इस तरह के बयान देकर प्रचार पाने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों एक रात्रिभोज में बैठक की थी। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह कल्याण कर्नाटक के किसानों की दुर्दशा का समाधान है, जो भारी बारिश के कारण संकट में हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आलाकमान को खुश करने के लिए राज्य को लूटकर बिहार ले जाना चाहिए। उन्होंने आलोचना की कि सिद्धरामैया ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ इस पर चर्चा की, लेकिन राज्य के विकास पर नहीं। गुलबर्गा में एक लाइब्रेरियन ने आत्महत्या कर ली। राज्य की वर्तमान स्थिति यही है। इस पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि राज्य में किसानों की स्थिति और राज्य के विकास पर चर्चा होनी चाहिए। आज बेंगलूरु में क्या हुआ? सोशल मीडिया पर कांग्रेस सरकार की आलोचना हो रही है। बायोकॉन की किरण मजूमदार शाह के बयान की कड़ी आलोचना हुई थी। जब भाजपा सरकार सत्ता में थी, तब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे। मोहनदास पई ने भी इसकी आलोचना की थी। येदियुरप्पा ने तुरंत मोहनदास पई को चाय पर बुलाया और उनकी आलोचनाओं और समस्याओं का समाधान खोजने का काम किया। मोहनदास पई, किरण मजूमदार शाह और कई अन्य दिग्गज अपनी राय दे रहे हैं। उन्हें इसे सकारात्मक रूप से लेना चाहिए और समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने आपत्ति जताई कि इस तरह उनकी आलोचना करना और उनका अपमान करना राज्य का अपमान करने जैसा है।

हर जिले में होंगे सुसज्जित कैंसर अस्पताल: मंत्री शरण प्रकाश पाटिल

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरणप्रकाश आर. पाटिल ने कहा कि शहर के जिला अस्पताल परिसर में निर्मित 100 बिस्तरों वाले नए कैंसर अस्पताल भवन का निर्माण पूरा हो गया है और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 7 नवंबर को इसका उद्घाटन करेंगे। कैंसर अस्पताल भवन का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने कहा कि पहले चरण में कैंसर अस्पताल मरीजों के इलाज के लिए चालू हो जाएगा।

लगभग 41 करोड़ रुपये की लागत से आवश्यक चिकित्सा उपकरण लगाए जाएँगे। उन्होंने कहा कि उपकरणों की स्थापना में चार से पाँच महीने लग सकते हैं और उपकरणों की खरीद के लिए निविदाएँ आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जिला अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 20 से 30 कैंसर रोगी इलाज के लिए आते हैं, और इन रोगियों को कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और कैंसर सर्जरी के लिए बेंगलूरु के किदवई अस्पताल भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि चूँकि राज्य ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों से भी कैंसर के मरीज प्रतिदिन बेंगलूरु स्थित किदवई अस्पताल में इलाज

के लिए आते हैं, इसलिए किदवई अस्पताल पर दबाव कम करने के लिए राज्य के सभी जिलों में एक कैंसर अस्पताल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में 24 सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं और गरीब व आम लोगों को निःशुल्क और कम लागत वाली गुणवत्ता-पूर्ण चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना है।

अगले 5 वर्षों में सभी जिलों में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, कैंसर अस्पताल और ट्रॉमा केयर सेंटर बनाने का निर्णय लिया गया है। गुलबर्गा में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहले ही बन चुका है और बल्लारी में उद्घाटन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पिछले बजट में कोप्पल जिले में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। कैंसर रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान करने के लिए प्रत्येक जिले में एक कैंसर अस्पताल बनाया जाएगा। कलबुर्गी में पहले से ही निर्मित 100 बिस्तरों वाला कैंसर अस्पताल कार्यरत है। सरकार ने बल्लारी, बीदर और रायचूर में कैंसर अस्पतालों के निर्माण को भी मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि शिवमोग्गा और मांड्या में भवन बनकर तैयार हो चुके हैं और जल्द ही उनका उद्घाटन किया जाएगा। मुख्यमंत्री 7 नवंबर को शहर में एक मातृ एवं शिशु अस्पताल और एक नर्सिंग कॉलेज के भवन के साथ-साथ एक कैंसर अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि कैंसर अस्पताल के लिए आवश्यक कर्मचारियों और चिकित्सा उपकरणों की नियुक्ति के लिए कदम उठाए जाएँगे। इस अवसर पर विधायक जी.बी. ज्योति गणेश और सुरेश गौड़ा, चिकित्सा शिक्षा विभाग की निदेशक सुजाता राठौड़, जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. असगर बेग, किदवई अस्पताल के डॉ. नवीन, इंजीनियर चंद्रू आदि उपस्थित थे।

समुद्र तट पर तीन स्कूली बच्चे डूबे एक महीने में तीसरी ऐसी त्रासदी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के किरीमंजेश्वरा गाँव के होसाहित्लु समुद्र तट पर मंगलवार शाम एक दुखद घटना घटी। तीन स्कूली बच्चे तैरने के लिए समुद्र में उतरे और डूब गए, जबकि एक अन्य बच निकलने में कामयाब रहा।

मृतकों की पहचान संकेत (16), सूरज (15) और आशीष (14) के रूप में हुई है, जो सभी स्थानीय निवासी थे। बाद में उनके शव बरामद कर लिए गए। रिपोर्टों के अनुसार, ये लड़के खेलने और तैरने के लिए समुद्र तट पर गए थे, तभी तेज लहरों ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

इस दुर्घटना में एक लड़का बाल-बाल बच गया। कुंडापुर क्षेत्र में एक महीने के भीतर यह तीसरी समुद्र तट त्रासदी है, जिससे तटीय क्षेत्र में ऐसी घटनाओं की

बढ़ती संख्या को लेकर स्थानीय लोगों में गंभीर चिंता पैदा हो गई है। इससे पहले, 7 सितंबर को, गोपाडी के चरकिकाडु समुद्र तट पर बेंगलूरु के तीन छात्र डूब गए थे, जबकि एक को बचा लिया गया था। 3 अक्टूबर को, मरावन्थे में मरास्वामी मंदिर समुद्र तट के पास बह गए बेंगलूरु के दो छात्रों को केएनडी कर्मियों ने बचा लिया था। मंगलवार की त्रासदी एक चिंताजनक पैटर्न में और इजाफा करती है।

पिछले चार वर्षों में, कुंडापुर और बिंदूर तालुकों के समुद्र तटों पर 14 से 25 वर्ष की आयु के 11 युवा डूबने से अपनी जान गंवा चुके हैं। 7 दिसंबर, 2024 को, अम्पारे गाँव के दो भाई कोडी समुद्र तट पर डूब गए, जबकि एक अन्य बच गया। इससे पहले, 25 अगस्त को, बेंगलूरु के दो युवक, जो एक शादी में शामिल होने आए थे, बीजाडी समुद्र तट पर डूब गए, और एक भागने में सफल रहा। जून 2023 में, तिप्तूर के एक युवक की बीजाडी समुद्र तट पर जान चली गई, जबकि अप्रैल 2022 में, स्थानीय लोगों ने कोडी समुद्र तट पर तीन युवकों को डूबने से बचाया। जनमत यह है कि ऐसी त्रासदियाँ अक्सर तब होती हैं जब युवा खेलते या तैरते समय समुद्र की ताकत को कम आंकते हैं, और ज्वार के पैटर्न से अनजान होते हैं। स्थानीय लोगों ने माता-पिता और बड़ों से आग्रह किया है कि वे बच्चों के समुद्र तट पर आने पर अधिक सतर्क रहें और उनकी निगरानी सुनिश्चित करें ताकि बच्चों की और जान न जाए।

पार्श्व सुशीलधाम में समर उपधान तप 8 अप्रैल से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
होसूर रोड स्थित श्री पार्श्वसुशीलधाम में 8 अप्रैल 2026 से उपधान तप के आयोजन की माधवनगर जैन संघ के प्रांगण में प्रवचन के दौरान उद्घोषणा हुई। 47 दिवसीय उपधान तप के समापन के अवसर पर उपधान आराधकों के सम्मान स्वरूप मोक्षमाला समारोह 28 मई 2026 को होगा। उपधान तप अयोजक एवं व्यवस्थापक समर उपधान समिति के सदस्यों ने आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी से उपधान तप के मुहूर्त एवं निश्रा प्रदान करने की विनंती की जिसके प्रत्युत्तर में आचार्यश्री ने सहमति प्रदान करते हुए उपरोक्त मुहूर्त दिया। समिति के सदस्य सुरेश जैन ने बताया कि स्कूली बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन छुट्टयो में छः वर्ष पूर्व पहली बार सुशीलधाम में उपधान तप का अयोजन किया गया था। जिसकी सफलता के मद्देनजर समिति द्वारा विभिन्न लाभार्थियों

के सहयोग से सामूहिक रूप से प्रतिवर्ष अप्रैल माह में उपधान तप का आयोजन किया जाता रहा है। समिति के ही सदस्य अंकित जैन ने कहा कि शहरी शोर-शराबे से दूर सुशीलधाम के शांत एवं नैसर्गिक वातावरण में प्रतिवर्ष उपधान तप का आयोजन सुचारू रूप से हो सके इस उद्देश्य से सुशीलधाम के निर्माता भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा परिवार द्वारा तीर्थ परिसर में उपधान हेतु आवश्यक सभी सुविधाएं एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया गया है। इस वर्ष अनेक उपधानों के कुशल मार्गदर्शक आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा मिलने से श्रद्धालुओं मे खासा उत्साह है। उपधान तप के महत्व के बारे में बताते हुए आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि नमस्कार महामंत्र गिनने का वास्तविक अधिकार 47 दिन तक गुरुकुलवास में रहकर तप आराधना कर गुरुमुख से विधिपूर्वक ग्रहण करने पर ही प्राप्त होता है। अतः यह प्रत्येक श्रावक का अनिवार्य कर्तव्य है। उपधान द्वारा साधु भगवंतों के सान्निध्य में रहकर साधु जैसा जीवन जीने का प्रशिक्षण प्राप्त होता है। उपधान यानी कुछ दिनों तक घर-परिवार, व्यापार-व्यवहार से दूर होकर सीमित संसाधनों के बीच आंतरिक आनंद की अनुभूति करने का अनोखा अनुष्ठान।

दक्षिण कन्नड़ में व्यापक बारिश, तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण-पश्चिम मानसून के फिर से सक्रिय होने के संकेत मिले हैं क्योंकि मंगलवार की शाम को दक्षिण कन्नड़ जिले के कई हिस्सों में व्यापक बारिश हुई। मेंगलूरु, बंटवाल, बेल्टांगडी, सुब्रह्मण्य और सुल्लिया में भारी बारिश दर्ज की गई। साथ ही कुछ इलाकों में गरज और तेज हवाएँ भी चलीं। दिन की शुरुआत धुंध और बादलों से हुई, जिसके बाद शाम तक तेज धूप खिली रही, फिर अचानक मौसम बदल गया और भारी बारिश शुरू हो गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार अगले कुछ दिनों तक तटीय क्षेत्र के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें इस दौरान और अधिक व्यापक बारिश की संभावना जताई गई है। बंटवाल और बेल्टांगडी तालुकों में मंगलवार शाम को गरज के साथ तेज बारिश दर्ज की गई। बिजली गिरने से कई इलाकों में बिजली गुल हो गई और बिजली के उपकरणों को मामूली नुकसान पहुँचा, हालाँकि कोई बड़ा नुकसान दर्ज नहीं किया गया है।

पूर्व विधायक के बेटे ने बरकुर के पास आत्महत्या कर ली

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक दुखद घटना में, करकला के दिवंगत पूर्व विधायक गोपाल भंडारी के बेटे सुदीप भंडारी ने सोमवार को बरकुर के पास आत्महत्या कर ली।

खबरों के अनुसार, सुदीप ने चलती ट्रेन के नीचे आकर अपनी जान दे दी। हालांकि इस कदम के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी से संकेत मिलता है कि आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने यह कदम उठाया होगा। सुदीप हेबरी तालुका के निवासी थे। ब्रह्मवार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जाँच जारी है।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 125 मरीजों ने लिया लाभ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के डॉ. साईं तेजा, डॉ. चंद्रावदन, शिविर संयोजक विजयगंथ बी. की देखरेख में समाजसेविका गवरीदेवी- कानसिंह राजपुरोहित की ओर से गत शनिवार को निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया था। शिविर में मैसूरु, बेंगलूरु और मांड्या जिलों के आसपास के गांवों के 125 लोगों ने नेत्र जांच करवाई थी। चिकित्सकिय परामर्श के बाद 60

लोगों को चिन्हित कर आंखों के ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय ले जाया गया। सभी मरीज आंखों का ऑपरेशन करवा कर पुनः बन्नूर लौटे। समाजसेवी महेंद्रसिंह राजपुरोहित, संतोष कंवर, राजेश सिंह, विराट सिंह, वन्य कंवर ने सभी मरीजों का स्वागत कर उनके कुशलक्षेम पूछी। बुजुर्ग मरीजों ने समाजसेवी राजपुरोहित के सामाजिक कार्यों की सराहना कर आभार जताया।

कार की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बंटवाल के सी. रोड के पास गनाडापडपु में एक दुखद दुर्घटना घटी, जब कार की इलेक्ट्रिकल मरम्मत कर रहे एक व्यक्ति को एक अन्य वाहन ने टक्कर मार दी। मृतक की पहचान बोलार्न्टुरु निवासी जब्बार के रूप में हुई है। वह अविवाहित था और गनाडापडपु स्थित शिवगणेश बैटरी शॉप में ऑटो इलेक्ट्रिकल तकनीशियन के रूप में काम करता था। रिपोर्टों के अनुसार, जब्बार हाईवे के किनारे

खड़ी एक कार का हॉर्न लगा रहा था, तभी बंटवाल बाईपास की ओर से एक अन्य कार, जिसे कथित तौर पर वेनूर का एक व्यक्ति चला रहा था, आई और उससे टकरा गई। इस टक्कर में जब्बार गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे तुरंत मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसकी मृत्यु हो गई। बंटवाल यातायात पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हम्पी में विरुपाक्ष मंदिर का किया दौरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कर्नाटक के हम्पी में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल स्थित ऐतिहासिक विरुपाक्ष मंदिर का दौरा किया। मंत्री ने भगवान विरुपाक्ष की पूजा-अर्चना की और बाद में मंदिर की प्रसिद्ध हथिनी लक्ष्मी से आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके साथ बल्लारी से

लोकसभा सदस्य ई. तुकाराम, उनके निजी सचिव अनिरुद्ध श्रवण, उपायुक्त कविता एस. मन्निकेरी और अनेगुंडी राजपरिवार के वंशज श्री कृष्णदेवराय भी थे। मंत्री के संक्षिप्त दौरे के दौरान मंदिर परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। सीतारमण कोप्पल और विजयनगर जिलों में आयोजित कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए इस क्षेत्र में थीं, जिनमें कोप्पल जिले के मेथागल में कृषि प्रसंस्करण के लिए किसान प्रशिक्षण और सामान्य सुविधा केंद्रों का उद्घाटन भी शामिल था।

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग का कारनामा

400 साल पुरानी धरोहर की बदल दी पहचान

मकबरा जफर खां का नाम कर दिया औरंगजेब की हवेली

आगरा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग ने मनमाने तरीके से 17वीं सदी में राजा जयसिंह के बनाए नक्शे में रोजा-ए-जफर खां के नाम से दर्ज मकबरे का नाम बदल दिया। राज्य पुरातत्व विभाग ने इसे औरंगजेब की हवेली नाम दे दिया।

राज्य पुरातत्व विभाग ने गैरकानूनी तरीके से 400 साल पुरानी धरोहर की पहचान बदल दी है। वाटरवर्क्स चौराहे पर मौजूद रोजा-ए-जफर खां यानी जफर खां के मकबरे को औरंगजेब की हवेली का नाम किए जाने के खिलाफ लोगों में आक्रोश भरता जा रहा है। औरंगजेब की हवेली, बल्केश्वर के नाम से जफर खां के मकबरे और बाग को संरक्षित करने की प्रारंभिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह मामला इतिहास से छेड़छाड़ का है। 17वीं सदी में जयपुर के राजा जयसिंह के बनाए नक्शे में यह रोजा-ए-जफर खां के नाम से दर्ज है। ऐतिहासिक दस्तावेजों, गजेटियर में औरंगजेब की हवेली बल्केश्वर की जगह बेलनगंज में हाथीघाट के सामने मौजूद है।

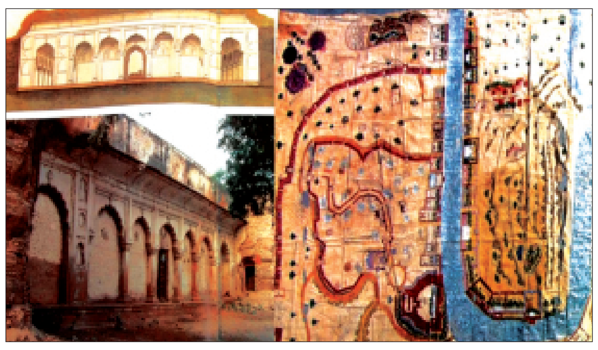

रामबाग स्मारक के ठीक सामने यमुना किनारे वाटरवर्क्स चौराहे से सटी गोशाला के पीछे जफर खां का मकबरा और बाग है। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य पुरातत्व विभाग ने जफर खां के बाग और इमारत को औरंगजेब की हवेली बताते हुए इसे संरक्षित करने की प्रक्रिया तेज की है। एक साल पहले प्री-नोटिफिकेशन किया गया, जिसमें औरंगजेब की हवेली, बल्केश्वर (मुबारक मंजिल) का नाम दिया गया।

0.634 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैली मुगल काल की ककैया ईंटों से बनी इमारत गाटा संख्या 1723 पर बनी है। यमुना किनारे के बुर्ज 0.346 हेक्टेयर क्षेत्रफल में हैं और गाटा संख्या 1707 में मौजूद हैं। सोमवार को राज्य पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने गोशाला के पीछे बनी इमारत का निरीक्षण किया। यहां स्थायी रूप से एक कर्मचारी को तैनात किया गया है जो यहां देखरेख और सफाई के लिए रखा गया है। विशेष सचिव रवींद्र कुमार ने दोनों स्मारकों के लिए अधिसूचना जारी की है।

जिस जगह की अधिसूचना राज्य पुरातत्व विभाग ने जारी की है, वह जगह 17वीं सदी में जयपुर के राजा जयसिंह के नक्शे में 44 नंबर पर दर्ज है। इसके पास बाग हाकिम काजिम अली और बाग-ए-राय शिवदास था। हवेली आलमगीर यानी औरंगजेब की हवेली 33 और 34 नंबर पर दर्ज है और यह बेलनगंज में हाथीघाट के सामने तथा हवेली आसफ खां से सटी है। राजा जयसिंह के नक्शे में जफर खां बाग के बीच में वर्गाकार एक मंजिला इमारत दर्शाई गई है। सेटेलाइट इमेज में हूबहू वही इमारत अब भी उसी बाग में नजर आती है, जैसी नक्शे में है।

जिस भवन को राज्य पुरातत्व विभाग औरंगजेब की हवेली के नाम से संरक्षित करने की प्रक्रिया शुरू की है, वह 17वीं सदी के नक्शे के साथ फ्लोरेंसिया सेल की वर्ष 1832-33 की नोटबुक में भी रोजा जाफर खां के नाम से दर्शाई गई है। इसके अलावा वर्ष 1980 से आगरा के रिवर फ्रंट गार्डन तलाशने वाली आस्ट्रियाई इतिहासकार एब्बा कोच की पुस्तक में भी जफर खां का मकबरा दर्शाया गया है। यहां चारों कोनों पर ककैया ईंटों से बनी मीनारें हैं और हर तरफ बरामदा है, जो अंदर के हॉल से जुड़ा हुआ है।

राज्य पुरातत्व विभाग के प्रभारी ज्ञानेंद्र रस्तोगी ने कहा कि जिस जगह का संरक्षण करने की अधिसूचना जारी की गई है, उस पर आपत्तियां मांगी गई थीं। तब लोगों को इस पर आपत्ति दर्ज करानी चाहिए थी।

यह मामला मेरे आने से पहले का है, इसलिए किन दस्तावेजों के आधार पर नाम दिया गया, बताना कठिन है। प्रशासन की ओर से जो कागजात दिए गए होंगे, वही नाम रखा जाता है।

जबकि पुरातत्वविद डॉ. आरके दीक्षित का कहना है कि वाटरवर्क्स पर जफर खां का मकबरा है और यह एएसआई से संरक्षित है। हवेली आलमगीर हाथीघाट के सामने है। राजा जयसिंह के नक्शे में यमुना नदी के किनारे बनी सभी हवेलियों का ब्यौरा है। उल्लेखनीय है कि ताजमहल जिस मुमताज महल के लिए तामीर किया गया, उनकी बहन फरजाना बेगम का पति जफर खां था, जो मुगल बादशाह शाहजहां के समय बेहद ताकतवर था।

शाहजहां ने 1649 में जफर खां को पंजाब का गवर्नर बनाया था। उसके बाद 1650 में दिल्ली और मुल्तान और 1651 में बिहार का गवर्नर बनाया गया। इतिहासकार एब्बा कोच की पुस्तक में लिखा है कि शाहजहां के दरबार में वह वजीर-ए-कुल यानी वित्त मंत्री रहा। 1658 में सामूगढ़ की लड़ाई के बाद औरंगजेब ने जफर खां को मालवा का गवर्नर बनाया और रैंक बढ़ा दी। 1670 में जफर खां की मृत्यु पर औरंगजेब ने दो राजकुमारियों को फरजाना बेगम के पास भेजा था।

सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक की हिरासत को चुनौती वाली याचिका में संशोधन की दी अनुमति

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत राजस्थान की जोधपुर केंद्रीय जेल में बंद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो को उनकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में संशोधन करने की बुधवार को अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने एनएसए के तहत वांगचुक की हिरासत के आधार को चुनौती देने वाली गीतांजलि की याचिका में संशोधन की अनुमति दे दी।

अंगमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिका में संशोधन करने की अनुमति मांगी ताकि सरकार द्वारा दिए गए हिरासत के आधारों को अब उचित रूप से चुनौती दी जा सके। उन्होंने पीठ के समक्ष स्पष्ट किया कि वांगचुक को अपनी पत्नी के साथ नोट्स साझा करने की अनुमति नहीं है।

श्री सिब्बल ने कहा, उन्होंने (वांगचुक) अपनी नज़रबंदी पर कुछ नोट्स बनाए हैं, जिन्हें वह अधिवक्ता को देना चाहते हैं। वह जो भी नोट्स तैयार करते हैं, उसमें उन्हें वकील की सहायता लेने का अधिकार है। हम बस यही चाहते हैं कि नोट्स उन्हें दिए जाएँ।

इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें याचिकाकर्ता, अंगमो के साथ नोट्स साझा किए जाने से कोई समस्या नहीं है। श्री मेहता ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने हिरासत के आधार बताने में देरी। वांगचुक की नज़रबंदी को चुनौती देने का आधार नहीं बननी चाहिए।

एनएसए के तहत अपनी नज़रबंदी के खिलाफ और रिहाई की मांग करने वाली अंगमो की याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने 06 अक्टूबर को केंद्र, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और जोधपुर सेंट्रल जेल के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

वांगचुक को 26 सितंबर लद्दाख में हुई हिंसा के दौरान गिरफ्तार किया गया था। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी।

लेह के ज़िला मजिस्ट्रेट ने मंगलवार को अदालत को बताया कि कार्यकर्ता वांगचुक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में लिप्त थे, जिसके कारण उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया।

शीर्ष अदालत इस मामले में 29 अक्टूबर को अगली सुनवाई करेगी।

ब्राजील के उपराष्ट्रपति से मिले राजनाथ, रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे दोनों देश

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और ब्राजील ने रक्षा उपकरणों के सह-विकास तथा सह-उत्पादन के क्षेत्र एवं सेनाओं के बीच परस्पर सहयोग बढ़ाने की जरुरत पर बल दिया है। दोनों देशों ने इन क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर भी व्यापक चर्चा की है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत यात्रा पर आए ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो के साथ बुधवार को यहां विस्तार से बातचीत की। श्री सिंह ने बैठक के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, आज नयी दिल्ली में ब्राज़ील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और ब्राज़ील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो से मिलकर मुझे खुशी हुई। हमने

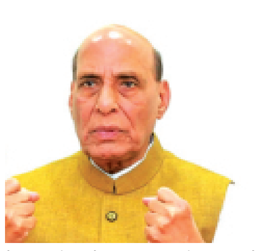

सैन्य-से-सैन्य सहयोग और रक्षा-औद्योगिक सहयोग के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर दूरदर्शी चर्चा की।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर बताया कि दोनों नेताओं ने मौजूदा रक्षा संबंधी पहलों की प्रगति की समीक्षा की और रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के अवसरों की खोज सहित संयुक्त कार्य के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की। भारत और ब्राज़ील के बीच रणनीतिक साझेदारी है। नेताओं ने संयुक्त अभ्यास और प्रशिक्षण यात्राओं सहित सैन्य-से-सैन्य आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

दोनों नेताओं ने बैठक में रक्षा क्षेत्र से संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा और रक्षा सहयोग की समीक्षा की।

इस अवसर पर दोनों नेताओं ने एक दूसरे को स्मृति चिन्ह भी भेंट किए। इस मौके पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं का शीर्ष नेतृत्व भी मौजूद था।

ब्राजील के उपराष्ट्रपति तीन दिन की भारत यात्रा पर आज दोपहर यहां पहुंचे थे। उनका गुरुवार को उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा अन्य मंत्रियों के साथ मिलने का कार्यक्रम है।

बड़ी देर बाद जागा जम्मू कश्मीर औषधि एवं खाद्य नियंत्रण संगठन

सर्दी-जुकाम और खांसी की दवाइयां असुरक्षित घोषित

जम्मू, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर औषधि एवं खाद्य नियंत्रण संगठन ने कफ सिरप के तीन ब्रांड कोल्डरिफ सिरप, रेस्पीफ्रेश-टीआर और रेलिफ सिरप की बिक्री, वितरण और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रयोगशाला परीक्षणों में विषाक्त अशुद्धियों की उपस्थिति के कारण इन्हें मानक गुणवत्ता का नहीं घोषित किया गया था।

यह अलर्ट भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण कार्यक्रम से प्राप्त एक सूचना के बाद जारी किया गया है, जिसमें पाया गया था कि तीनों सिरपों में डायथिलीन ग्लाइकाल की अशुद्धियां अनुमेय सीमा से अधिक थीं। यह एक ऐसा यौगिक है जो गंभीर विषाक्तता

पैदा करता है और मध्य प्रदेश तथा राजस्थान में बच्चों की मृत्यु का कारण बनता है। राज्य औषधि नियंत्रक कार्यालय द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, प्रभावित फार्मूलेशन में मेसर्स शेप फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, गुजरात द्वारा निर्मित और लियो लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद द्वारा विपणन किया जाने वाला रिलिफ सिरप (एम्ब्रोक्सोल एचसीएल, टरब्यूटालाइन सल्फेट, गुआइफेनेसिन और मेन्थाल); मेसर्स रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद द्वारा निर्मित और स्मार्टवे वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड, साणंद द्वारा विपणन किया जाने वाला रेस्पीफ्रेश-टीआर सिरप (ब्रोमहेक्सिन हाइड्रोक्लोराइड, टरब्यूटालाइन सल्फेट, गुआइफेनेसिन और मेन्थॉल); और मेसर्स श्रीसन फार्मास्युटिकल्स, तमिलनाडु द्वारा निर्मित कोल्डरिफ सिरप (पैरासिटामोल, फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड और क्लोरफेनिरामाइन मैलिएट)।

नोटिस में कहा गया है कि कफ सिरप के औषधि फार्मूलेशन को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं घोषित किया गया है क्योंकि वे सरकारी विश्लेषक, औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्य प्रदेश के अनुसार डायएथिलीन ग्लाइकाल की अशुद्धियों की उपस्थिति अनुमेय सीमा से अधिक हैं की आवश्यकता का पालन करने में विफल रहे हैं। इस संबंध में, औषधि एवं खाद्य नियंत्रण संगठन ने एक अत्यंत आवश्यक पत्र में, स्कीमस सौरा के निदेशक और जम्मू कश्मीर के सभी मेडिकल कालेज अस्पतालों के प्रधानाचार्यों को आवश्यक कार्रवाई के लिए सभी विभागाध्यक्षों को सूचना प्रसारित करने का अनुरोध किया है। नोटिस में कहा गया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए, चूंकि उपर्युक्त औषधि फार्मूलेशन मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्यों में बच्चों की मौतों से जुड़े पाए गए हैं, इसलिए उपरोक्त उत्पादों की केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में बिक्री, वितरण और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता महसूस की गई है। नोटिस के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में उपलब्ध किसी भी स्टॉक की जानकारी जम्मू कश्मीर राज्य औषधि नियंत्रक कार्यालय को देनी होगी।

देश में अब नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित केवल तीन जिले बचे हैं: गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार ने नक्सल मुक्त भारत बनाने के संकल्प की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है और अब नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 6 से घटकर सिर्फ तीन रह गई है।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि अब केवल छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर ही वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिले बचे हैं।

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या भी 18 से घटकर केवल 11 रह गई है। इस प्रकार अब केवल 11 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित हैं। वक्तव्य में कहा गया है कि सरकार अगले वर्ष 31 मार्च तक नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने के लिए कटिबद्ध है।

इस वर्ष नक्सल विरोधी अभियानों की सफलता ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इन अभियानों में 312 वामपंथी कैडरों को मार गिराया गया है, जिनमें सीपीआई (माओवादी) महासचिव और पोलित ब्यूरो/केन्द्रीय समिति के आठ अन्य सदस्य भी शामिल हैं। कुल 836 वामपंथी कैडरों को गिरफ्तार किया गया है और 1639 ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए आत्मसमर्पण किया है।

सरकार को बहुआयामी दृष्टिकोण आधारित राष्ट्रीय कार्य योजना और नीति को कठोरता से लागू कर नक्सल खतरे से निपटने में अभूतपूर्व सफलता मिली है। राष्ट्रीय कार्य योजना और नीति में जन-हितैषी अभियानों पर आधारित सटीक आसूचना शामिल है। इन कदमों में सुरक्षा वेक्यूम वाले क्षेत्रों में त्वरित डॉमिनेशन, शीर्ष नेताओं और ओवर ग्राउन्ड कार्यकर्ताओं को निशाना बनाना, कुटिल विचारधारा का मुकाबला करना, बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास और कल्याणकारी योजनाओं को पूरी तरह लागू कराना, वित्तीय संसाधनों को पूरी तरह बंद करना, राज्यों एवं केन्द्र सरकारों के बीच बेहतर समन्वय, और माओवादी संबंधित मामलों की त्वरित जांच और अभियोजन शामिल हैं।

वक्तव्य में कहा गया है कि वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा जिसे भारत की 'सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती' कहा गया, वह नक्सलवाद अब स्पष्ट रूप से दम तोड़ रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक लाल कोरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों में नक्सल-संबंधी हिंसा रिपोर्ट की गई थी, जबकि इस वर्ष मार्च में यह संख्या घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई और इनमें से केवल 06'सबसे अधिक प्रभावित जिले' की श्रेणी में थे।

मुर्मू, मोदी और शाह ने डा. कलाम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि श्रीमती मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में डॉ. अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. कलाम को एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने युवा मन को प्रज्वलित किया और राष्ट्र को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन हमें याद दिलाता है कि सफलता के लिए विनम्रता और कड़ी मेहनत आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताइ कि डॉ. कलाम की कल्पना के अनुरूप मजबूत, आत्मनिर्भर और करुणामय भारत का निर्माण जारी रखेंगे।

श्री मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को उनकी जयंती पर शत-शत नमन।

उन्हें एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने युवा मन को प्रज्वलित किया और हमारे देश को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया।

उनका जीवन हमें याद दिलाता है कि सफलता के लिए विनम्रता और कड़ी मेहनत बेहद ज़रूरी है। हम उनके द्वारा देखे गए भारत का निर्माण जारी रखें... एक ऐसा भारत जो मज़बूत, आत्मनिर्भर और करुणामय हो।

श्री शाह ने डा. कलाम को श्रद्धांजलि देते हुए कहा ,डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को उनकी जयंती पर नमन। एक वैज्ञानिक प्रतिभा, कलाम जी ने अपनी अटूट देशभक्ति और भारत प्रथम के सिद्धांत के साथ विज्ञान, रक्षा और तकनीकी नवाचारों में हमारे देश की प्रगति को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुँचाया।

परमाणु वैज्ञानिक के रूप में मिसाइल मैन के नाम से विख्यात हुए डा. कलाम 25 जुलाई 2002 से 25 जुलाई 2007 तक देश के राष्ट्रपति रहे। इससे पहले वह सरकार के वैज्ञानितक सलाहकार भी रहे।

संभल के मीट माफियाओं पर आयकर के छापे के बाद

फैक्टरी के अंदर संदिग्ध गतिविधियों का अंदेशा

संभल, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने सोमवार की सुबह मीट फैक्टरी, मीट कारोबारी के घर, कर्मचारियों और रिश्तेदारों के घर छापा मारा था। मंगलवार की देर रात तक मीट कारोबारी के घर और मीट फैक्टरी में छानबीन जारी रही। आयकर अधिकारियों के जाने के बाद मीट फैक्टरी में कर्मचारियों को अंदर में रख कर कुछ खुराफात चल रहा है। उन्हें बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है।

संभल के सरायतरीन निवासी मीट कारोबारी हाजी इमरान और हाजी इरफान के घर और गांव चिमियावली स्थित मीट फैक्टरी पर आयकर की टीमों की छानबीन दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रही। मोहल्ला नाला निवासी रिश्तेदार और चमन सराय निवासी कर्मचारी के घर पर छानबीन मंगलवार की शाम तक पूरी हो गई और टीमें लौट गईं। मंगलवार को दिन में कई बार आयकर की टीम के सदस्य मीट फैक्टरी और मीट कारोबारी के घर से में प्रवेश करते हुए और बाहर आते हुए देखे गए। फिर फैक्टरी के अंदर कर्मचारियों से क्या कराया जा रहा है, यह चर्चा का विषय बना है। हालांकि पुलिस ने कहा है कि इसकी छानबीन की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शहर के एक होटल से 160 लोगों के लिए थाली पैक होकर गई थी। मंगलवार को भी फैक्टरी में खाना ले जाते हुए देखा गया।

त्यौहार में जिसने भी रंग में भंग डाला, वह सलाखों में होगा: योगी

जो जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में जवाब दिया जाएगा

उज्ज्वला योजना के 1.86 करोड़ लाभार्थियों को मिली दीपावली की सौगात

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दीपावली के पहले यह प्रदेश के गरीब परिवारों के लिए एक बड़ा उपहार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि त्यौहारों का उद्देश्य यही है कि हम अकेले नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से इस उत्साह का हिस्सा बनें। 2021 में राज्य सरकार ने तय किया था कि वर्ष में दो बार होली और दीपावली के अवसर पर उज्ज्वला योजना के सभी लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर दिए जाएंगे।

इसी क्रम में आज प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को यह सौगात दी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में सभी त्यौहार, होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस, गुरु पर्व, जन्माष्टमी या रामनवमी पूरी शांति, सौहार्द और उमंग के साथ मनाए गए हैं। अब वह सरकार नहीं है जो दंगाइयों के सामने घुटने टेक दे।

यह सरकार जो जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में जवाब देना जानती है। उत्साह और उमंग के त्यौहार में यदि किसी ने व्यवधान डाला तो जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी लोककल्याणकारी सरकार का दायित्व होता है कि वह शासन की योजनाओं का लाभ ईमानदारी से उन गरीबों, वंचितों और दलितों तक पहुंचाए, जो इसके पात्र हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार गरीबों को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ तब मिलना शुरू हुआ जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने। 2014 के पहले गैस कनेक्शन लेना भी एक संघर्ष था, लेकिन मोदी जी ने 11 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिलाए। अकेले उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि पहले गरीब लकड़ी, कोयले या उपलों में खाना पकाते थे जिससे परिवार बीमार पड़ते थे। आज उज्ज्वला योजना ने नारी गरिमा को सम्मान दिया है और घर-घर में स्वास्थ्य और सुविधा का उजाला फैलाया है।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 के पहले प्रदेश में परिवार से ऊपर कोई सोच नहीं थी। सैफई परिवार के अलावा किसी और की चिंता नहीं होती थी। चाचा-भतीजा और महाभारत के किरदारों की राजनीति में गरीबों की योजनाएं लूट ली जाती थीं। नौकरियों में डकैती, विकास के पैसे में छीना-झपटी होती थी और त्यौहार भी दंगों की भेंट चढ़ जाते थे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार आने के बाद अब प्रदेश को परिवार मानकर काम हो रहा है।

किसी की जाति नहीं पूछी जाती, किसी से भेदभाव नहीं होता। सबका साथ, सबका विकास, यही हमारा मंत्र है।

मुख्यमंत्री योगी ने सख्त लहजे में कहा कि सरकार की नीति स्पष्ट है। अगर किसी ने बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया, तो अगले चौराहे पर यमराज टिकट काटने के लिए खड़ा होगा। यदि किसी को यमराज से टिकट कटवाना हो तो वह किसी राह चलती बेटी के साथ छेड़खानी करके देख ले। यह हमारी वचनबद्धता है कि हर बेटी, हर व्यापारी, हर राहगीर को सुरक्षा देंगे। जो भी रंग में भंग डालने की कोशिश करेगा, जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने दीपावली पर स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि दीपावली पर हर परिवार कुछ न कुछ खरीदता है। जो भी खरीदे, वह स्वदेशी हो। हमारे कारीगर, हस्तशिल्पी, स्थानीय उद्यमी जो भी बनाएं, वही खरीदें। हमारे घर में जो दीपक जले, वह हमारे ही कुम्हार द्वारा बना हो। लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां हमारे कारीगरों की बनाई हों, विदेश से नहीं। उन्होंने कहा कि जब यह पैसा स्थानीय कारीगरों, श्रमिकों और हस्तशिल्पियों तक पहुंचेगा, तभी समृद्धि देश तक पहुंचेगी और भारत विकसित बनेगा।

ट्रंप के टैरिफ तिकड़म को करारा झटका

आगरा ने जूता निर्यात में दर्ज की 9% बढ़ोत्तरी

छह महीने में हुआ 1,872 करोड़ का जूता निर्यात

आगरा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। टैरिफ के अमेरिकी तिकड़म के बीच आगरा से जूता निर्यात में नौ फीसदी का उछाल आया है। अमेरिकी टैरिफ की चुनौतियों के बीच आगरा से पहली छमाही में यह बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। बीते महीनों में आगरा ने जूता निर्यात में बेहतर प्रदर्शन किया है। अप्रैल से अब तक की पहली छमाही में आगरा के फुटवियर निर्यातकों ने 9.43 फीसदी निर्यात बीते साल से ज्यादा किया है। लेदर फुटवियर की मांग में 9.01 फीसदी का उछाल आया है, वहीं आगरा से फुटवियर कंपोनेंट और लेदर गुड्स का निर्यात अप्रत्याशित रूप से बढ़ा है, जिससे बीते साल के 1,711 करोड़ के मुकाबले आगरा से 1,872 करोड़ रुपए का निर्यात किया जा सका है।

काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ लागू करने के बाद अगस्त के महीने में बेहद मामूली कमी निर्यात में नजर आई। बीते साल अगस्त में 380 करोड़ रुपए का जूता निर्यात किया था, लेकिन इस बार अगस्त में यह 399.96 करोड़ रुपए रहा। इसमें 0.05 फीसदी की कमी दर्ज की गई। दरअसल, निर्यातकों ने सितंबर और अक्टूबर में जाने वाले जूतों के ऑर्डर की डिलीवरी अगस्त में टैरिफ लागू होने से पहले ही कर दी थी। इस वजह से अगस्त के निर्यात पर टैरिफ का असर नजर नहीं आ रहा है।

आगरा के जूता निर्यात में सबसे बड़ी हिस्सेदारी यूरोप के देशों की है। अमेरिका में करीब 24 फीसदी निर्यात होता है। इससे करीब एक हजार करोड़ रुपए का जूता निर्यात टैरिफ के कारण प्रभावित होगा। आगरा के पारंपरिक लेदर फुटवियर की दुनिया में मांग बरकरार है। लेदर फुटवियर का निर्यात 9.01 प्रतिशत बढ़कर 1,857 करोड़ पर पहुंचा है, जो बीते साल पहली छमाही में 1,703 करोड़ रुपए था। फुटवियर कंपोनेंट में 4.59 करोड़ रुपए की जगह 10.28 करोड़ रुपए का निर्यात हो गया।

एफमेक के अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने बताया कि अमेरिकी टैरिफ अगस्त में लागू हुआ, लेकिन उससे पहले ही ऑर्डर की डिलीवरी हो गई। आने वाले महीनों में टैरिफ का असर नजर आ सकता है, लेकिन हम यूरोपीय यूनियन से हो रहे फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर नजर बनाए हैं। एफमेक के महासचिव प्रदीप वासन का कहना है कि पहले छह माह में निर्यात पर असर नजर नहीं आया है, लेकिन आने वाले छह माह चुनौतियों से भरे होंगे। अगर अमेरिकी टैरिफ न हटा तो आने वाली तिमाही में ज्यादा गिरावट नजर आएगी।

इंटरनेशनल लेदर फुटवियर शो मीट एट आगरा के 17वें संस्करण का आयोजन 7 से 9 नवंबर के बीच आगरा ट्रेड सेंटर पर किया जाएगा। इसमें अमेरिकी टैरिफ से निपटने और नए बाजारों की तलाश की जाएगी। दुनियाभर की कंपनियां अपने अत्याधुनिक मशीनरी और कच्चे माल एवं कंपोनेंट को लेकर आएंगी। तीन सौ से ज्यादा कंपनियां इस फेयर में हिस्सा लेने वाली हैं।

बोगस फर्में बनाकर मीट कंपनी कर रही थी पशुओं की खरीद

आयकर विभाग के छापों में हुआ खुलासा

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। संभल में मीट का कारोबार करने वाली इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर छापे में बोगस फर्में खोलकर पशुओं की खरीद-फरोख्त दर्शाने के पुख्ता सुराग मिले हैं। ये बेनामी फर्में जिन लोगों के नाम पर खोली गई थीं, जांच में उनका कोई पता-ठिकाना नहीं मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर कंपनी द्वारा इन फर्मों के तमाम बैंक खातों को खोलकर जमा किए गए करोड़ों रुपए नकद निकाले गए। इन खुलासों के बाद आयकर विभाग ने कंपनी संचालकों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

आयकर विभाग के अधिकारी यह पता लगाने की कवायद में जुटे हैं कि बैंकों से निकाले गए करोड़ों रुपए कहां खपाए जा रहे थे। इन फर्मों के जरिए कितने करोड़ रुपए का कारोबार दर्शाया गया है। अधिकारियों के मुताबिक इंडिया फ्रोजन कई देशों में मीट की आपूर्ति करता है। जांच के दौरान इन सभी देशों में होने वाली आपूर्ति के दस्तावेजों को भी खंगाला जा रहा है।वहीं दूसरी ओर बरेली में मारिया फ्रोजन और रहबर फूड्स के ठिकानों पर आयकर विभाग का सर्वे जारी है। दरअसल, रहबर फूड्स और इंडिया फ्रोजन के बीच मीट के कारोबार को लेकर हुए एक अनुबंध की जांच की जा रही है।

अधिकारियों के मुताबिक बरेली की दोनों कंपनियों के ठिकानों पर तीन वर्ष पूर्व छापे मारे गए थे, जिसकी वजह से इस बार उनका सर्वे करने का फैसला लिया गया है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि तीनों कंपनियों के बीच आपस में कितना कारोबार किया जा रहा था और बोगस फर्मों में कहीं बरेली की कंपनियों के संचालकों की भूमिका तो नहीं है।

संभल समेत आधा दर्जन से अधिक जिलों में इंडिया फ्रोजन कंपनी के ठिकानों पर छापों में तमाम संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए हैं। साथ ही कई शहरों में बेशकीमती सम्पत्तियों को खरीदने की जानकारी भी हाथ लगी है। आयकर विभाग की टीमों ने इन दस्तावेजों के साथ कंप्यूटर की हार्ड डिस्क, लैपटॉप, मोबाइल, पेन ड्राइव आदि कब्जे में लिया है। कंपनी के संचालकों से लगातार पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। आयकर छापे की कार्रवाई बुधवार को भी जारी रहेगी।

यूरिया और डिटर्जेंट मिलाकर बन रहा है नकली पनीर

पनीर में चमक लाने के लिए टिनोपाल का इस्तेमाल

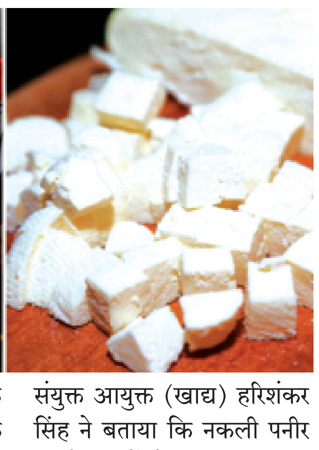

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्यौहार के मौसम में पूरे प्रदेश में यूरिया से बना हुआ नकली पनीर बिक रहा है। प्रदेश में धड़ल्ले से यूरिया, डिटर्जेंट मिलाकर नकली पनीर बनाई जा रही है। इसे चमकदार बनाने के लिए टिनोपाल और आला का प्रयोग किया जा रहा है, जो पनीर की विषाक्तता बढा रहा है। इस पनीर को बनाने का तरीका राजस्थान से आए कारीगर सीखा रहे हैं। एफएसडीए ने इन कारीगरों की धर पकड़ के लिए पुलिस से मदद मांगी है। डॉक्टरों का कहना है कि यह पनीर लोगों को कई तरह की बीमारियां दे रहा है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) की ओर से पनीर, खोवा एवं उससे बनी मिठाइयों की जांच कराई जा रही है।

जांच अभियान आठ अक्टूबर से शुरू हुआ है, जो 17 अक्टूबर तक चलेगा। इस बीच करीब डेढ़ करोड़ की पनीर, खोवा व अन्य सामग्री नष्ट कराई गई है। नोएडा, हापुड़, मेरठ, आगरा, कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर सहित विभिन्न जिलों में पकड़ी गई नकली पनीर के मामले में चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। एफएसडीए के अधिकारियों ने बताया कि नकली पनीर में दूध के बजाय पाम ऑयल, डिटर्जेंट, यूरिया, और सिंथेटिक केमिकल मिलाए जाते हैं।

इससे पनीर का रंग हल्का धुंधला हो जाता है। इसे चमकदार बनाने के लिए इस बार उसमें टिनोपाल और आला की भी मिलावट मिली है। टिनोपाल कपड़ों और डिटर्जेंट के लिए औद्योगिक ग्रेड आप्टिकल ब्राइटनिंग एजेंट है। यह रासायनिक यौगिक है, जो कपड़ों की सफेदी निखारता और कपड़े चमकदार दिखाई देने लगते हैं। इसी तरह आला भी रासायनिक है, जो सिंथेटिक कपड़ों की सफाई, धुलाई और ब्लीचिंग के लिए किया जाता है। यह सेहत के लिए बेहद हानिकारक है। संयुक्त आयुक्त (खाद्य) हरिशंकर सिंह ने बताया कि नकली पनीर बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। बाहर से आने वाले कारीगरों को पकड़ना मुश्किल हो रहा है। नकली पनीर, खोवा व अन्य सामग्री को तत्काल नष्ट कराया जा रहा है। पुलिस की भी मदद ली जा रही है।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक नकली पनीर के केस पहले भी मिलते थे, लेकिन इस बार चमक बढ़ाने के लिए टिनोपाल और आला मिलाने का मामला सामने आया है। वजन बढ़ाने के लिए खड़िया मिट्टी भी मिला रहे हैं। यह ट्रेंड राजस्थान के अलवर और आसपास के जिले से आए कारीगर ले आए हैं। विभिन्न स्थानों पर पनीर की जांच और पकड़े गए लोगों से इसके पुख्ता सबूत मिले हैं। राजस्थान से आए कारीगर किसी एक जिले में रात के वक्त पनीर तैयार करते हैं और सुबह उसे मंडी में भेजने के बाद संबंधित स्थान से फरार हो जाते हैं। ऐसे में उन्हें पकड़ना भी मुश्किल है। राजस्थान की सीमा से लगे जिलों में विशेष निगरानी की जा रही है। साथ ही पुलिस से भी मदद मांगी गई है।

केजीएमयू के गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुमित रूंगटा ने कहा, इन दिनों बाजार का पनीर खाना खतरनाक है। यह शरीर के लिए धीमे जहर का काम करता है। यूरिया, डिटर्जेंट, आला और टिनोपाल आहार नली से आंतों में पहुंचते हैं। यह रासायनिक तत्व खून में मिलते हैं। टॉक्सिन्स बढ़ेगा। लिवर और किडनी को फिल्टर करने में दिक्कत होगी और फिर उनके फेल होने का खतरा रहता है। लिवर, किडनी और पाचन तंत्र को क्षति पहुंचाती है। इसकी वजह से कैंसर जैसा घातक रोगों भी हो सकता है। शुरुआती दौर में पेट में दर्द, अपच, एलर्जी, उल्टी-दस्त जैसे लक्षण आते हैं। ट्रांस फैट से दिल को खतरा रहता है। क्योंकि हाइड्रोजेनेटेड वेजिटेबल आयल नसों को ब्लॉक कर देता है।

असली पनीर मुलायम, दूधिया महक वाला होता है और पानी में तैरता है, जबकि नकली पनीर सख्त, रबड़ जैसा, केमिकल गंध वाला और पानी में डूबने वाला होता है। नकली पनीर को हाथ से रकड़ने पर रबर जैसा और बहुत चिपचिपा दिखेगा। दबाने पर यह प्लास्टिक की तरह उछलता है। गर्म पानी में डालने पर यह घुलने लगता है और टूट जाता है। कई बार सतह पर तेल या चिपचिपी परत छोड़ सकता है। असली पनीर पर आयोडीन टिंचर डाला जाए तो यह रंग नहीं बदलता है, जबकि नकली पनीर में स्टार्च होने की वजह से नीला या काला हो जाता है।

एफएसडीए की आयुक्त डॉ. रौशन जैकब ने कहा, मिलावट का कारोबार खत्म करने के लिए विभाग ने जांच अभियान शुरू किया है। सप्ताहभर में बड़ी मात्रा में पनीर व अन्य सामग्री नष्ट कराई गई है। जुर्माना लगाया गया है। फिर भी खाद्य पदार्थों में मिलावट, नकली उत्पादों के निर्माण अथवा विक्रय, संगठित रूप में मिलावट की सूचना वाट्सएप नंबर 9793429747 पर दें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

ग्राम प्रधान मोहम्मद सादिक ने बसा दिए रोहिंग्या-बांग्लादेशी

200 घुसपैठियों ने 26 बीघा जमीन कब्जाई

जौनपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित मुरकी गांव में 200 से अधिक रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिक रहते हैं। इसकी शिकायत भाजपा नेता ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से की। इस पर संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने 3 सदस्यीय टीम का गठन किया, जिसको 17 अक्टूबर 2025 तक रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए गए हैं।

क्षेत्र के पूर्व भाजपा विधायक दिनेश चौधरी ने बताया कि मुरकी गांव मुस्लिम बहुल है, जिसका प्रधान मोहम्मद सादिक है। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान ने अपने राजनीतिक स्वार्थ और वोटबैंक मजबूत करने के लिए इन बाहरी लोगों को गांव में बसाया है। अन्य ग्रामीणों ने कई बार विरोध किया लेकिन प्रधान ने कोई कार्रवाई नहीं की। काफी लोग यहां 2013 में आकर बसे हैं और दावा करते हैं कि उन्होंने मेहनत से यहां जमीन खरीदी है। लेकिन इन जमीन पर अब तक घर नहीं बने हैं, ये सभी लोग पन्नी और तिरपाल डालकर झोपड़ियों में रह रहे हैं। इन सभी लोगों के आधार कार्ड भी बने हुए हैं।

यह भी सामने आया कि इस इलाके में पहले तीन मुस्लिम भाई आकर बसे थे। धीरे-धीरे उनके परिवार और रिश्तेदार की संख्या बढ़ती गई और अब ये लोग 26 बीघे जमीन पर खेती कर रहे हैं। मामले में प्रशासन के संज्ञान के बाद खुफिया जांच एजेंसिया भी सतर्क हो गई हैं।

विधान परिषद चुनाव में सपा ने तीन यादवों को दिए टिकट

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी में होने वाले विधान परिषद के चुनावों में सपा ने एकतरफा जातीय समीकरण साधने की कोशिश की है। सपा ने तीन यादवों को टिकट दिया है। जबकि सपा ने अन्य जातियों के बमुश्किल एक-एक प्रत्याशी उतारे हैं। प्रदेश में शीघ्र ही पांच स्नातक और छह शिक्षक निवार्चन क्षेत्र के लिए चुनाव होने हैं। सपा ने विधान परिषद की आगरा-अलीगढ़ शिक्षक सीट पर डॉ. प्रकाश चंद्र गुप्ता और मेरठ-गाजियाबाद शिक्षक सीट पर नितिन कुमार तोमर को उतारने की घोषणा की। इससे पहले सपा छह और सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है। इनमें वाराणसी-मिर्जापुर शिक्षक सीट पर लाल बिहारी यादव, इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट पर डॉ. मान सिंह यादव और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर कमलेश यादव को सपा ने मैदान में उतारा है। वाराणसी-मिर्जापुर स्नातक सीट पर आशुतोष सिन्हा को मैदान में उतारा गया है। लखनऊ स्नातक सीट पर पूर्व एमएलसी एवं सपा सांसद एसपी सिंह की पत्नी कांति सिंह और मेरठ-सहारनपुर स्नातक सीट पर प्रमेंद्र भाटी को उतारने की घोषणा की। इस तरह अब तक घोषित सपा के आठ प्रत्याशियों में ओबीसी में यादव जाति के तीन प्रत्याशी, सामान्य वर्ग में बनिया, ठाकुर और कायस्थ के एक-एक प्रत्याशी, गुर्जर और कुर्मी जाति के एक-एक प्रत्याशी हैं। अब सभी की नजर शेष तीन सीटों पर सपा के प्रत्याशियों पर है।

संपादकीय

लालू परिवार की मुश्किलें

बिहार चुनाव तपने लगा था, उसी दौरान सीबीआई की विशेष अदालत ने पूर्व रेल मंत्री लालू यादव, पत्नी राबड़ी देवी, पुत्र एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत 11 अन्य के खिलाफ आरोप तय कर दिए। अब चुनाव के दौरान ही 27 अक्तूबर से रोजाना अदालत सुनवाई करेगी, साक्ष्य पेश किए जाएंगे, बहस होगी और अंतिम चरण के मतदान 11 नवंबर से एक दिन पहले ही अदालत अपना अंतिम फैसला सुना सकती है। अर्थात लालू यादव और परिजनों को जेल भेजा जाएगा अथवा आरोप-मुक्त किया जाएगा। लालू पहले ही चारा घोटाले में, स्वास्थ्य के आधार पर, जमानत पर हैं। कई साल जेल की सजा भी काट चुके हैं। यह केस लालू यादव के रेलमंत्री कार्यकाल का है, जब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। लालू 2004-09 के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री थे। लालू के उस दौर में जमीन के बदले नौकरियां दी गईं और भूमि के सस्ते हस्तांतरण के बदले आईआरसीटीसी होटल के घोटाले सामने आए। विशेष जज विशाल गोगने ने लालू यादव के आपराधिक साजिश का मुख्य सूत्रधार होने की आशंका जताई है। आपराधिक साजिश के अलावा, धोखाधड़ी, सार्वजनिक पद के दुरुपयोग और जनसेवक द्वारा आपराधिक दुराचरण की धाराओं में आरोप तय किए गए हैं। अदालत ने 244 पन्नों के फैसले में कहा है कि तत्कालीन रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव ने सुजाता होटल, प्रेमचंद गुप्ता की पत्नी का होटल, के निदेशक विजय और विनय कोचर आदि के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची। रांची और पुरी के बीएनआर होटलों की उप-लीज के अनुबंधों में अनुचित लाभ दिए गए। बदले में कोचर बंधुओं ने पटना की कीमती जमीन लालू के करीबी, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रेमचंद गुप्ता की कंपनी को बेची। वह कंपनी लालू परिवार के नियंत्रण में आ गई। कंपनी के शेयर तेजस्वी और राबड़ी देवी के नाम कर दिए गए। जमीन हस्तांतरण भी मामूली कीमत पर उनके नाम हुआ। जिस संपत्ति का बाजार-मूल्य 94 करोड़ रुपए था और सर्किल रेट ही 32 करोड़ रुपए से अधिक था, वह 65 लाख रुपए में ही तेजस्वी और राबड़ी देवी के नाम कर दी गई। तब तेजस्वी नाबालिग थे, लेकिन करोड़ों रुपए की कंपनी और संपत्ति के मालिक थे। अदालत ने कहा है कि यदि वे निर्दोष हैं, तो करोड़ों रुपए का हस्तांतरण उनके नाम कैसे हो गया? देश में किसी अन्य परिवार के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ? अदालत का निष्कर्ष संदेह है कि तत्कालीन रेलमंत्री ने टेंडर प्रक्रिया को भी प्रभावित किया। तेजस्वी यादव इस मामले को 'सियासी साजिश' करार दे रहे हैं और लगातार लड़ने की हुंकार भर रहे हैं। भारत सरकार में रेल मंत्री लालू यादव थे, घोटाला परिवार में रचा गया, तो 'सियासी साजिश' कौन करेगा? यूपीए सरकार भी, 2014 तक रही। दरअसल यह घोटाला चक्रव्यूह की तरह है। आखिरी लाभार्थी लालू परिवार है। चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप और अंततः कटघरे में जाने की नौबत राजद और 'इंडिया' गठबंधन के लिए करारा धक्का साबित हो सकता है। भाजपा-एनडीए लालू परिवार के खिलाफ धुआंधार प्रचार करेंगे और इस घोटाले को 'जंगल-राज' तथा 'चारा घोटाले' की अगली कड़ी कहेंगे। आरोप किसी राजनीतिक दल के नहीं हैं, बल्कि एक विशेष जज की अदालत में तय किए गए हैं, लिहाजा यह राजनीति करार नहीं दी जा सकती। अलबत्ता लालू परिवार इस अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती जरूर दे सकता है। 'जमीन के बदले नौकरी' घोटाले के किरदार लालू की बेटियां-मीसा भारती, हेमा यादव-भी हैं। दरअसल जांच एजेंसियों को लालू परिवार के आर्थिक संसाधनों की सम्यक जांच करनी चाहिए। राबड़ी देवी और बच्चों ने न तो अच्छी नौकरी की और न ही उद्योग स्थापित किए, लेकिन उनके पास फॉर्म हाउस, घर, संपत्तियां कहां से आईं? कमोबेश देश को इस भ्रष्ट चक्रव्यूह की जानकारी मिलनी चाहिए। सबसे संवेदनशील मामला तो तेजस्वी के लिए है। यदि अदालत ने उन्हें दो साल या अधिक की सजा सुना दी, तो उनका राजनीतिक करियर ही खत्म हो जाएगा, क्योंकि वह चुनाव लडने या किसी सरकारी पद पर रहने के योग्य ही नहीं रहेंगे। लालू को चारा घोटाले में इतनी सजाएं सुनाई गई हैं कि वह चुनाव लडने के लायक ही नहीं रहे हैं। हालांकि विपक्ष आरोप लगा रहा है कि चुनाव के ऐन मौके पर लालू परिवार की छवि धूमिल करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। किंतु सत्ता पक्ष की ओर से यह प्रचार किया जा रहा है कि इस तरह के मामलों की सुनवाई काफी समय से चल रही है, इसलिए विपक्ष के आरोप में दम नहीं है। उसका मानना है कि जानबूझ कर ऐसा नहीं किया जा रहा, बल्कि इसके लिए लालू परिवार स्वयं जिम्मेवार है जिसने भ्रष्टाचार को अनके बार अंजाम दिया।

चुनाव के दौरान ही 27 अक्तूबर से रोजाना अदालत सुनवाई करेगी, साक्ष्य पेश किए जाएंगे, बहस होगी और अंतिम चरण के मतदान 11 नवंबर से एक दिन पहले ही अदालत अपना अंतिम फैसला सुना सकती है। अर्थात लालू यादव और परिजनों को जेल भेजा जाएगा अथवा आरोप-मुक्त किया जाएगा। लालू पहले ही चारा घोटाले में, स्वास्थ्य के आधार पर, जमानत पर हैं। कई साल जेल की सजा भी काट चुके हैं। यह केस लालू यादव के रेलमंत्री कार्यकाल का है, जब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। लालू 2004-09 के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री थे। लालू के उस दौर में जमीन के बदले नौकरियां दी गईं और भूमि के सस्ते हस्तांतरण के बदले आईआरसीटीसी होटल के घोटाले सामने आए। विशेष जज विशाल गोगने ने लालू यादव के आपराधिक साजिश का मुख्य सूत्रधार होने की आशंका जताई है। आपराधिक साजिश के अलावा, धोखाधड़ी, सार्वजनिक पद के दुरुपयोग और जनसेवक द्वारा आपराधिक दुराचरण की धाराओं में आरोप तय किए गए हैं। अदालत ने 244 पन्नों के फैसले में कहा है कि तत्कालीन रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव ने सुजाता होटल, प्रेमचंद गुप्ता की पत्नी का होटल, के निदेशक विजय और विनय कोचर आदि के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची। रांची और पुरी के बीएनआर होटलों की उप-लीज के अनुबंधों में अनुचित लाभ दिए गए। बदले में कोचर बंधुओं ने पटना की कीमती जमीन लालू के करीबी, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रेमचंद गुप्ता की कंपनी को बेची। वह कंपनी लालू परिवार के नियंत्रण में आ गई। कंपनी के शेयर तेजस्वी और राबड़ी देवी के नाम कर दिए गए।

कुछ अलग

एक रिज, कितने नाम

कद्दावर नेता की हस्ती में रिज पर एक नाम लिखा गया, वीरभद्र सिंह। वहां कांग्रेस ने होने का एहसास दिया, तो हिमाचल की राजनीति ने इस अवसर को कलमबद्ध कर लिया। अनुभवों की फेहरिस्त में प्रदेश का एक कालखंड यह भी समीक्षा कर गया कि गुजरे हैं अपने दौर में सभी, मगर जिंदा लम्हे छोड़ गए कोई-कोई। वीरभद्र सिंह के सामने वाईएस परमार की यादगार छवि थी और उसे लांघ कर वह शिमला की प्रतिमा में मुकम्मल दास्तान लिख पाए। जाहिर है हिमाचल में मुख्यमंत्रियों की हैसियत को हर सत्ता में तौला जाता है और यह विश्लेषण आज भी जारी है। रिश्तों के आधार केंद्र से देखे गए, तो पहाड़ की वकालत के मजमून अंगीकार हुए।

विश्व खाद्य दिवस (16 अक्तूबर) पर विशेष

खाने की कमी और कुपोषण के कारण दुनियाभर में लाखों लोग गंवा रहे जान

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें पेट भरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें जिंदा रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विड़म्बना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं। भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है।

दुनिया की आबादी तीव्र गति से बढ़ने के साथ-साथ विश्व में भूख की समस्या भी बढ़ती जा रही है। कई ऐसे राष्ट्र हैं, जो इस समस्या से बुरी तरह जूझ रहे हैं। विश्वभर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें पेट भरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें जिंदा रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विड़म्बना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं। भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है। वैश्विक भुखमरी को खत्म करने और सभी लोगों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 16 अक्तूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया जाता है। दुनिया के करीब 150 सदस्य देश मिलकर यह दिवस मनाते हैं और संयुक्त राष्ट्र के कैलेंडर में सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला दिवस भी यही है। यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और पूरी दुनिया से उसे जड़ से खत्म करना है ताकि दुनिया का कोई भी इंसान भूखा और कुपोषित न रहे। कृषि खाद्य प्रणाली परिवर्तन के लिए वैश्विक कार्रवाई को संगठित करते 'विश्व खाद्य दिवस' के लिए हर साल एक खास विषय निर्धारित किया जाता है। विश्व खाद्य दिवस 2025 का विषय है 'बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य के लिए हाथ मिलाना', जो एक अधिक टिकाऊ, न्यायसंगत और खाद्य-सुरक्षित दुनिया के लिए कृषि खाद्य प्रणालियों को बदलने के लिए वैश्विक सहयोग पर जोर देता है। एफएओ के अनुसार तीव्र जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा पिछले दशकों में मीठे पानी के संसाधनों में भी प्रति व्यक्ति 20 प्रतिशत की गिरावट आई है और दशकों के खराब उपयोग व प्रबंधन, भूजल के अत्यधिक दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता तेजी से बिगड़ रही है। एफएओ का कहना है कि मौजूदा समय में करीब 2.4 अरब लोग जल संकट वाले देशों में रहते हैं और इस अमूल्य संसाधन के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है क्योंकि पानी की कमी संघर्ष का निरंतर बढ़ता कारण बनती जा रही है। पृथ्वी पर जल एक सीमित और असीम मूल्यवान ऐसा प्राकृतिक संसाधन है, जिसके बिना धरती पर भोजन और जीवन असंभव है। यही नहीं, विश्वभर में 60 करोड़ से भी ज्यादा लोग अपनी

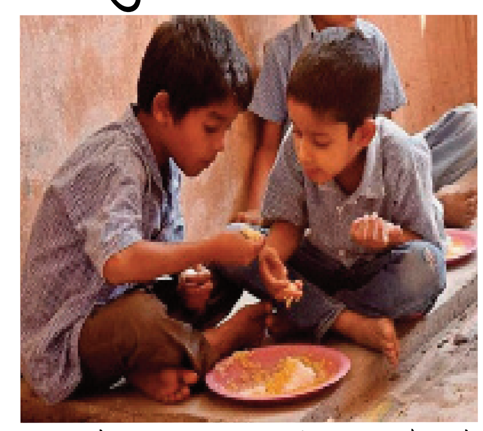

आजीविका के लिए जलीय खाद्य प्रणालियों पर ही निर्भर हैं, जिनमें छोटे पैमाने के मछुआरे, मछली किसान, मछली प्रोसेसर और उनके आश्रित शामिल हैं, जो तटीय और अंतर्देशीय समुदायों की रीढ़ माने जाते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं और विश्वभर में संस्कृतियों को प्रभावित करते हैं। दुनिया से भुखमरी को मिटाने के प्रयासों में जलवायु परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय तनाव, आर्थिक समस्याएं इत्यादि सबसे बड़ी बाधा बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, बार-बार होने वाले मौसम के झटकों, संघर्षों, आर्थिक मंदी, असमानता और महामारी के कारण विश्व में करीब 733 मिलियन लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जिसका सर्वाधिक असर ग़रीब और कमज़ोर तबके पर पड़ता है, जिनमें से कई कृषि परिवार हैं। कोरोना महामारी के दौर के बाद लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलस्तीन के भीषण युद्ध जैसी विकट परिस्थितियां भी भूख की समस्या को कम करने के बजाय और विकराल बनाने में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसीलिए इस समस्या को कम करने के लिए दुनियाभर में तेज गति से गंभीर प्रयास किए जाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भूख और कुपोषण लंबे समय तक चलने वाले संकटों से और बढ़ जाते हैं, जो संघर्ष, चरम मौसम की घटनाओं और आर्थिक झटकों के संयोजन से प्रेरित होते हैं। आज दुनिया में करोड़ों लोग भूख से पीड़ति हैं और स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। एफएओ के मुताबिक विश्व में 2.8 बिलियन से भी ज्यादा लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और अस्वास्थ्यकर आहार ही सभी प्रकार के कुपोषण का प्रमुख कारण है। कमज़ोर लोगों को प्रायः मुख्य खाद्य पदार्थों या कम महंगे खाद्य पदार्थों पर निर्भर रहने के लिए विवश होना पड़ता है, जो अस्वास्थ्यकर हो सकते हैं जबकि अन्य लोग ताज़े या विविध खाद्य पदार्थों की अनुपलब्धता से पीड़ति हैं, उन्हें स्वस्थ आहार चुनने के लिए जरूरी जानकारी की कमी है या फिर वे केवल सुविधा के लिए विकल्प चुनते हैं। दुनियाभर में प्रतिवर्ष हर 10 में से एक व्यक्ति दूषित भोजन के कारण बीमार हो जाता है और हर साल 4.2 लाख लोगों की मौत का कारण दूषित भोजन ही है, जिनमें करीब सवा लाख बच्चे भी होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के 'खाद्य एवं कृषि संगठन' के अनुसार 2021 में दुनियाभर में 5 लाख लोगों की मौत भूख से ही हुई थी। हालांकि ऐसा नहीं है कि पृथ्वी पर इतना अनाज पैदा नहीं हो रहा, जिससे दुनिया के हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल सके बल्कि सबसे बड़ी समस्या पोषणयुक्त आहार तक सभी की पहुंच और उपलब्धता है। एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों की ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन जलीय पारिस्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक बड़ी आवश्यकता भी है। जलीय खाद्य पदार्थ भी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अपनी विविधता से जलीय खाद्य प्रणाली मानव के लिए पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत बनती है। चिंता का विषय है कि जीवनयापन के लिए आंशिक रूप से ही सही, जलीय खाद्य प्रणालियों पर निर्भर 60 करोड़ लोग प्रदूषण, पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण, अस्थिर प्रथाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पीड़ति हैं। ऐसे में न केवल जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करने की सख्त आवश्यकता है बल्कि लोगों को अधिक भोजन तथा अन्य बुनियादी कृषि उत्पाद पैदा करने के लिए कम पानी का उपयोग करने की आवश्यकता है। बहरहाल, वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सुरक्षा मुद्दों के नए समाधान ढूंढ़ने के गंभीर प्रयास करें। मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए हमें कृषि खाद्य प्रणालियों में प्रभावी जल उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के सुरक्षित तरीके खोजने के साथ-साथ जल और जलीय खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी तथा जलवायु परिवर्तन और बढ़ती मांग के मद्देनजर सभी के लिए किफायती पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए दुनिया के समक्ष मौजूद खाद्य चुनौतियों का मिलकर समाधान करना होगा।

देश दुनिया से

विकृत ऋतुचक्र में दिवाली का चहुंमुखी महत्त्व

ऋतुचक्र अव्यवस्थित है। मेरे जीवनकाल में संभवतः प्रथम अवसर है, जब निज दृष्टि दशहरा से लेकर दिवाली तक के दिवसों में वर्षा, आंधी, चक्रवात, भूस्खलन, मेघ विस्फोट, अतिवृष्टि तथा तुषारापात की साक्षी बनी है। रामलीला आरंभ होने की अवधि से लेकर दिवाली तक तो ऋतु समशीतोष्ण हुआ करती थी। श्रावण, भाद्रपद व आश्विन माहों द्वारा उत्पन्न प्राकृतिक संपदाएं एकत्र करने की ऋतु होती थी कार्तिक। किंतु इस वर्ष ये क्या हो गया! संपूर्ण हिमालयी पर्वत श्रृंखला पूष की भांति हो गई है। पर्वत-पर्वत तुषारावृत्त हैं। वहां से लेकर मैदानी नगरों-महानगरों तक शीत लहर परिव्याप्त है। कार्तिक माह में ही धरा अति नम होकर मनुष्य की संतुलित मनोवृत्ति को खंडित कर रही है। प्रायः समशीतोष्ण ऋतु प्रभाव से संतुलित रहने वाले संवेदनशील मनुष्यों के मन, हृदय व आत्मा, तीनों प्रस्तर अवसादग्रस्त हैं। हां, जो मानव मशीनी सोच-विचार व वैज्ञानिक मस्तिष्क के साथ जीवन में उपस्थित हैं, उन पर ऐसे ऋतु असंतुलन का कोई व कुछ भी अच्छा-बुरा प्रभाव नहीं है। वे अपने भ्रमित, स्वप्निल, क्षणभंगुर व समाप्तप्रायः जीवन को चिर-स्थिर समझ कर धन-संसाधन एकत्र करने की गतिविधियों में संलिप्त हैं। उन्हें कार्तिक मास में पूष मास की ऋतुगत उपस्थिति पर कोई आश्चर्य नहीं है। वे विस्मृतियों के पुतले बनते जा रहे हैं। उन्हें व्यतीत दिवस, रात्रि, सप्ताह, माह, वर्ष, पंचतत्वों, जीवन व जैविक गतिविधियों से कोई सरोकार नहीं है। वे प्रगतिवान हैं। वे आगे बढ़ रहे हैं। लक्ष्यहीन होकर कहां जा रहे हैं, ये न उन्हें ज्ञात है तथा न ही उनके आधुनिक मार्गदर्शकों को। इन दिनों दिवाली के स्वागत कार्यक्रम हो रहे हैं। भारतवर्ष प्राकृतिक एवं आधुनिक आपदाओं को भूलकर हर्षोल्लास में डूबा हुआ है। ऐसा होना स्वाभाविक है। कार्तिक माह का दीपोत्सव है ही ऐसा, जो बीती कितनी ही समस्याओं व दुःखों को भुलाकर आधुनिक ढंग से ही सही, किंतु एक उत्सवजन्य प्रेरणा तो प्रदान करता ही है। आज से बीस, तीस, चालीस या अधिक वर्ष पीछे लौटकर कार्तिक मास के दीपोत्सवी अनुभवों का स्मरण करें तो मन-हृदय व्याकुल हो उठते हैं। तब क्या ऋतु छवि होती थी! कार्तिक मास व्यस्त समय होता था! जन-जन अक्षत खाद्यान्न श्रृंखला के अनेक उत्पादों को एकत्र-संग्रहीत करने खेतों में कार्यव्यस्त होते थे। धान की मनहर सुगंध वायु में प्रसारित रहती थी। जीवन प्राकृतिक व्यवस्था के अधीन एक अथाह आनंद, शांति व संतुष्टि का पर्याय हुआ करता था। कार्तिक माह में जलवायु अनुकूल होती थी। न अधिक ग्रीष्म और न अधिक शीत। पूर्णतः समशीतोष्ण। अधिसंख्य मानवों के तन स्वस्थ एवं मन शांत-संतुलित होते थे। दीपावली से एक माह, एक सप्ताह पूर्व का वातावरण कितना उमंगित हुआ करता। मनुष्य जीवन में सुख की पराकाष्ठा होता था ऐसा वातावरण। मनुष्य जीवन की जैसी अनुकूल गति होनी चाहिए, कदाचित जीवन वैसा ही होता। क्षितिज श्रृंखलाएं मद्दिम धुंध के आवरण में होतीं। सूर्यप्रकाश में तीव्रता, तीक्ष्णता एवं पीताभा की अधिकता होती। प्रमुख खाद्यान्न के रूप में धान की कटाई, छंटाई, एकत्रीकरण एवं भंडारण की गतिविधियां लोकोत्सव में परिवर्तित रहतीं। खेत-खलिहान लोक संस्कृति के वाहक हुआ करते। गीत-संगीत में विशुद्ध मानवता से लेकर पवित्र प्रेम तक के गहन अनुभव होते। संपूर्ण ग्रामीण जीवन किसी स्वर्गिक चलचित्र की भांति प्रदर्शित होता। प्रकृति का मान-सम्मान, स्वागत-सत्कार तथा ऋतुगत अभिवादन-अभिनंदन होता। इन परिस्थितियों में मानवीय सद्गुणों एवं सÖावनाओं का स्वाभाविक संचारण होता। दुर्गुणों से मानव दूर होता। दीपावली में ग्रामीण हाट-मेले व्यापार व वाणिज्य के स्वदेशी संस्करण बने रहते। मिट्टी के दीपक, शुद्ध सरसों का तेल, विषैले मिश्रण से मुक्त खील-बताशे व मिष्ठान, इत्यादि सब कुछ धरती के साथ प्राकृतिक संबंध का आधार बनते। कार्तिक मास, ज्योति उत्सव, उत्सवी कार्यक्रम, गतिविधियों, हलचल, उमंग-तरंग, हर्षोल्लास के धार्मिक-आध्यात्मिक सूत्र हिंदुओं के पौराणिक ग्रंथ रामायण से संबद्ध होते। दिवाली से एक-डेढ़ माह पूर्व रामलीलाओं का मंचन आरंभ होता। अक्षत खाद्यान्न की श्रेणी वाले समस्त कृषि उत्पादों के समुचित भंडारण के उपरांत लोगों के पास आगामी कृषि उत्पादन में व्यस्त होने से पूर्व जो रिक्त समय होता, उसमें वे रामलीलाओं का आयोजन करते। यह उपक्रम सदियों से एक महान परंपरा में परिवर्तित होता रहा, जो आधुनिक विसंगतियों के साथ संपन्न तो आज भी रहा है, किंतु अब इसमें महानता व गंभीरता अदृश्य है। अब यह एक व्यावसायिक औपचारिकता हो गया है। अब यह एक नीरस उत्सवी अभ्यास हो चुका है, जो लोक संस्कृतियों, प्रकृतिवत होने की जीवन-युक्तियों, मानवता-सज्जनता की संगतियों से पृथक हो चुका है। अब दिवाली के लिए जो व जैसी भी आधुनिक परिस्थितियां हों अथवा जैसी भी प्राकृतिक विकृतियां उपस्थित हों, दीपक के प्राकृतिक एवं पुरुषोत्तम महत्त्व के साथ मनुष्यों का जुड़ाव आवश्यक है। मानवों के अंदर धीरे-धीरे समाप्त होते मानवीयता के गुणों की रक्षा के लिए अब दिवाली जैसी पारंपरिक पद्धतियों का ही सहारा है। भारत के होली-दिवाली जैसे पारंपरिक त्योहार ही हैं, जो मनुष्यों को पुनः मनुष्यता की प्राकृतिक भावनाओं के साथ जोड़ सकते हैं। भारत हो या कोई भी अन्य देश, वहां मानवता की पुनस्र्थापना के लिए अब परंपरागत त्योहारों की भूमिका ही अधिक होगी। जिस प्रकार आधुनिकता का जीवन-चरित्र मानव को मन से खोखला कर रहा है, उस स्थिति में भला दुनिया के सामने पारंपरिक त्योहारों के अतिरिक्त कौनसे उपाय हैं, जो मानव-जीवन को पुनः समुचित व संतुलित बना सकेंगे। वास्तव में आधुनिक प्रगति की तीव्र यात्रा में अधिसंख्य मानव ये भूल ही जाते हैं कि उनके पास जीवन के अधिक वर्ष नहीं हैं। वे इस सत्य के साथ खड़े ही नहीं रहते कि छोटे-से जीवनकाल में उनके पास जीवन को पहले आधुनिकता के प्रयोग में लगाकर, और इसमें विफल होने पर, बाद में प्राकृतिक प्रयोग में लगाने के लिए, न तो समय और न ही अवसर ही है। यदि ध्यानपूर्वक सोचें तो यही पता चलेगा कि आधुनिकता का हर चरण अंततः एक निष्फल एवं अमानवीय दुर्गति को प्राप्त होता है। वन, ग्राम, परंपरा एवं मानवता को छोडक़र आधुनिक चाल-चलन अपनाने वाले मानवों के पास अंततः कोई विशेष उपलब्धि नहीं होती। इस सत्य को आत्मसात करते हुए जीवन को पारंपरिक लगन के साथ जीना होगा। परंपरा का अग्रणी उत्सवधर्म है दिवाली। इससे जुड़ें। प्राकृतिक होकर इसमें सम्मिलित हों। धार्मिक होकर इसे समझें। आध्यात्मिक होकर इसके मर्म को जानें। इसकी जीवंत ऊर्जा से जीवन का उद्देश्य पहचानने की शक्ति प्राप्त करें। दिवाली के पौराणिक कथा-आधार रामायण के शिक्षातत्त्व से परिचित होने का प्रयास करें। इस समय जीवितावस्था में जीवन में उपस्थित लोगों को जो भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष अथवा आधुनिक-प्राकृतिक आघात लग रहे हैं, उनका समाधान आध्यात्मिक साधना द्वारा ही प्राप्त हो सकेगा, और दिवाली में दिवाली का प्राकृतिक वातावरण इस साधना के लिए मनुष्य को आत्मप्रेरणा अवश्य प्रदान करता है।

आप का नजरिया

युद्ध से भला शांति कैसे आएगी?

विश्व में युद्ध किसी भी देश से हो, निर्दोष लोगों की जान का दुश्मन बन जाता है। बर्बादी, बर्बरता, मौत, मातम व नुकसान यही वो चीजें हैं जो युद्ध देकर जाता है। जीवन भर का दुःख, पीड़ा का जन्म होता है। युद्ध कभी भी किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है, क्योंकि उसमें मानवता को क्षति होती है। इसलिए युद्ध न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक चोट भी पहुंचाते हैं, जो अंत तक उन लोगों को परेशान करती रहेगी जो उनसे प्रभावित होते हैं। पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। जब भी युद्ध होता है, दोनों देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती। विश्व गवाह है प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के दंशों का, जिनकी याद जब भी आती है, नरसंहार व बर्बादी की तस्वीर जहन में जाग जाती है। सवाल उठता है लाभ क्या हुआ? आज जहां तकनीक का युग है, एक-दूसरे देश पर निर्भरता बढ़ती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ युद्ध का खतरा भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। थोड़े से विवाद पर एक देश दूसरे देश पर गोला बारूद बरसाने लग जाता है। एक मोर्चे पर लड़ाई रुकती नहीं कि उतने में दूसरा मोर्चा उभर कर युद्ध के मुहाने पर आकर खड़ा हो जाता है। रूस-यूक्रेन का युद्ध सालों से चला आ रहा है जिसमें केवल मानवता का नुकसान हो रहा है, तो दूसरी तरफ इजरायल-फिलिस्तीन, इजरायल-ईरान की लड़ाई भी विश्व को डरा रही है। रूस के द्वारा यूक्रेन के खिलाफ छेड़ा गया युद्ध अभी तक जारी है और फिलहाल इसका कोई परिणाम नहीं दिख रहा। सभी देश एक-दूसरे पर निर्भर हैं जिससे एक बात निश्चित है कि इसका प्रभाव पूरे विश्व में पड़ रहा है। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी हो, लेकिन वह कभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है, केवल उनकी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है। इसका उदाहरण हमें यूक्रेन बनाम रूस तथा इजरायल-फिलिस्तीन व इरान के युद्ध से मिल रहा है। लाखों लोग रूस-यूक्रेन युद्ध में अपनी जान गंवा चुके हैं। आखिर उनका दोष क्या था? आम जनता कभी भी युद्ध नहीं चाहती बल्कि यह तो उसे झेलना पड़ता है। वो तो अपने शासक के निजी कारणों की वजह से इसमें पिस जाती है। केवल एक व्यक्ति की वजह से जो कि स्वयं युद्ध लड़ता भी नहीं है, उसकी वजह से लाखों बेकसूर लोगों की जान चली जाती है। न जाने कितने लोगों से उनका परिवार छिन जाता है, और अगर जनता इसके खिलाफ कोई कदम उठाना चाहे तो उनकी आवाज को दबा दिया जाता है तथा उन्हें देशद्रोही घोषित कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए अगर आप यूक्रेन को लें तो यह देखने को मिलेगा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध यूक्रेनी लोगों के लिए मानवीय, सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा कर रहा है। सिर्फ यूक्रेन ही नहीं बल्कि रूस को भी बहुत हानि हो रही है लेकिन रूस युद्ध की आड़ में अंधा हो गया है जिसे अपना और अपने लोगों का नुकसान नहीं दिख रहा। उसको अब हार मानने से होने वाली लज्जा अपने लोगों की जान से ज्यादा प्यारी है। इस पूर्ण पैमाने पर सैन्य आक्रमण के परिणाम वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति को बाधित कर रहे हैं, खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में तेजी से वृद्धि कर रहे हैं। यूक्रेन युद्ध और उसके बाद रहने की लागत के संकट का मतलब है कि सबसे गरीब बच्चों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने की संभावना और भी कम है और बाल विवाह, हिंसा, शोषण तथा दुर्व्यवहार का खतरा अधिक है। कई लोगों के लिए, बचपन की गरीबी जीवन भर रहती है। यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध शुरू होने के लगभग दो साल बाद, इसने पश्चिम को एकजुट कर दिया है, लेकिन बाकी दुनिया के साथ बढ़ती हुई खाई को उजागर कर दिया है जो भविष्य की वैश्विक व्यवस्था की रूपरेखा को परिभाषित कर रही है। इसने युद्ध, लोकतंत्र और शक्ति के वैश्विक संतुलन के दृष्टिकोण में तीव्र भौगोलिक अंतर का खुलासा किया।

युद्ध कभी भी किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है, क्योंकि उसमें मानवता को क्षति होती है। इसलिए युद्ध न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक चोट भी पहुंचाते हैं, जो अंत तक उन लोगों को परेशान करती रहेगी जो उनसे प्रभावित होते हैं। पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। जब भी युद्ध होता है, दोनों देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती।

दृष्टि कोण

तालिबानी बंदिशों के बीच सिसकती स्त्री अस्मिता

पिछले दिनों अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत यात्रा पर आए। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, मगर उसमें महिला पत्रकारों को नहीं बुलाया गया। जब इस बात की आलोचना हुई तो उन्होंने एक बचकाना बहाना बनाया कि एंट्री पास की कमी के कारण ऐसा किया गया। खैर, बाद में एक दूसरी प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की गई, जिसमें महिला पत्रकारों को बुलाया गया। उन्होंने परेशान करने वाले सवाल भी पूछे। इसे महिला पत्रकारों की कामयाबी ही कहा जाएगा कि वे अपने इस प्रयास में सफल हुईं कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। यहां स्त्री-पुरुष में कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। जब से तालिबान दोबारा सत्ता में आए हैं, उन्होंने पहले की तरह ही महिलाओं पर तरह-तरह की बंदिशें लगाई हैं। वहां का महिला कल्याण मंत्रालय खत्म कर दिया गया है। कोई महिला या बच्ची अगर बिना मुंह ढके दिखे, तो उसे कठोर दंड भी दिया जा सकता है। वे न पढ़ सकती हैं, न लिख सकती हैं। छठी कक्षा से आगे वे पढ़ नहीं सकतीं। पुरुष अध्यापक उन्हें पढ़ा नहीं सकते। अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र देश है, जहां स्त्रियों के पढ़ने पर प्रतिबंध है। वे विश्वविद्यालयों में प्रवेश नहीं ले सकतीं। एक बार मार्च, 2022 में लड़कियों के स्कूल को तालिबानों ने खोला था, लेकिन खोलने के कुछ घंटों बाद ही बंद कर दिया गया। लड़कियां किसी कैम्पस में न वीडियो बना सकती हैं, न अपने फोटो खींच सकती हैं। तालिबानों के सत्ता में आने से पहले अफगानिस्तान में सत्ताईस प्रतिशत स्त्रियां नौकरी करती थीं। लेकिन अब उनका भविष्य अंधकारमय है। यही नहीं, कई प्रांतों में दुकानदारों को आदेश दिए गए हैं कि यदि कोई स्त्री बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के साथ आए, तो उसे सामान न दिया जाए। वे किसी जिम में भी बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के नहीं जा सकतीं। नौ साल की उम्र में लड़कियों की शादी जायज है। वे कृषि, सिविल इंजीनियरिंग, पत्रकारिता आदि नहीं पढ़ सकतीं क्योंकि नेताओं के अनुसार ये विषय महिलाओं के लिए बहुत कठिन हैं। महिलाएं किसी टीवी प्रोग्राम में भाग नहीं ले

सकतीं। वे न किसी फिल्म में काम कर सकती हैं। बहुत से संस्थानों में उनके नौकरी करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। महिलाएं खिड़की से बाहर न झांकें, इसलिए यदि उनके घर में ऐसी खिड़कियां हैं, तो उन्हें बंद करना पड़ा है। महिलाओं को चेहरा ढकना तो अनिवार्य है ही। कारण कि महिलाओं को देखकर पुरुष लालायित न हों। कमाल है न, यदि कोई पुरुष किसी महिला को वासना भरी नजरों से देख रहा है, तो उसमें भी पुरुष का नहीं महिला का ही दोष हुआ। उनका इलाज भी सिर्फ महिला डाक्टर ही कर सकती हैं। कोई बताए कि जब महिलाएं पढ़ेंगी-लिखेंगी ही नहीं, तो डाक्टर कैसे बनेंगी। महिला डाक्टर नहीं होंगी, तो महिलाओं को इलाज भी नहीं मिलेगा। वे मरती हैं, तो मरती रहें। वे किसी पुरुष रिश्तेदार के बिना कहीं जा-आ नहीं सकतीं। यही नहीं, यह आदेश भी है कि जब तक बहुत जरूरी न हो, वे घर से बाहर न निकलें। उन्हें जोर से बोलना नहीं है। हंसना भी नहीं है। किसी पुरुष को उनकी हंसी सुनाई नहीं देनी चाहिए। वे संगीत भी नहीं सुन सकतीं। गा भी नहीं सकतीं। पिछले दिनों अफगानिस्तान में कुछ महिलाएं मलबे के नीचे दबी हुई थीं। बचाव दल वहां पहुंचा भी। लेकिन महिलाओं को नहीं बचाया गया, क्योंकि पुरुष महिलाओं को नहीं छू सकते थे। आखिर ये कैसी सोच है। लेकिन कोई करे भी तो क्या। विरोध के स्वर अपनों के ही बीच से निकलते हैं। बाहर का कोई किसी समाज को नहीं बदल सकता। रूस और अमेरिका ने ऐसा करके देख लिया है। उन्हें वहां से भागना ही पड़ा। एक तरफ सऊदी अरब में महिलाओं को बहुत-सी बातों से मुक्ति दी जा रही है।

चीन के लिए जासूसी करते अमेरिका में धरे गए भारत में जन्मे एशले टेलिस

वाशिंगटन,15 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय मूल के एशले टेलिस अमेरिका में चीन के लिए जासूसी करते पकड़े गए हैं। एफबीआई ने न केवल इनके यहां छापामारी कार्रवाई की बल्कि कई दस्तावेज भी बरामद किए है जो इस बात का संकेत हैं कि टेलिस अमेरिका के खिलाफ चीन के लिए जासूसी कर रहे थे। प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ और दक्षिण एशिया नीति सलाहकार एशले टेलिस को चीन के साथ कथित संबंधों और गोपनीय सरकारी दस्तावेजों को अनधिकृत रूप से रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। भारत में जन्मे 64 वर्षीय टेलिस अब अमेरिकी नागरिक हैं। उनको 13 अक्टूबर को वर्जीनिया डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में औपचारिक रूप से आरोपी बनाया गया। आरोपों के अनुसार, उन्होंने राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित गोपनीय जानकारी अपने पास रखी।

फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने शनिवार को वर्जीनिया के वियना स्थित टेलिस के आवास पर छापा मारा, जहां से 1,000 से अधिक पन्नों के गोपनीय दस्तावेज बरामद हुए। अब टेलिस पर गोपनीय राष्ट्रीय रक्षा दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने और चीनी सरकारी अधिकारियों से कई बार मुलाकात करने का मामला दर्ज किया गया है। एफबीआई एजेंटों ने 11 अक्टूबर को टेलिस के वियना (वर्जीनिया) स्थित घर की तलाशी ली, जिसमें 1000 से अधिक पन्नों के टॉप सीक्रेट और सीक्रेट चिह्नित दस्तावेज बरामद हुए। ये दस्तावेज बेसमेंट ऑफिस में बंद फाइलिंग कैबिनेट्स, एक डेस्क और तीन बड़े काले कचरे के बैगों में रखे मिले। एफबीआई के अनुसार, 25 सितंबर को टेलिस को स्टेट डिपार्टमेंट के हैरी एस. ट्रूमैन बिल्डिंग में क्लासिफाइड कंप्यूटर सिस्टम से सैकड़ों दस्तावेज प्रिंट करते हुए वीडियो निगरानी में देखा गया। उन्होंने यूएस एयर फोर्स टैक्टिक्ससे जुड़ी 1288 पन्नों की फाइल को इकॉन रिफॉर्म नाम से सेव किया और फिर सिलेक्ट किए हुए पेज प्रिंट करने के बाद फाइल को डिलीट कर दिया।

10 अक्टूबर को एक अन्य सुरक्षा कैमरे में टेलिस को मार्क सेंटर (अलेक्जांद्रिया, वर्जीनिया) की एक सुरक्षित फैसिलिटी से टॉप सीक्रेट दस्तावेज़ों को नोटपैड में छिपाकर अपने लेदर ब्रीफकेस में रखते हुए देखा गया। इसके बाद वे उस फैसिलिटी से बाहर निकल गए। एफबीआई के हलफनामे में बताया गया कि सितंबर 2022 से सितंबर 2025 के बीच टेलिस ने वर्जीनिया के फेयरफैक्स स्थित रेस्तरांओं में कई बार चीनी सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की। 15 सितंबर 2022 को हुई एक मुलाकात में टेलिस एक मनीला लिफाफा लेकर रेस्तरां में पहुंचे थे, जो उनके बाहर निकलते समय उनके पास नहीं था। इन बैठकों में ईरान-चीन संबंधों, उभरती तकनीकों (जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा सुनी गई। सितंबर 2025 की एक बैठक में चीनी अधिकारियों ने टेलिस को लाल रंग का गिफ्ट बैग भी दिया था।

मुंबई में जन्मे ऐशली टेलिस ने सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज, मुंबई विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्रियां हासिल कीं और फिर यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो से राजनीतिक विज्ञान में पीएचडी की। वे 2001 से अमेरिकी विदेश विभाग के सलाहकार रहे हैं और अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु समझौते के प्रमुख वार्ताकारों में शामिल थे। वर्तमान में वे डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस के ऑफिस ऑफ नेट असेसमेंट में कॉन्ट्रैक्टर के रूप में काम कर रहे हैं और कार्नेगी एंडॉमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में सीनियर फेलो हैं।

न्यूज ब्रीफ

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत को सातवें कार्यकाल के लिए चुना गया

न्यूयॉर्क। भारत को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 2026-28 के कार्यकाल के लिए चुना गया है। भारत का यह सातवां कार्यकाल होगा। यूएनएचआरसी ने मंगलवार को हुए चुनाव के नतीजों की घोषणा को एक्स पर साझा किया है। भारत का तीन वर्ष का कार्यकाल अगले साल पहली जनवरी से शुरू होगा। यूएनएचआरसी के एक्स पोस्ट के अनुसार, महासभा ने 2026-2028 के कार्यकाल के लिए मानवाधिकार परिषद के 14 सदस्यों का चुनाव किया है। यह सदस्य देश हैं- अंगोला, चिली, इक्वाडोर, मिस्र, एस्टोनिया, भारत, इराक, इटली, मॉरीशस, पाकिस्तान, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम और वियतनाम। महासभा की घोषणा के बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने एक्स पोस्ट में कहा कि यह चुनाव मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दर्शाता है। हरीश ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत अपने कार्यकाल के दौरान इन लक्ष्यों के प्रति हर संभव प्रयास करेगा। उन्होंने समर्थन के लिए सभी प्रतिनिधिमंडलों का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय 47 सदस्यों की मानवाधिकार परिषद संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख निकाय है। यह विश्व में मानवाधिकारों को बढ़ावा और संरक्षण के लिए कार्यरत है। महासभा ने 2006 में परिषद का गठन किया था तब भारत को पहली बार चुना गया था।

संसद विघटन के खिलाफ सभी दलों को एकजुट करने का प्रयास, स्पीकर ने बुलाई बैठक

काठमांडू। नेपाल में अंतरिम सरकार द्वारा संसद विघटन किए जाने के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए स्पीकर देवराज घिमिरे ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। अंतरिम सरकार गठन के बाद प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने संसद विघटन कर दिया था। सरकार के इस फैसले के खिलाफ में मंगलवार देर शाम तक सुप्रीम कोर्ट में 10 याचिका दायर की गई है। लेकिन राजनीतिक दलों को भी इसमें संयुक्त रूप से याचिका दायर कारण के लिए राजनीतिक दलों को एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है। विघटित प्रतिनिधि सभा के स्पीकर घिमिरे ने प्रतिनिधिन सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी 10 राजनीतिक दलों की संयुक्त बैठक बुलाई है। यह बैठक सिंहदरबार में संघीय संसद सचिवालय में बुलाई गई है। स्पीकर ने सभी दलों का प्रतिनिधित्व इस बैठक में सुनिश्चित हो इसके लिए स्वयं ही पार्टी अध्यक्ष को फोन भी किया था। इस विषय में स्पीकर घिमिरे ने कहा कि सभी दलों के तरफ से संयुक्त रूप से सुप्रीम कोर्ट में संसद विघटन के खिलाफ रिट दायर किया जाए वो इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्य स्वतंत्र व्यक्तियों के तरफ से दायर रिट को संबंधित पक्ष नहीं कहते हुए खारिज भी किया जा सकता है। इसलिए वो चाहते हैं कि प्रतिनिधि सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी 10 राजनीतिक दल संयुक्त रिट दाखिल करे।

अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला तट पर नाव सवार छह लोगों को मारा

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला तट पर नाव सवार छह लोगों को मौत के घाट के उतार दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन लोगों के पास ड्रग्स था। सेना ने अब तक 27 ऐसे लोगों को ऐसे मार गिराया है। दो सितंबर के बाद अमेरिकी सेना ने ऐसी कार्रवाई पांचवीं बार की है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका ने वेनेजुएला के तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक नाव पर सवार छह लोगों को मार डाला। उन्होंने बिना किसी सबूत के दावा किया कि वे ड्रग्स ले जा रहे थे। ट्रंप ने कहा, खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि नाव से नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही थी। ट्रंप ने 33 सेकंड का एक हवाई निगरानी वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें एक छोटी नाव तैरती हुई दिखाई दे रही है और फिर एक मिसाइल से टकराकर उसमें विस्फोट हो जाता है।

पाक सेना और अफगान तालिबान के बीच सीमा पर लड़ाई छिड़ी, चौकियां व टैंक नष्ट करने का दावा

इस्लामाबाद,15 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में अफगानिस्तान से लगती सीमा पर दोनों देशों के बीच लड़ाई छिड़ने की खबर आ रही है। पाकिस्तान का दावा है कि अफगानिस्तान ने बिना किसी उकसावे गोलीबारी की, जिसका माकूल जवाब दिया गया। इससे अफगान तालिबान को भारी क्षति हुई है। कई तालिबानी टैंक और चौकियां नष्ट कर दी गई हैं।

डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के सरकारी मीडिया की खबर में दावा किया गया है कि खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में पाकिस्तानी सेना और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार रात फिर से लड़ाई छिड़ गई। सरकारी प्रसारक पीटीवी न्यूज ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया, अफगान तालिबान और प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (फितना अल-खवारिज) ने कुर्रम में बिना उकसावे के गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत और तेजी से जवाब दिया।

सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इस लड़ाई में तालिबान शासन की चौकियों को भारी नुकसान पहुंचा है और एक टैंक पर हमला होने के बाद उसमें आग लग गई। इससे तालिबान लड़ाके अपनी चौकियों से भाग गए। पीटीवी के अनुसार, शमसादर चौकी पर चौथे टैंक को तबाह कर दिया गया। पाकिस्तानी सेना के इस अभियान में फितना अल-खवारिज के बड़े कमांडर के मारे जाने की खबर है।

इससे पहले विदेश सचिव राजदूत आमना बलोच ने इस्लामाबाद में स्थानीय राजदूतों को पाकिस्तान-अफगान सीमा पर हाल के घटनाक्रमों पर व्यापक जानकारी दी। उन्होंने पाकिस्तान की सुरक्षा चिंताओं और अपनी क्षेत्रीय अखंडता व राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के संकल्प पर जोर दिया। अफगान तालिबान बलों ने सप्ताहांत में सीमा पर स्थित चौकियों पर बिना उकसावे के हमला किया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि काबुल के आक्रमण का इस्लामाबाद ने भी जवाब दिया। इस लड़ाई में 23 पाकिस्तानी सैनिक और 200 से अधिक तालिबान और लड़ाके मारे गए।

अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसने यह हमला प्रतिशोध के तौर पर किया और इस्लामाबाद पर पिछले हफ्ते उसके इलाके में हवाई हमले करने का आरोप लगाया। इस्लामाबाद ने भी बार-बार काबुल से आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान पर हमला करने के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल करने से रोकने का आह्वान किया है। रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने सीमा पार आतंकवाद को लेकर जारी तनाव के बीच जियो न्यूज से एक दिन पहले कहा कि दोनों देशों के बीच शत्रुतापूर्ण माहौल है। उन्होंने यह भी कहा था कि लड़ाई किसी भी समय छिड़ सकती है।

द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के बीच सीमा पर झड़पों का सिलसिला एक बार फिर तेज हो गया है। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार शाम खोस्त प्रांत के जाजी मैदान जिले में तालिबान और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई। झड़पों का दायरा नांगरहार तक फैल गया है। हेलमंद प्रांत में झड़प की तैयारी चल रही है। अफगान और ईरानी स्थानीय मीडिया के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने बलोचिस्तान में बाराबचा सीमा के पास सात अफगान नागरिकों को गिरफ्तार करने के बाद गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, ये सभी अफगान मजदूर थे और काम के लिए पाकिस्तान में घुसने की कोशिश कर रहे थे। अफगान अधिकारियों ने इन हत्याओं की कड़ी निंदा की है, जबकि स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इलाके में तनाव बरकरार है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री देउवा लेंगे सक्रिय राजनीति से संन्यास, इलाज के लिए सिंगापुर जाने की तैयारी

काठमांडू,15 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा पार्टी की सक्रिय राजनीति से संन्यास लेते हुए इलाज के लिए सिंगापुर जाने की तैयारी में हैं। पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक में एक लिखित वक्तव्य पढ़ते हुए उन्होंने इसकी जानकारी दी । जेन जी विद्रोह के दौरान बुरी तरह से घायल हुए नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा 35 दिन बाद मंगलवार को अपने पार्टी के दफ्तर में आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक में सहभागी हुए। उन्होंने पार्टी की जिम्मेदारी उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में सौंपने का फैसला किया है।

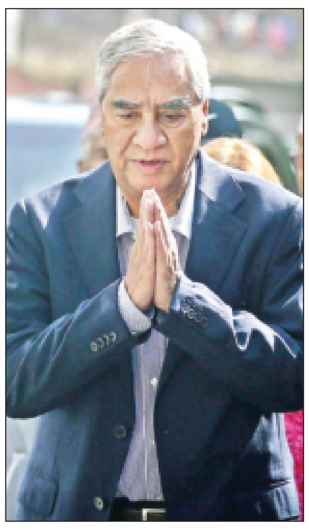

देउवा ने कहा कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने के साथ ही अब समय पर महाधिवेशन के बाद नए नेतृत्व का चयन हो जाए, इसके लिए सभी को तैयारी करनी होगी। देउवा ने महाधिवेशन के बाद निर्वाचित नए अध्यक्ष को पार्टी का नेतृत्व हस्तांतरण कर देंगे।

देउवा ने अब राजनीति में सक्रिय नहीं रहने का संकेत देने के साथ ही अपने उपचार के लिए सिंगापुर जाने की बात कही है। पार्टी बैठक के बाद उन्होंने कहा कि अभी भी बहुत अधिक देर तक बैठने पर उन्हें चक्कर आने लगता है और बेहोशी छाने लगती है। जेन जी विद्रोह के दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनके घर में घुस कर शेरबहादुर देउवा और उनकी पत्नी आरजू देउवा पर हमले किए थे। इस दौरान उन पर खुकरी से भी हमला किया गया जिसके कारण शेर बहादुर देउवा के माथे पर 12 टांके और आरजू देउवा के गर्दन पर 8 टांके लगाए गए थे। प्रदर्शनकारियों ने पूरा उनका घर जला दिया था।

इस घटना के बाद पहली बार सार्वजनिक हुए देउवा दंपति ने इलाज के लिए सिंगापुर जाने की बात कही है। हालांकि उनके डिप्लोमेटिक पासपोर्ट को सरकार ने रद्द कर दिया है और उन दोनों के काठमांडू से बाहर जाने पर भी रोक लगा दी गई है।

पलट गई बाजी: अब भारत से मदद मांग रहा अमेरिका, बोला- आइए चीन से मिलकर लड़ेंगे

वॉशिंगटन। आए दिन धमकाने और टैरिफ लगाने वाला अमेरिका अब भारत के आगे गिड़गिड़ाता नजर आ रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार पर उकसाने वाले आर्थिक कदम उठाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बीजिंग द्वारा दुर्लभ खनिजों पर नए निर्यात नियंत्रण लगाना पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को चुनौती देने जैसा है। बेसेंट ने एक बातचीत में कहा, यह चीन बनाम पूरी दुनिया है। उन्होंने जो नए निर्यात नियंत्रण लगाए हैं, वे अगले महीने से लागू होंगे। हमें नहीं पता कि उन्होंने यह कदम अभी क्यों उठाया, लेकिन हमने इसके खिलाफ आक्रामक रूप से जवाब दिया है। बढ़ते तनाव के बीच बेसेंट ने पुष्टि की कि राष्ट्रपति ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात इस महीने दक्षिण कोरिया में होने की संभावना है, हालांकि स्थिति को देखते हुए कार्यक्रम में बदलाव भी संभव है। दोनों देशों के अधिकारी इससे पहले आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक की बैठकों के दौरान वॉशिंगटन में प्रारंभिक वार्ता करेंगे। आने वाले हफ्तों में यह स्पष्ट होगा कि दोनों देश तनाव घटाने की दिशा में बढ़ते हैं या व्यापारिक टकराव एक नए मोर्चे में बदल जाता है। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका चीन को इन महत्वपूर्ण खनिजों का हथियार बनाने की अनुमति नहीं देगा। बेसेंट ने कहा, उन्होंने पूरी स्वतंत्र दुनिया की सप्लाई चेन और औद्योगिक ढांचे पर बंदूक तान दी है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

नेतन्याहू मिले रिहा बंधकों से, एतान मोर से छूटने की वजह जानकर चौंके

तेल अवीव,15 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमास की कैद से छूटे बंधकों से मिलकर उनकी पीड़ा को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को यहां बेइलिन्सन अस्पताल में रिहा हुए बंधकों और उनके परिवारों से मुलाकात कर चर्चा की। सोमवार को रिहा किए बंधक एतन मोर की आपबीती सुनकर प्रधानमंत्री ही नहीं अन्य लोग भी चौंक गए। मोर ने बताया कि गाजा में कैद के दौरान एक हमास नेता ने उससे कहा था कि उसके रिहा होने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि उसके परिवार ने सरकार पर बंधक-युद्धविराम समझौते के लिए दबाव डालने वाले विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा नहीं लिया। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार, मोर ने प्रधानमंत्री को बताया कि इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद इस समय आतंकवादी समूह हमास का वास्तविक नेता है। वह

पहले हमास के गाजा सिटी ब्रिगेड की कमान संभालता रहा है।

इसी नेता ने उससे कैद के दौरान कहा था, अगर किसी को सबसे पहले रिहा किया जाएगा, तो वो आप हैं। आपके पिता वैसे भी विरोध प्रदर्शनों में नहीं जाते, इसलिए हम आपको पहले वापस भेज देंगे। मोर के पिता ज्विका टिकवा फोरम के प्रमुख हैं। यह फोरम बंधक परिवारों का छोटा समूह है। यह फोरम पहले के उन समझौतों का विरोध करता रहा है, जिनमें सैकड़ों फिलिस्तीनी सुरक्षा कैदियों और गाजा में अस्थायी युद्धविराम के बदले में केवल कुछ बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की गई थी। इस बीच बंधक परिवारों ने शव सौंपने में हमास की विफलता पर आईडीएफ प्रमुख से मुलाकात की मांग की है। बंधक और लापता परिवार मंच ने कहा है कि वह आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर से बात करना चाहते हैं। मंच ने बयान में कहा है, परिवार चीफ ऑफ स्टाफ से इस बात का स्पष्टीकरण मांगेंगे कि आईडीएफ समझौते का सामान्य रूप से पालन क्यों कर रहा है, जबकि इस बात की गंभीर आशंका है कि बंधक कैद में ही रहेंगे क्योंकि हमास हस्ताक्षरित समझौते का खुलेआम उल्लंघन कर रहा है। परिवारों का आरोप है कि आईडीएफ अभी भी 7 अक्टूबर, 2023 के नरसंहार से पहले की तरह ही व्यवहार कर रहा है। हमास की बातों पर विश्वास कर रहा है। बजाय इसके कि वह यह समझे कि यह एक धोखेबाज और घृणित आतंकवादी संगठन है।

नेतन्याहू ने कहा-हमास ने निशस्त्रीकरण से इनकार किया तो तबाही मच जाएगी

तेल अवीव,15 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कठोर रुख अपनाते हुए कहा कि अगर हमास ने निशस्त्रीकरण से इनकार किया तो तबाही मच जाएगी। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब इजराइल और हमास के बीच गाजा में युद्धविराम का पहला चरण प्रभावी हो चुका है। इजराइली बंधकों की रिहाई के बाद फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा जा रहा है। इस बीच हमास ने चार बंधकों के शव इजराइल को सौंप दिए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सीबीएस न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा है कि अगर हमास निशस्त्रीकरण के लिए सहमत नहीं होता है, तो तबाही मचनी तय है। यह पूछने पर कि जब इजराइली सेना अभी भी गाजा के कुछ हिस्सों में तैनात है और हमास पट्टी पर फिर से नियंत्रण स्थापित कर रहा है, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि युद्ध समाप्त हो गया है नेतन्याहू ने कहा, हम शांति को एक मौका देने के लिए सहमत हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्धविराम समझौते में यह प्रावधान है कि फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह को निशस्त्र और गाजा का विसैन्यीकरण किया जाना चाहिए। गाजा पट्टी के अंदर कोई हथियार कारखाने नहीं चलने चाहिए और इसकी सीमाओं पर कोई तस्करी नहीं होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा है कि अगर हमास समझौते के अपने हिस्से का पालन नहीं करता है तो हम उसे हिंसक तरीके से निशस्त्र कर देंगे।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें इजराइल और हमास के बीच समझौते

के अगले चरण के शांतिपूर्ण होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की शर्तें बहुत स्पष्ट हैं।: हमास को अपने हथियार छोड़ने होंगे और विसैन्यीकरण करना होगा, वरना सब कुछ बिगड़ जाएगा। नेतन्याहू ने कहा कि हम शांति को एक मौका देने पर सहमत हुए हैं। यही बात ट्रंप ने गाजा के लिए अपनी 20-सूत्रीय शांति योजना के पहले चरण के अवसर पर तेल अवीव की संक्षिप्त यात्रा के एक दिन बाद कही थी।

इस बीच इजराइली स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि चार मृत बंधकों के अवशेषों वाले ताबूत पहचान के लिए तेल अवीव स्थित अबू कबीर फॉरेंसिक संस्थान पहुंच गए हैं। पहचान प्रक्रिया में दो दिन तक का समय लग सकता है। हमास ने सौंपे गए बंधकों की पहचान नहीं बताई है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, हमास ने मध्यस्थों को सूचित किया है कि वह बुधवार को मृत बंधकों के चार और शव इजराइल को सौंपेगा। इसके साथ हमास द्वारा लौटाए गए बंधकों के शवों की संख्या 12 हो जाएगी। हमास ने दावा किया है कि उसे सभी शवों तक पहुंचने के लिए समय चाहिए क्योंकि उनमें से कुछ आईडीएफ की बमबारी में ध्वस्त इमारतों और सुरंगों के मलबे के नीचे हैं। कुछ शव आईडीएफ के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में हैं। हमास ने ऐसे शवों की संख्या 16 बताई है।

इजराइल ने हमास के दावों को टालमटोल की रणनीति बताकर खारिज कर दिया है और धमकी दी है कि अगर आतंकवादी समूह शेष शवों को तुरंत वापस नहीं करता है तो वह सहायता सीमित कर देगा। मिस्र के साथ राफाह सीमा बंद कर दी जाएगी। और लड़ाई फिर से शुरू कर दी जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी मंगलवार को कहा कि हमास ने मध्यस्थों को शवों के बारे में धोखे में रखा है।

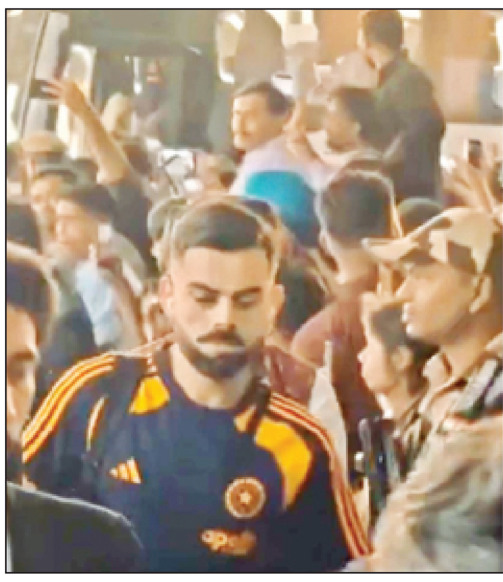

कप्तान शुभमन सहित भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई, विराट और रोहित भी थे टीम के साथ

नई दिल्ली,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई। इसमें नये एकदिवसीय कप्तान शुभमल गिल के अलावा अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई अन्य खिलाड़ी शामिल थे। भारत के ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से सीरीज शुरु होगी। इस दौरे पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के अलावा 5 मैच की टी20 सीरीज भी खेलेगी। इस दौरे पर एकदिवसीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे जबकि टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास रहेगी। रोहित और विराट एकदिवसीय सीरीज से सात माह बाद मैदान में वापसी करेंगे।

रवाना होने वाले खिलाड़ियों में कप्तान शुभमन , रोहित, विराट, श्रेयस अय्यर, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा, केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा आदि थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से ही ये भारतीय टीम की पहली एकदिवसीय सीरीज होगी।

भारत की एकदिवसीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (वीसी), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल।

भारत की टी20 टीम: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

एकदिवसीय सीरीज कार्यक्रम–

पहला एकदिवसीय– 19 अक्टूबर; सुबह 9 बजे, दूसरा एकदिवसीय– 23 अक्टूबर; सुबह 9 बजे , तीसरा एकदिवसीय– 25 अक्टूबर; सुबह 9 बजे

टी20 कार्यक्रम

पहला टी20– 29 अक्टूबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से , दूसरा टी20– 31 अक्टूबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से , तीसरा टी20– 2 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से , चौथा टी20– 6 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से , पांचवां टी20– 8 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

विश्व कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले फुटबॉलर बने क्रिस्टियानो रोनाल्डो

लिस्बन (पुर्तगाल)। पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बुधवार को हंगरी के खिलाफ विश्व कप क्वालिफायर मुकाबले में रोनाल्डो ने दो गोल दागकर इतिहास रच दिया। 40 वर्षीय रोनाल्डो अब विश्व कप क्वालिफायर में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने ग्वाटेमाला के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कार्लोस रुइज़ (39 गोल) को पीछे छोड़ते हुए अपना 40वां और 41वां गोल किया। पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता रोनाल्डो ने 22वें मिनट में नेल्सन सेमेडो के क्रॉस पर शानदार फिनिश के साथ पुर्तगाल को बराबरी दिलाई। इसके बाद हाफ टाइम से पहले नूनो मेंडेस के पास पर गोल करते हुए टीम को 2–1 की बढ़त दिला दी। विश्व कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले शीर्ष तीन खिलाड़ी: 1. क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल) – 41 गोल 2. कार्लोस रुइज़ (ग्वाटेमाला) – 39 गोल 3. लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना) – 36 गोल।

श्रीकांत पर भड़के गंभीर, बोले हर्षित जैसे युवा खिलाड़ी को निशाना बनाना गलत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा के चयन पर सवाल उठाने के लिए पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत की आलोचना की है। गंभीर के अनुसार जिस प्रकार से श्रीकांत ने एक युवा खिलाड़ी की निंदा की है वह सही नहीं है। श्रीकांत ने कहा था कि राणा केवल गंभीर की वजह से राष्ट्रीय टीम में हैं। उन्होंने कहा कि राणा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए एकदिवीसय टीम में इसलिए जगह मिली है क्योंकि वह गंभीर की हर बात मानते हैं। इसके अलावा उनकी कोई योग्यता नहीं है। गंभीर ने कहा, 'यह बेहद निराशाजनक बात है कि कोई व्यक्ति अपना चैनल चलाने के लिए किसी युवा खिलाड़ी को निशाना बना रहा है। साथ ही कहा कि अगर आप मुझे निशाना बनाना चाहते हैं, तो बनाइए। मैं सामना कर सकता हूं पर किसी युवा खिलाड़ी को ट्रोल करना बेहद गलत बात है। उन्होंने कहा, ' राणा को अपनी योग्यत के आधार पर टीम में जगह मिली है।

कॉन्स्टास और लाबुशेन को एशेज के लिए शामिल करें : वॉर्नर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी डेविड वॉर्नर ने कहा है कि युवा बल्लेबाज सैम कॉन्स्टास और मार्नस

लाबुशेन को अगले माह होने वाली एशेज सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। वॉर्नर के अनुसार कॉन्स्टास एक प्रतिभाशाती युवा बल्लेबाज हैं। वहीं लाबुशेन ने डेब्यू के बाद से ही 50 की औसत से रन बनाये हैं। ये सही है कि वह पिछले कुछ समय से फार्म में नहीं है पर उनकी क्षमताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वार्नर ने कॉन्स्टास की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिये। वॉर्नर के अनुसार कॉन्स्टास पिछली बार भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के दौरान दबाव में आ गये थे पर भारत ए के खिलाफ शानदार शतक लगाकर उन्होंने अच्छी वापसी की थी। वॉर्नर ने कहा, मैं चाहता हू कि चयनकर्ता कॉन्स्टास को अवसर दें। उसने भारत ए के खिलाफ शानदार शतक लगाया था उसमें बड़ी पारियां खेलने की अच्छी क्षमताएं हैं।वॉर्नर ने कहा कि इंग्लैंड की गेंदबाजी इकाई अच्छी है पर उनके पास जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज नहीं है, इसलिए कॉन्स्टास को डरने की जरूरत नहीं है। पिछली बार उसने बुमराह के कारण अपनी बल्लेबाजी का तरीका बदल दिया था पर उसे अपनी स्वाभाविक बल्लेबाज़ी करनी चाहिए। जब वो सामान्य खेलता है, तो बड़ा स्कोर हमेशा संभव होता है।वॉर्नर ने यह भी कहा कि मार्नस लाबुशेन को टीम में वापस लाया जाना चाहिए, लेकिन उन्हें ओपनिंग नहीं करनी चाहिए। लाबुशेन के पास टेस्ट अनुभव है और वह नंबर 3 पर शानदार बल्लेबाज़ी कर सकता है। अगर कोई बल्लेबाज़ 50 की औसत से रन बना रहा है, तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 : 14 साल बाद दक्षिण अफ्रीका की वापसी, ऐतिहासिक जीत के साथ किया क्वालीफाई

केप टाउन,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को रवांडा को 3–0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह उसकी 2010 के बाद पहली वर्ल्ड कप एंट्री होगी। ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए उसने शानदार अंदाज में फाइनल राउंड में जगह बनाई। इस जीत में नाइजीरिया ने भी अहम भूमिका निभाई, जिसने बेनिन को 4–0 से हराकर दक्षिण अफ्रीका को आगे बढ़ने में मदद की। बेनिन अंतिम दौर से पहले दो अंकों की बढ़त पर था, लेकिन नाइजीरिया के खिलाफ करारी हार के चलते वह तीसरे स्थान पर खिसक गया। नाइजीरिया और बेनिन दोनों के 17–17 अंक रहे, लेकिन बेहतर गोल अंतर की बदौलत नाइजीरिया उपविजेता बना। दक्षिण अफ्रीका 18 अंकों के साथ ग्रुप में पहले स्थान पर रहा। दक्षिण अफ्रीका के लिए थालेन्टे म्बाथा ने मैच की शुरुआत में ही पांचवें मिनट में गोल कर बढ़त दिलाई। 21वें मिनट में ओसविन अपोलिस ने दूसरा गोल दागा, जबकि 72वें मिनट में एविडेंस मकगोपो ने हेडर के जरिए तीसरा गोल कर जीत पक्की कर दी। गौरतलब है कि पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के तीन अंक काट लिए गए थे क्योंकि उसने मार्च में एक निलंबित खिलाड़ी को खिलाया था। हालांकि अब यह गलती पीछे छूट चुकी है और टीम ने 14 साल बाद वर्ल्ड कप में जगह बना ली है।

दूसरी ओर, नाइजीरिया के लिए विक्टर ओसिमेन ने शानदार हैट्रिक लगाई। उन्होंने तीसरे मिनट में पहला गोल किया, 37वें मिनट में दूसरा और दूसरे हाफ की शुरुआत में तीसरा गोल दागा। फ्रैंक ओन्येका ने आखिरी मिनटों में चौथा गोल कर स्कोर 4–0 कर दिया।

उधर, अल्जीरिया ने भी अपनी जगह पक्की कर ली है। मंगलवार को उसने युगांडा को 2–1 से हराया। मोहम्मद अमौरा ने दो पेनल्टी गोल करते हुए अल्जीरिया को जीत दिलाई। अमौरा अब अफ्रीकी क्वालिफायर में 10 गोल के साथ टॉप स्कोरर बन गए हैं। इस जीत के साथ अल्जीरिया ने ग्रुप जी में 25 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

लुका जिदान (फ्रांस के महान फुटबॉलर जिदान के बेटे) ने अल्जीरिया के लिए गोलकीपर के रूप में डेब्यू किया, हालांकि शुरुआती छह मिनट में ही स्टीवन मुकवाला ने युगांडा के लिए गोल कर टीम को बढ़त दिला दी थी।

इंग्लैंड ने लातविया को 5-0 से हराकर 2026 फीफा वर्ल्ड कप में जगह पक्की की

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने लातविया को 5–0 से हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। बुधवार (भारतीय समयानुसार) को हुए मुकाबलों में हैरी केन का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इसके साथ ही इटली और इजरायल के मैच से पहले प्रोपैलेस्टाइन प्रदर्शनों ने भी माहौल गर्म कर दिया। ग्रुप के में इंग्लैंड ने अपनी विजयी लय को जारी रखते हुए रीगा में लगातार छठी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ इंग्लैंड के 18 अंक हो गए और उसे शीर्ष स्थान पर सात अंकों की बढ़त मिल गई, जिससे उसने दो मैच शेष रहते ही विश्व कप का टिकट हासिल कर लिया। इंग्लैंड के लिए एंथनी गॉर्डन ने पहला गोल किया, जिसके बाद हैरी केन ने दो गोल दागे, जिसमें एक पेनल्टी भी शामिल थी। हाफ टाइम तक इंग्लैंड 3–0 की बढ़त बना चुका था। इस प्रदर्शन के साथ केन ने क्लब और देश के लिए इस सीजन में 13 मैचों में कुल 21 गोल पूरे कर लिए। मैच के बाद इंग्लैंड के कोच थॉमस टुशेल ने कहा, वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करना हमेशा खास होता है, इसलिए टीम का मूड बहुत शानदार है। दूसरे हाफ में लातविया के मक्सिम्स टोनिसेव्स के आत्मघाती गोल और एबेरेची एज़े के गोल ने इंग्लैंड की 5–0 की एकतरफा जीत पर मुहर लगा दी।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 200 रनों से रौंदा, वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप

अबू धाबी,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान ने मंगलवार देर रात अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए तीसरे वनडे मैच में बांग्लादेश को 200 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ 3–0 से अपने नाम कर ली। यह अफगानिस्तान की लगातार पांचवीं वनडे सीरीज़ जीत है। टी20 सीरीज़ में 0–3 से हारने के बाद अफगान टीम ने जोरदार वापसी करते हुए बांग्लादेश को वनडे में उसी अंदाज में मात दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 293 रन बनाए। टीम के लिए इब्राहिम जादरान ने 95 रन की शानदार पारी खेली, जबकि मोहम्मद नबी ने 37 गेंदों में तूफानी 62 रन ठोके। जवाब में बांग्लादेश की टीम महज़ 27.1 ओवर में 93 रन पर सिमट गई। बिलाल सामी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 33 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि राशिद खान को 3 विकेट मिले।

अफगानिस्तान की पारी की शुरुआत रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने आक्रामक अंदाज में की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 15 ओवर में 99 रन जोड़े। गुरबाज 40 रन बनाकर आउट हुए, जबकि इब्राहिम 95 रन पर रन आउट हुए। नबी ने अंतिम ओवरों में धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 14 गेंदों में 45 रन जोड़े और पारी को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम शुरुआत में ही लड़खड़ा गई। मोहम्मद नाइम नौवें ओवर में आउट हुए और इसके बाद विकेटों की झड़ी लग गई। 70/3 के स्कोर से टीम 81/8 तक सिमट गई। केवल सैफ हसन ही 43 रन बनाकर टिक सके, बाकी सभी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके।

संक्षिप्त स्कोर:

अफगानिस्तान – 293/9 (इब्राहिम जादरान 95, मोहम्मद नबी 62*, सैफ हसन 3/6, तनवीर इस्लाम 2/46)

बांग्लादेश – 93 (सैफ हसन 43; बिलाल सामी 5/33, राशिद खान 3/12)

परिणाम: अफगानिस्तान ने 200 रनों से जीत दर्ज की।

युशस्वी टेस्ट की तरह ही एकदिवसीय प्रारुप में भी एक सफल सलामी बल्लेबाज बनेंगे : चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि रोहित शर्मा अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। ऐसे में आने वाले समय में उनकी जगह लेने के लिए युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल सबसे अच्छे विकल्प है। यशस्वी ने हालांकि अभी तक केवल एक ही पचास ओवर का मैच खेला है हालांकि इसके बाद भी चोपड़ा को पूरा भरोसा है कि युशस्वी टेस्ट की तरह ही एकदिवसीय प्रारुप में भी एक सफल सलामी बल्लेबाज बनेंगे। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार जब यशस्वी शुभमन के साथ पारी शुरु करेंगे तो प्रशंसकों को रोहित की कमी बिल्कुल महसूस नहीं होगी। यशस्वी ने टेस्ट सीरीज में पारी की शुरुआत करते हुए कई बड़ी पारियां खेल हैं। इंग्लैंड दौरे के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी उन्होंने जमकर रन बनाये हैं। दिल्ली टेस्ट में भारत की पहली पारी में उन्होंने 258 गेंदों में 175 रनों की शानदार पारी खेली। अब तक 26 टेस्ट खेल चुके यशस्वी ने अब तक केवल एक ही पचास ओवर का मैच खेला है। वहीं उन्होंने 23 टी20 खेले हैं। आकाश ने कहा कि यशस्वी शीघ्र ही तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया का नियमित हिस्सा बन सकते हैं। वह पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में प्रभावित कर चुके हैं और एक शतक भी जड़ चुके हैं। आईपीएल में उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता रही है। वह टी20 विश्व कप दल का भी हिस्सा थे।

सुल्तान जोहर कप: भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान को 3–3 से बराबरी पर रोका

क्वालालंपुर,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए सुल्तान जोहर कप 2025 के ग्रुप मुकाबले में पाकिस्तान को 3–3 से बराबरी पर रोक दिया है। इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने काफी जुनून से खेला। इस मैच में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही हावी होने का प्रयास किया और इसी कारण उसे तीसरे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर मिल गया पर टीम उसे गोल में नहीं बदल पायी। इसके बाद पाकिस्तान ने भी हमला बोला। पांचवें मिनट में पाक को पेनल्टी स्ट्रोक मिल गया जिसपर उसे कप्तान हनन शाहिद ने गोल दाग कर अपनी टीम को 1–0 से आगे कर दिया। 10वें मिनट में भी पाक को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला पर भारतीय टीम ने उसे रोक दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने कई प्रयास किये पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पायी। पहले क्वार्टर में पाक की बढ़त बनी रही। वहीं दूसरे क्वार्टर में भी पाक ने अपनी बढ़त बनाए रखी। इसी दौरान भारत के अनमोल एक्का को येलो कार्ड के कारण बाहर कर दिया गया। भारतीय टीम ने अगले 10 मिनट तक 10 खिलाड़ियों से खेला पर पाक को गोल का अवसर नहीं दिया। तीसरे हाफ में भारतीय टीम ने कई हमले किये पर पाक ने विफल कर दिये। 39वें मिनट में सुफ़यान खान ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल कर पाक को 2–0 से आगे कर दिया। इसके बाद भी भारतीय टीम निराश नहीं हुई। 43वें मिनट में अराइजित सिंह हुंडल ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल कर पाक की बढ़त कम कर दी। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में पाक ने एक बार फिर पेनल्टी कॉर्नर पर गोल का प्रयास किया पर भारतीय टीम ने उसे विफल कर दिया। भारत की ओर से 47वें मिनट में सौरभ आनंद ने एक मैदानी गोल कर मुकाबला 2–2 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद 53 वें मिनट में मनमीत सिंह ने एक गोल कर भारतीय टीम को 3–2 से आगे कर दिया। वहीं इसके द दो मिनट बाद ही 55वें मिनट में पाकिस्तान के सुफ़यान खान ने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर मुकाबले को 3–3 से बराबरी पर ला दिया।

ब्रैम्पटन ब्लिट्ज ने मॉन्ट्रियल रॉयल टाइगर्स को हराकर जीता पहले कनाडा सुपर 60 लीग का खिताब

वैंकूवर,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ब्रैम्पटन ब्लिट्ज ने मॉन्ट्रियल रॉयल टाइगर्स को मंगलवार रात (भारतीय समयानुसार बुधवार) 8 विकेट से हराकर पहले कनाडा सुपर 60 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। बीसी प्लेस में खेले गए फाइनल मुकाबले में ब्रैम्पटन ब्लिट्ज ने मॉन्ट्रियल रॉयल टाइगर्स को आठ विकेट से हराया। टाइगर्स की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 69 रन पर सिमट गई। ब्रैम्पटन के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। डिलन हेलीगर ने 4 विकेट मात्र 9 रन पर झटके। डेविड वीज़े ने 3 विकेट 6 रन पर और क्रिस ग्रेव्स ने 3 विकेट 16 रन पर लेकर टाइगर्स को 8 ओवर में ही पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजों में सिर्फ शाकिब अल हसन (29 रन, 12 गेंद) और दिलप्रीत बाजवा (18 रन, 8 गेंद) ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। लक्ष्य का पीछा करते हुए ब्रैम्पटन ब्लिट्ज ने मात्र 5.5 ओवर में जीत दर्ज कर ली। मार्टिन गप्टिल ने 23 रन (13 गेंद) की नाबाद पारी खेली, जबकि जेम्स विंस ने

34 रन (16 गेंद) बनाए जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे। एलेक्स डेविस ने छक्का लगाकर टीम को विजयी अंत दिलाया। सेमीफाइनल में गप्टिल और स्मीड की तूफानी बल्लेबाजी दिन के पहले सेमीफाइनल में ब्रैम्पटन ब्लिट्ज ने मिसिसॉगा मास्टर्स को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्टिन गप्टिल (79 रन, 25 गेंद) और विल स्मीड (63 रन, 21 गेंद) ने 6.5 ओवर में ही 141 रनों की साझेदारी कर मैच लगभग तय कर दिया। गप्टिल ने 11 छक्के और 2 चौके लगाए, जबकि स्मीड ने 8 छक्के और 1 चौका लगाया। इससे पहले मास्टर्स की ओर से लियुस डी प्लोई (43) और सिकंदर रजा (29) ने तेज शुरुआत दी। शुभम रंजन (25) और रैयान पठान (19) ने तेज रनों से स्कोर 148 तक पहुंचाया। ब्रैम्पटन के लिए पियूष चावला ने 2 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट लिए। मॉन्ट्रियल रॉयल टाइगर्स ने वैंकूवर किंग्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई पहले सेमीफाइनल में मॉन्ट्रियल रॉयल टाइगर्स ने वैंकूवर किंग्स को 24 रन से हराया। निक हॉब्सन ने 23 गेंदों में 50 रन की धमाकेदार पारी खेली और टीम को 100/6 तक पहुंचाया। किंग्स के लिए बलतेज सिंह ने 3/21 के आंकड़ों के साथ बेहतरीन गेंदबाजी की। जवाब में वैंकूवर की टीम शाकिब अल हसन (2/5) और रयान हिगिंस (2/16) की सटीक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी और 10 ओवर में 76/7 तक ही पहुंच पाई। मैक्स चू (25), ओबस पीनार (20) और जसकरनदीप सिंह (16) की कोशिशें नाकाम रहीं।

सीजन अवॉर्ड्स:–

मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर: डेविड वीज़े (149 रन, 9 विकेट) – ब्रैम्पटन ब्लिट्ज

टॉप स्कोरर: लियुस डी प्लोई (238 रन, 6 पारियां) – मिसिसॉगा मास्टर्स

टॉप विकेट टेकर: डिलन हेलीगर (13 विकेट, 7 मैच) – ब्रैम्पटन ब्लिट्ज।

सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद सहारा समूह 88 संपत्तियां अडाणी प्रॉपर्टीज को बेचेगा

नई दिल्ली,15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहारा समूह की कंपनी सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन अपनी 88 संपत्तियां अडानी प्रॉपर्टीज को बेचने की तैयारी में है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सहारा और अडाणी समूह के बीच इस सौदे पर टर्म शीट पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। यह दस्तावेज कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में सौंपा है। सिब्बल ने कहा कि डील सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद ही आगे बढ़ेगी और इससे मिलने वाली रकम सहारा के बकायों से कहीं ज्यादा होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा करीब एक लाख करोड़ का हो सकता है। यह रकम सहारा समूह पर निवेशकों के बकाए से कई गुना ज्यादा बताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में आदेश दिया था कि सहारा अपनी दो कंपनियों- सहारा हाउसिंग और सहारा रियल एस्टेट के जरिए जुटाई गई रकम को सेबी-सहारा खाते में जमा करे। यह राशि करीब 25,000 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब तक समूह को करीब 9,481 करोड़ रुपए और जमा करने हैं। इस सौदे से सहारा को बकाया चुकाने और निवेशकों का पैसा लौटाने में बड़ी राहत मिल सकती है।

अडाणी समूह की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि समूह इन सभी 88 संपत्तियों को एकमुश्त खरीदने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि सौदे की सटीक रकम की जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन डील सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद ही आगे बढ़ेगी। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सेबी-सहारा खाते से निवेशकों के पैसे की वापसी की प्रक्रिया पहले से चल रही है, इसलिए यह डील सरकार की जांच के बाद ही आगे बढ़नी चाहिए। कोर्ट ने वित्त मंत्रालय, सहकारिता मंत्रालय, सेबी और कोर्ट मित्र शेखर नफाडे से तीन हफ्तों में रिपोर्ट मांगी है। इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी।

न्यूज ब्रीफ

सितंबर में यात्री वाहनों की बिक्री चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रहीः सियाम

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर महीने में सालाना आधार पर चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रही है। उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि सितंबर में निर्माताओं से डीलरों तक यात्री वाहनों की शिपमेंट में सालाना आधार पर चार फीसदी की वृद्धि देखी गई। उद्योग निकाय ने कहा कि सितंबर में कुल 3,72,458 इकाइयां भेजी गई, जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 3,56,752 थी। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी वृद्धि के साथ 21,60,889 इकाई रही, जबकि सितंबर, 2024 में यह 20,25,993 इकाई रही थी। ये वृद्धि ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक संकेतक है, जो बढ़ती उपभोक्ता मांग और बाजार की मजबूती को दर्शाता है। सियाम ने कहा कि यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी ऑटोमोटिव उद्योग के मज़बूत प्रदर्शन को दर्शाती है, क्योंकि निर्माता चुनौतियों का सामना करने और बाजार में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने में लगे हुए हैं। ये आंकड़े उद्योग के भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

समान स्वास्थ्य...

तक न्यायालय ने पाया कि दो दर्जन से अधिक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपनी रिपोर्ट जमा करने में विफल रहे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कोर्ट के धैर्य की परीक्षा हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हम विभिन्न राज्यों द्वारा दिखाई गई लापरवाही से हैरान होने के बजाय दुखी हैं, क्योंकि इस अभ्यास के संबंध में न्यायालय द्वारा अत्यधिक उदारता दिखाए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने इस न्यायालय के आदेशों को बहुत हल्के में लिया है।

कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि आगे से अनुपालन न करने या लापरवाही से रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर संबंधित अधिकारियों और राज्यों, दोनों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, कोर्ट ने तीन-सदस्यीय समिति से अनुरोध किया कि वह पहले से उपलब्ध सामग्री पर विचार-विमर्श शुरू करे और एक मसौदा रिपोर्ट तैयार करे। मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को हगी। इस दौरान देशभर के शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारियों के कोर्ट में उपस्थित होने की उम्मीद है।

मतदाता संशोधन...

वीडियो निगरानी दल चौबीसों घंटे सतर्क रहेंगे।

आयोग ने चुनाव अवधि के दौरान वास्तविक समय के आधार पर एफएस, एसएसटी और प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किए गए अवरोधन/जब्ती की रिपोर्टिंग के लिए चुनाव जब्ती प्रबंधन प्रणाली (ईएसएमएस) नामक ऑनलाइन प्रणाली को भी सक्रिय किया है। आयोग ने इस बात पर भी बल दिया कि प्रवर्तन प्राधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन निर्देशों के प्रवर्तन के लिए जांच और निरीक्षण के दौरान आम नागरिकों को असुविधा या परेशानी न हो। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि कोई भी आम नागरिक सी-विजिल ऐप के माध्यम से ऐसे किसी भी उल्लंघन के संबंध में शिकायत कर सकता है।

पंजाब को ऑटो कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने तैयारी.... बीएमडब्ल्यू पार्ट्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट होगा शुरू

लुधियाना,15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के ऑटो कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की तैयारी शुरु हो चुकी है। उत्तर भारत को प्रमुख कोराबारी केंद्र बनाकर उभर रहा पंजाब अब तेजी से भारत का नया ऑटो कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है, जिसका कारण मजबूत सरकारी नीतियां, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और इनोवेशन पर फोकस है। इकी कड़ी में पंताब के मंडी गोबिंदगढ़ में बीएमडब्ल्यू पार्ट्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट अगले महीने से शुरू होगा। इस प्लांट में करीब 150 करोड़ का निवेश हुआ है और यह हर साल 2.5 मिलियन यूनिट पार्ट्स बनाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी अमनजोत सिंह के अनुसार, निवेशकों के लिए रियल सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया गया है, जिससे अप्रूवल और परमिट समय पर मिल रहे हैं। औद्योगिक शांति, स्किल डेवलपमेंट, एक्सपोर्ट ग्रोथ और नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी के तहत बनी सेक्टर-स्पेसिफिक कमेटियां उद्योगों को आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब वर्तमान में भारत की कुल ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। 2025 तक ऑटो सेक्टर में 15,000 से 20,000 करोड़ के नए निवेश की संभावना है। राज्य की कंपनियां अब इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पार्ट्स, स्मार्ट ट्रांसमिशन सिस्टम और ग्रीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी काम कर रही हैं। स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों से इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग और मैनेजमेंट क्षेत्रों में हजारों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। बीएमडब्ल्यू जैसे वैश्विक निवेश से यह सिद्ध होता है कि पंजाब अब केवल कृषि प्रधान राज्य नहीं, बल्कि भारत का उभरता इंडस्ट्रियल पावरहाउस बन चुका है।

युवाओं के लिए खुल रहे रोजगार के नए अवसर

पंजाब में औद्योगिक क्रांति के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री में इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, क्वालिटी कंट्रोल, लॉजिस्टिक्स और मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में नौकरियां मिल रही हैं। राज्य सरकार युवाओं को इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण देने के लिए विशेष स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम चला रही है, जिससे वे आसानी से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां प्राप्त कर सकें।

बीएमडब्ल्यू ने की 11,978 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली। लग्जरी एसयूवी निर्माण क्षेत्र की कंपनी बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने जनवरी से सितंबर के बीच कंपनी ने कुल 11,978 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल की तुलना में 13 प्रतिशत ज्यादा है। बिक्री के इस आंकडे के साथ कंपनी ने साल 2025 में लग्जरी कार बाजार में नया रिकॉर्ड बनाया है। इस ग्रोथ का मुख्य कारण इलेक्ट्रिक वाहनों, लॉन्ग व्हीलबेस सेडान और एसयूवी की बढ़ती मांग रही है। साथ ही जीएसटी सुधारों और त्योहारी ऑफर्स ने भी ग्राहकों को आकर्षित किया है। तीसरी तिमाही बीएमडब्ल्यू के लिए सबसे सफल साबित हुई, जब कंपनी ने 4,204 यूनिट्स की बिक्री की, जो सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में बीएमडब्ल्यू और एमआईएनआई ने इस साल के पहले नौ महीनों में 2,509 ईवी बेचे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 246 प्रतिशत ज्यादा हैं। आईएक्स1 इस श्रेणी का सबसे लोकप्रिय मॉडल रहा। अब बीएमडब्ल्यूकी कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। कंपनी ग्राहकों को बीएमडब्ल्यू डेस्टीनेशन चार्जिंग, स्मार्ट ई-राउटिंग और मुफ्त वॉल बॉक्स इंस्टॉलेशन जैसी सुविधाएं दे रही है, जिससे उसका चार्जिंग नेटवर्क और मजबूत हो गया है। लॉन्ग व्हीलबेस मॉडल्स की मांग में भी तेजी आई है। इस सेगमेंट की बिक्री 169 प्रतिशत बढ़कर 5,720 यूनिट्स तक पहुंची है, जिसमें 3 सीरीज, 5 सीरीज, 7 सीरीज और आईएक्स1 के वेरिएंट शामिल हैं। इनमें 3 सीरीज सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है, जबकि 7 सीरीज देश की प्रमुख फ्लैगशिप लग्जरी सेडान बनी हुई है। एसयूवी सेगमेंट में बीएमडब्ल्यू ने 7,040 यूनिट्स की बिक्री कर 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। एक्स1 मॉडल सबसे ज्यादा बिकने वाला एसयूवी रहा, जिसने कुल बिक्री का 30 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया। एमआईएनआई ब्रांड ने 468 यूनिट्स और बीएमडब्ल्यू मोटोराड ने 3,976 बाइक यूनिट्स बेची हैं।

लोगों को मिली खुशखबरी! घटी महंगाई, अमेरिका से ट्रेड डील में हुई प्रगति

नई दिल्ली,15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीते दो दिनों में महंगाई में कमी से लेकर विदेशों में भारत की तारीफ की खबरों ने दिल को सुकून दिया। इससे भारत सरकार और देशवासियों को भी बहुत फायदा होगा। जानकारी के मुताबिक सितंबर महीने के आंकड़े बताते हैं कि खुदरा महंगाई, यानी सीपीआई, जो आम आदमी की जेब पर असर डालती है, वह गिरकर 1.54फीसदी पर आ गई है। ये जून 2017 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इसका मतलब है कि खाने-पीने की चीजें, जैसे सब्जियां और अनाज, अब सस्ते हो रहे हैं। अगस्त में ये 2.07फीसदी थी, जो थोड़ा ज्यादा थी। अब बाजार में सामान सस्ता मिलेगा, तो घर चलाना आसान होगा. किसानों को भी खेती की लागत कम करने में मदद मिलेगी/।

इसके अलावा थोक महंगाई जो बड़े व्यापारियों और फैक्टरियों के लिए मायने रखती है, वह भी सितंबर में घटकर 0.13फीसदी हो गई। अगस्त में ये 0.52फीसदी थी। सरकार ने बताया कि खाने का सामान, फैक्ट्री के प्रोडक्ट और अन्य चीजों के दाम कम होने से ये राहत मिली है। थोक में सामान सस्ता होने से दुकानों में भी कीमतें कम होंगी, जो अच्छी बात है। वहीं बात भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों की है। दोनों देशों के बीच जो ट्रेड डील रुकी हुई थी, अब उसमें प्रगति दिख रही है। हाल ही में अमेरिकी टीम दिल्ली आई थी, और अब भारतीय दल इसी हफ्ते अमेरिका जाएगा।

आईएमएफ बोले- भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा

रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत सही रास्ते पर है और रुके हुए मुद्दे सुलझ सकते हैं। अगर ये डील हो गई, तो भारत का निर्यात बढ़ेगा, नौकरियां आएंगी और हमारी अर्थव्यवस्था को नया जोश मिलेगा। अमेरिका जैसे बड़े देश के साथ डील हमारे लिए मौका है। सबसे गर्व वाली खबर आईएमएफ से आई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा है। आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की बैठक से पहले उन्होंने बताया कि भारत की आर्थिक नीतियों ने सबको गलत साबित किया, जो इसकी प्रगति पर शक करते थे।

जापानी कंपनी निसान इंडिया की बढ़ती जा रही हैं मुश्किलें

नई दिल्ली। जापानी कंपनी निसान इंडिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सितंबर 2025 में लगातार चौथे महीने एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी। यह स्थिति कंपनी के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। कंपनी की किफायती एसयूवी मैग्नाइट ही फिलहाल उसकी बिक्री को संभाले हुए है, जबकि प्रीमियम एसयूवी निसान एक्स-ट्रेल की स्थिति लगातार खराब हो रही है। करीब रुपए 49.92 लाख की एक्स-शोरूम कीमत पर पेश की गई यह 7-सीटर लग्जरी एसयूवी एडवांस्ड फीचर्स से लैस है, लेकिन ग्राहकों से इसे अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिल रही। बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी और फरवरी 2025 में एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी थी, मार्च में 15 यूनिट, अप्रैल में 76 और मई में 20 यूनिट की बिक्री हुई। इसके बाद जून से सितंबर तक बिक्री का आंकड़ा फिर शून्य पर लौट आया। यानी पूरे साल में अब तक केवल 111 यूनिट ही बिक पाईं, जो भारतीय बाजार में इसके कमज़ोर प्रदर्शन को दर्शाता है। एक्स-ट्रेल डी1 सेगमेंट की प्रीमियम एसयूवी है, जिसमें 7 एयरबैग, 4 डब्ल्यूडी सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे फीचर्स मौजूद हैं।

सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

नई दिल्ली,15 अक्टूबर (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला जारी है। ये दोनों चमकीली धातुएं एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंची हुई हैं। कारोबार में सोना 2,700 रुपये से लेकर 2,950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत 4,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल कर नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,28,360 रुपये से लेकर 1,28,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,17,660 रुपये से लेकर 1,17,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,89,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,28,510 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,17,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,28,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,17,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,28,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,17,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,28,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,17,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,28,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,17,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार मेंओ 24 कैरेट सोना 1,28,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,17,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,28,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,17,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली,15 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,644.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 172.91 अंक यानी 0.76 प्रतिशत टूट कर 22,521.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,339.31 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,452.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,919.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 150.99 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,236.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 8 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में से इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.79 प्रतिशत लुढ़क कर 8,003.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 166.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,361.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,369.99 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 2.02 प्रतिशत उछल कर 3,633.92 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 363.72 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27,156.87 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 328.65 अंक यानी 1.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,770 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 580.68 अंक यानी 1.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 47,428 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.81 प्रतिशत उछल कर 1,276.69 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,869.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद सहारा समूह 88 संपत्तियां अडाणी प्रॉपर्टीज को बेचेगा

नई दिल्ली,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सहारा समूह की कंपनी सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन अपनी 88 संपत्तियां अडानी प्रॉपर्टीज को बेचने की तैयारी में है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सहारा और अडाणी समूह के बीच इस सौदे पर टर्म शीट पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। यह दस्तावेज कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में सौंपा है। सिब्बल ने कहा कि डील सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद ही आगे बढ़ेगी और इससे मिलने वाली रकम सहारा के बकायों से कहीं ज्यादा होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा करीब एक लाख करोड़ का हो सकता है। यह रकम सहारा समूह पर निवेशकों के बकाए से कई गुना ज्यादा बताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में आदेश दिया था कि सहारा अपनी दो कंपनियों- सहारा हाउसिंग और सहारा रियल एस्टेट के जरिए जुटाई गई रकम को सेबी-सहारा खाते में जमा करे। यह राशि करीब 25,000 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब तक समूह को करीब 9,481 करोड़ रुपए और जमा करने हैं। इस सौदे से सहारा को बकाया चुकाने और निवेशकों का पैसा लौटाने में बड़ी राहत मिल सकती है।

अडाणी समूह की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि समूह इन सभी 88 संपत्तियों को एकमुश्त खरीदने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि सौदे की सटीक रकम की जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन डील सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद ही आगे बढ़ेगी। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सेबी-सहारा खाते से निवेशकों के पैसे की वापसी की प्रक्रिया पहले से चल रही है, इसलिए यह डील सरकार की जांच के बाद ही आगे बढ़नी चाहिए। कोर्ट ने वित्त मंत्रालय, सहकारिता मंत्रालय, सेबी और कोर्ट मित्र शेखर नफाडे से तीन हफ्तों में रिपोर्ट मांगी है। इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी।

न्यूज ब्रीफ

सितंबर में यात्री वाहनों की बिक्री चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रहीः सियाम

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर महीने में सालाना आधार पर चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रही है। उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि सितंबर में निर्माताओं से डीलरों तक यात्री वाहनों की शिपमेंट में सालाना आधार पर चार फीसदी की वृद्धि देखी गई। उद्योग निकाय ने कहा कि सितंबर में कुल 3,72,458 इकाइयां भेजी गईं, जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 3,56,752 थी। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी वृद्धि के साथ 21,60,889 इकाई रही, जबकि सितंबर, 2024 में यह 20,25,993 इकाई रही थी। ये वृद्धि ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक संकेतक है, जो बढ़ती उपभोक्ता मांग और बाजार की मजबूती को दर्शाता है। सियाम ने कहा कि यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी ऑटोमोटिव उद्योग के मज़बूत प्रदर्शन को दर्शाती है, क्योंकि निर्माता चुनौतियों का सामना करने और बाजार में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने में लगे हुए हैं। ये आंकड़े उद्योग के भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाते हैं।

ऑप्शनल फ्यूल वाले कई मॉडल लॉन्च करेंगी सुजुकी मोटर्स

नई दिल्ली। आगामी 29 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2025 जापान मोबिलिटी शो में सुजुकी अपने कई नेक्स्ट जनरेशन प्रोडक्ट पेश करेगी, जिनमें फ्लेक्स-फ्यूल वाली फ्रोंक्स एसयूवी भी शामिल है। इसे कंपनी ने फ्रोंक्स ई-85 एफएफवी नाम दिया है, जो 85 प्रतिशत इथेनॉल वाले पेट्रोल को सपोर्ट करेगी। इसका मतलब यह है कि यह पेट्रोल की तुलना में ईंधन की लागत कम करेगी, क्योंकि इसमें केवल 15प्रतिशत पेट्रोल का इस्तेमाल होगा। फ्रोंक्स फ्लेक्स-फ्यूल मॉडल में 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन का रिवाइज्ड वर्जन इस्तेमाल किया जा सकता है, जैसा कि वैगनआर फ्लेक्स-फ्यूल कॉन्सेप्ट में देखा गया। हालांकि इंजन के पूर्ण स्पेसिफिकेशन अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन पुष्टि हो चुकी है कि यह ई-85 मानकों के अनुरूप होगा। ई-85 फ्यूल उच्च ऑक्टेन रेटिंग (100-110) के साथ टर्बोचार्ज्ड इंजन में बेहतर प्रदर्शन और कम इंजन घिसाव सुनिश्चित करता है। ई-85-समर्थित कारों में ईंधन टैंक, पाइपिंग, इंजेक्टर और सील जैसी महत्वपूर्ण हिस्सों को इथेनॉल-प्रतिरोधी सामग्री से बनाया जाता है और विशेष ईंधन सेंसर की मदद से वास्तविक समय में ईंधन मिश्रण का पता लगाया जाता है।

वोल्वो और आयशर मोटर्स मिलकर करेंगे नई फैक्टरी स्थापित

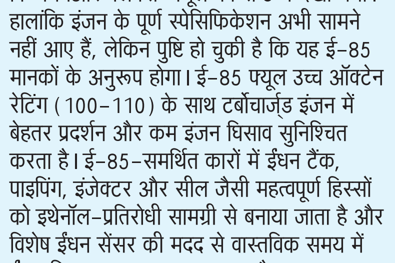

नई दिल्ली। भारत में वोल्वो ग्रुप और आयशर मोटर्स के ज्वॉइंट वेंचर वीई कमर्शियल व्हीकल्स (वीईसीवी) नई फैक्टरी स्थापित करेंगे है। कंपनी के बयान के अनुसार, इस ग्रीनफील्ड फैक्टरी में वोल्वो की एडवांस 12-स्पीड ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन (एएमटी) प्रणाली का उत्पादन और फाइनल असेंबली की जाएगी। इस परियोजना में कुल 544 करोड़ रुपये (576 मिलियन स्वीडिश क्रोना) का निवेश किया जाएगा। यह फैक्टरी मध्य प्रदेश के उज्जैन के निकट विक्रम उद्योगपुरी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में बनाई जाएगी। वीईसीवी की चेयरमैन और वोल्वो ग्रुप की सीनियर लीडर सोफिया फ्रैंडबर्ग ने कहा कि यह निवेश दोनों कंपनियों के बीच बढ़ते विश्वास और साझेदारी का प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 18 वर्षों में विकसित तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं का लाभ इस नई पहल में मिलेगा। आयशर मोटर्स के अध्यक्ष सिद्धार्थ लाल ने कहा कि 2008 में स्थापित इस ज्वॉइंट वेंचर ने लगातार एडवांस प्रोजेक्ट्स डिलीवर किए हैं ।

पंजाब को ऑटो कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने तैयारी.... बीएमडब्ल्यू पार्ट्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट होगा शुरू

लुधियाना,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पंजाब के ऑटो कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की तैयारी शुरु हो चुकी है। उत्तर भारत को प्रमुख कोराबारी केंद्र बनाकर उभर रहा पंजाब अब तेजी से भारत का नया ऑटो कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है, जिसका कारण मजबूत सरकारी नीतियां, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और इनोवेशन पर फोकस है। इकी कड़ी में पंताब के मंडी गोबिंदगढ़ में बीएमडब्ल्यू पार्ट्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट अगले महीने से शुरू होगा। इस प्लांट में करीब 150 करोड़ का निवेश हुआ है और यह हर साल 2.5 मिलियन यूनिट पार्ट्स बनाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी अमनजोत सिंह के अनुसार, निवेशकों के लिए रियल सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया गया है, जिससे अप्रूवल और परमिट समय पर मिल रहे हैं। औद्योगिक शांति, स्किल डेवलपमेंट, एक्सपोर्ट ग्रोथ और नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी के तहत बनी सेक्टर-स्पेसिफिक कमेटियां उद्योगों को आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब वर्तमान में भारत की कुल ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है।2025 तक ऑटो सेक्टर में 15,000 से 20,000 करोड़ के नए निवेश की संभावना है। राज्य की कंपनियां अब इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पार्ट्स, स्मार्ट ट्रांसमिशन सिस्टम और ग्रीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी काम कर रही हैं। स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों से इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग और मैनेजमेंट क्षेत्रों में हजारों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। बीएमडब्ल्यू जैसे वैश्विक निवेश से यह सिद्ध होता है कि पंजाब अब केवल कृषि प्रधान राज्य नहीं, बल्कि भारत का उभरता इंडस्ट्रियल पावरहाउस बन चुका है।

युवाओं के लिए खुल रहे रोजगार के नए अवसर

पंजाब में औद्योगिक क्रांति के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री में इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, क्वालिटी कंट्रोल, लॉजिस्टिक्स और मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में नौकरियां मिल रही हैं। राज्य सरकार युवाओं को इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण देने के लिए विशेष स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम चला रही है, जिससे वे आसानी से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां प्राप्त कर सकें।

बीएमडब्ल्यू ने की 11,978 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली। लग्जरी एसयूवी निर्माण क्षेत्र की कंपनी बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने जनवरी से सितंबर के बीच कंपनी ने कुल 11,978 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल की तुलना में 13 प्रतिशत ज्यादा है। बिक्री के इस आंकडे के साथ कंपनी ने साल 2025 में लग्जरी कार बाजार में नया रिकॉर्ड बनाया है। इस ग्रोथ का मुख्य कारण इलेक्ट्रिक वाहनों, लॉन्ग व्हीलबेस सेडान और एसयूवी की बढ़ती मांग रही है। साथ ही जीएसटी सुधारों और त्योहारी ऑफर्स ने भी ग्राहकों को आकर्षित किया है। तीसरी तिमाही बीएमडब्ल्यू के लिए सबसे सफल साबित हुई, जब कंपनी ने 4,204 यूनिट्स की बिक्री की, जो सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में बीएमडब्ल्यू और एमआईएनआई ने इस साल के पहले नौ महीनों में 2,509 ईवी बेचे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 246 प्रतिशत ज्यादा हैं। आईएक्स1 इस श्रेणी का सबसे लोकप्रिय मॉडल रहा। अब बीएमडब्ल्यूकी कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। कंपनी ग्राहकों को बीएमडब्ल्यू डेस्टीनेशन चार्जिंग, स्मार्ट ई-राउटिंग और मुफ्त वॉल बॉक्स इंस्टॉलेशन जैसी सुविधाएं दे रही है, जिससे उसका चार्जिंग नेटवर्क और मजबूत हो गया है। लॉन्ग व्हीलबेस मॉडल्स की मांग में भी तेजी आई है। इस सेगमेंट की बिक्री 169 प्रतिशत बढ़कर 5,720 यूनिट्स तक पहुंची है, जिसमें 3 सीरीज, 5 सीरीज, 7 सीरीज और आईएक्स1 के वेरिएंट शामिल हैं। इनमें 3 सीरीज सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है, जबकि 7 सीरीज देश की प्रमुख फ्लैगशिप लग्जरी सेडान बनी हुई है। एसयूवी सेगमेंट में बीएमडब्ल्यू ने 7,040 यूनिट्स की बिक्री कर 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। एक्स1 मॉडल सबसे ज्यादा बिकने वाला एसयूवी रहा, जिसने कुल बिक्री का 30 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया। एमआईएनआई ब्रांड ने 468 यूनिट्स और बीएमडब्ल्यू मोटोराड ने 3,976 बाइक यूनिट्स बेची हैं।

लोगों को मिली खुशखबरी! घटी महंगाई, अमेरिका से ट्रेड डील में हुई प्रगति

नई दिल्ली,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बीते दो दिनों में महंगाई में कमी से लेकर विदेशों में भारत की तारीफ की खबरों ने दिल को सुकून दिया। इससे भारत सरकार और देशवासियों को भी बहुत फायदा होगा। जानकारी के मुताबिक सितंबर महीने के आंकड़े बताते हैं कि खुदरा महंगाई, यानी सीपीआई, जो आम आदमी की जेब पर असर डालती है, वह गिरकर 1.54फीसदी पर आ गई है। ये जून 2017 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इसका मतलब है कि खाने-पीने की चीजें, जैसे सब्जियां और अनाज, अब सस्ते हो रहे हैं। अगस्त में ये 2.07फीसदी थी, जो थोड़ा ज्यादा थी। अब बाजार में सामान सस्ता मिलेगा, तो घर चलाना आसान होगा. किसानों को भी खेती की लागत कम करने में मदद मिलेगी/ ।

इसके अलावा थोक महंगाई जो बड़े व्यापारियों और फैक्टरियों के लिए मायने रखती है, वह भी सितंबर में घटकर 0.13फीसदी हो गई। अगस्त में ये 0.52फीसदी थी। सरकार ने बताया कि खाने का सामान, फैक्ट्री के प्रोडक्ट और अन्य चीजों के दाम कम होने से ये राहत मिली है। थोक में सामान सस्ता होने से दुकानों में भी कीमतें कम होंगी, जो अच्छी बात है। वहीं बात भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों की है। दोनों देशों के बीच जो ट्रेड डील रुकी हुई थी, अब उसमें प्रगति दिख रही है। हाल ही में अमेरिकी टीम दिल्ली आई थी, और अब भारतीय दल इसी हफ्ते अमेरिका जाएगा।

आईएमएफ बोले- भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा

रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत सही रास्ते पर है और रुके हुए मुद्दे सुलझ सकते हैं। अगर ये डील हो गई, तो भारत का निर्यात बढ़ेगा, नौकरियां आएंगी और हमारी अर्थव्यवस्था को नया जोश मिलेगा। अमेरिका जैसे बड़े देश के साथ डील हमारे लिए मौका है। सबसे गर्व वाली खबर आईएमएफ से आई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा है। आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की बैठक से पहले उन्होंने बताया कि भारत की आर्थिक नीतियों ने सबको गलत साबित किया, जो इसकी प्रगति पर शक करते थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

समान स्वास्थ्य...

ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी, एमिकस क्यूरी करण भरिहोके और एम्स के प्रोफेसर डॉ. नितीश नाइक की तीन सदस्यीय समिति गठित की। न्यायालय ने राज्यों को 30 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट पूरी करके 5 अक्टूबर तक समिति को भेजने का निर्देश दिया।18 सितंबर को कुछ राज्यों ने और समय मांगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने समय सीमा थोड़ी बढ़ा दी, लेकिन चेतावनी दी कि अगर समय-सीमा का पालन नहीं किया गया तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। फिर भी 13 अक्टूबर तक न्यायालय ने पाया कि दो दर्जन से अधिक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपनी रिपोर्ट जमा करने में विफल रहे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कोर्ट के धैर्य की परीक्षा हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हम विभिन्न राज्यों द्वारा दिखाई गई लापरवाही से हैरान होने के बजाय दुखी हैं, क्योंकि इस अभ्यास के संबंध में न्यायालय द्वारा अत्यधिक उदारता दिखाए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने इस न्यायालय के आदेशों को बहुत हल्के में लिया है।कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि आगे से अनुपालन न करने या लापरवाही से रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर संबंधित अधिकारियों और राज्यों, दोनों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, कोर्ट ने तीन-सदस्यीय समिति से अनुरोध किया कि वह पहले से उपलब्ध सामग्री पर विचार-विमर्श शुरू करे और एक मसौदा रिपोर्ट तैयार करे। मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को हगी। इस दौरान देशभर के शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारियों के कोर्ट में उपस्थित होने की उम्मीद है।

मतदाता संशोधन...

और वे चुनाव की अधिसूचना जारी होने के दिन ही अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच चुके हैं। इस दौरान वे व्यय निगरानी में लगी सभी टीमों से मिलेंगे। मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धन-बल या अन्य प्रलोभन के किसी भी संदिग्ध मामले पर नजर रखने के लिए उड़न दस्ते, निगरानी दल, वीडियो निगरानी दल चौबीसों घंटे सतर्क रहेंगे।

आयोग ने चुनाव अवधि के दौरान वास्तविक समय के आधार पर एफएस, एसएसटी और प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किए गए अवरोधन/जब्ती की रिपोर्टिंग के लिए चुनाव जब्ती प्रबंधन प्रणाली (ईएसएमएस) नामक ऑनलाइन प्रणाली को भी सक्रिय किया है। आयोग ने इस बात पर भी बल दिया कि प्रवर्तन प्राधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन निर्देशों के प्रवर्तन के लिए जांच और निरीक्षण के दौरान आम नागरिकों को असुविधा या परेशानी न हो। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि कोई भी आम नागरिक सी-विजिल ऐप के माध्यम से ऐसे किसी भी उल्लंघन के संबंध में शिकायत कर सकता है।

दान के धन से...

ताकि भक्तों का विश्वास बना रहे। हाईकोर्ट ने सख्त चेतावनी दी है कि मंदिर के धन का गलत इस्तेमाल करना एक आपराधिक अंधविश्वास और धार्मिक स्वतंत्रता का अपमान है। अगर किसी ट्रस्ट ने धन का दुरुपयोग किया है, तो पूरी राशि उसी से वसूल की जाएगी।

मंदिर के दान का पैसा अब तक सड़कों और पुलों के निर्माण, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक भवनों को बनाने जैसे गैर-धार्मिक कार्यों में इस्तेमाल हो रहा था। इसके अलावा, व्यक्तिगत लाभ, निजी उद्योगों में निवेश और मंदिर आने वाले वीआईपी को महंगे उपहार (काजू, बादाम, मोमेंटो) खरीदने में भी धन खर्च किया जा रहा था। हाईकोर्ट ने इन सभी कामों पर तुरंत रोक लगा दी है।

मुस्लिमों का...

सबूत बताते हैं कि इसमें केवल एक व्यक्ति शामिल था, कई नहीं थे। उन्होंने बताया कि बाकी पांच गिरफ्तार लोगों की भूमिका की जांच अब भी जारी है लेकिन फिलहाल के मेडिकल और फॉरेंसिक रिपोर्ट्स बताती हैं कि गैंगरेप नहीं हुआ था। पुलिस कमिश्नर ने यह भी कहा कि घटना वाली रात पीड़िता और उसके दोस्त द्वारा पहने गए कपड़े जब्त कर लिए गए हैं और सभी आरोपियों का डीएनए टेस्ट किया जाएगा। कमिश्नर चौधरी ने कहा, हमने पीड़िता और उसके दोस्त के अलावा उस रात मौजूद सभी पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। हमने उनके कपड़े जब्त कर लिए हैं और मौके का निरीक्षण पीड़िता के दोस्त के साथ किया गया है। अब तक मिले सबूतों और बयानों के आधार पर यह साफ है कि केवल एक व्यक्ति ने रेप किया था, बाकी की भूमिका जांच में है। फिर उन्होंने यह भी कहा कि जांच जारी है और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी। पीड़िता के दोस्त से भी पूछताछ की जा रही है और उसकी भूमिका भी जल्द सामने आ जाएगी।पीड़िता के पिता ने 11 अक्टूबर को मामले की शिकायत दर्ज कराई थी और उन्होंने अपने बयान में बेटी के सहपाठी को भी संदिग्ध बताया था। उन्होंने कहा था, मुझे यकीन है कि मेरी बेटी के दोस्त का इसमें कोई न कोई हाथ है। वही उसे बाहर ले गया था। यह सब पहले से प्लान किया गया हो सकता है। परिवार का कहना है कि लड़की बाहर नहीं जाना चाहती थी लेकिन आसिफ ने उसे डिनर पर चलने के लिए राजी किया था।सामूहिक बलात्कार के इस मामले में मुस्लिमों की लिप्तता सामने आते ही ममता सरकार तुरंत संरक्षण की भूमिका में आ गई। पुलिस की जांच पूरी हुए बिना ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पीड़िता पर ही झूठ बोलने का आरोप लगाना शुरू कर दिया। जबकि पुलिस ने सिर्फ इतना कहा था कि यह शायद गैंगरेप नहीं बल्कि एक शख्स द्वारा रेप का मामला हो सकता है। टीएमसी के प्रदेश महासचिव नीलांजन दास ने दावा किया कि लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड आसिफ अली को बचाने के लिए गैंगरेप की कहानी गढ़ी। उन्होंने कहा, प्रेमी आसिफ अली को स्थानीय लुटेरों से बचाने के लिए गैंगरेप की कहानी गढ़ी गई थी।नीलांजन दास ने दावा किया कि लड़की अपने बॉयफ्रेंड के साथ जंगल में शारीरिक संबंध बनाने गई थी। इसमें कहा गया है कि उसी दौरान कुछ नशे में धुत लोग उन्हें नग्न अवस्था में देख लेते हैं और लूटपाट करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि लड़की ने फोन वापस पाने के लिए झूठा गैंगरेप केस दर्ज कराया। जबकि पुलिस ने पांच स्थानीय लोगों शेख शफीकुल (30), शेख नासिरुद्दीन (23), आपू बाउरी (21), फिर्दोस शेख (23) और शेख रियाजुद्दीन (31) को फोन कॉल रिकॉर्ड और सबूतों के आधार पर पकड़ा था। यह मामला अब पश्चिम बंगाल और ओड़ीशा की राजनीति में विवाद का मुद्दा बन गया है। पीड़िता ओड़ीशा की रहने वाली है। ओड़ीशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने पीड़िता के पिता से बात की और हर तरह की कानूनी मदद देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

आय से 1872...

जिसकी कीमत करीब 49 करोड़ है। इनमें से ईडी ने 39 करोड़ रुपए की 29 सम्पत्तियां कुर्क कीं और ईओडब्लू ने 8.5 करोड़ रुपए की 16 सम्पत्तियां जब्त की हैं। छत्तीसगढ़ में हुए 540 करोड़ रुपए के कोयला घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग, करप्शन और 47 करोड़ के डीएमएफ घोटाले को लेकर सौम्या के खिलाफ ईडी और ईओडब्लू ने केस दर्ज किया है। इनको लेकर सौम्या करीब ढ़ाई साल तक जेल में रही। वह कुछ दिनों पहले ही बाहर आईं हैं और बेंगलुरु में रह रही हैं।

सौम्या चौरसिया 2008 बैच की राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। उनकी पहली नियुक्ति डिप्टी कलेक्टर के रूप में बिलासपुर में हुई थी। 2019 में उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में उप सचिव नियुक्त किया गया। इसके बाद उनकी प्रशासन पर पकड़ जबरदस्त हो गई।

ऑपरेशन सिंदूर ...

कोई अंतर नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करके 26 पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्हें धर्म पूछ-पूछकर मारा गया था। शुरुआत में एक आतंकी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। लेकिन उन्हें जल्द ही एहसास हो गया कि स्थिति उनके नियंत्रण से बाहर हो गई है और वे तुरंत पीछे हट गए। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि भारत की प्रतिक्रिया अपेक्षित थी, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह सोच-समझ के साथ की गई कार्रवाई थी

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने यह भी खुलासा किया कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में तमाम आतंकी और सैन्य ठिकानों के ध्वस्त होने के साथ-साथ पाकिस्तान के 100 से ज्यादा फौजी भी मारे गए थे। पाकिस्तान ने यह बात छुपा ली। लेकिन पाकिस्तान दिवस पर दिए गए सैन्य पुरस्कारों की सूची में सौ से अधिक उन अधिकारियों और जवानों के नाम हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के दरम्यान मारे गए। उस लिस्ट के सामने आने से यह दुनिया के सामने उजागर हुआ कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी सेना के कितने लोग मारे गए थे।

भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने पाकिस्तान में मरणोपरांत दिए गए सैन्य पुरस्कारों की सूची सार्वजनिक की है। डीजीएमओ ने कहा, पाकिस्तान ने 14 अगस्त को अपने पुरस्कारों की सूची जारी की। मरणोपरांत दिए गए पुरस्कारों की संख्या से असली तस्वीर सामने आई, जो बताती है कि नियंत्रण रेखा पर उनके हताहतों की संख्या 100 से ज्यादा थी। पाकिस्तान ने मई महीने में 12 से ज्यादा एयरक्राफ्ट खो दिए। 7 मई को भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद पाकिस्तान ने सीमा पार से गोलीबारी शुरू कर दी थी।संयुक्त राष्ट्र में सैन्य योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन में भी लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने यह तथ्य सामने रखा। जनरल घई ने कहा कि पाकिस्तान के जल्दबाजी में किए गए आत्मसमर्पण ने भारत के राजनीतिक और सैन्य उद्देश्यों को पुष्ट किया। उन्होंने चेतावनी दी, आगे का संघर्ष उनके लिए विनाशकारी होता। उन्होंने बताया कि कैसे भारत की सोची-समझी प्रतिक्रिया ने इस्लामाबाद के पास कोई रणनीतिक विकल्प नहीं छोड़ा। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना की भागीदारी वाली सैन्य क्षमता और सफल रणनीति की जीत थी। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने कैसे पाकिस्तान के 11 हवाई ठिकानों पर हमला किया, आठ प्रमुख ठिकानों, तीन हैंगरों और चार रडारों को क्षतिग्रस्त कर दिया। जमीन पर पाकिस्तानी हवाई सम्पत्तियां नष्ट कर दी गईं, जिनमें एक सी-130 विमान, एक एईडब्लू प्रणाली और कई लड़ाकू विमान शामिल थे। इसमें नौसेना ने भी निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, भारतीय नौसेना पहले ही अरब सागर में आगे बढ़ चुकी थी। अगर पाकिस्तान इसे और आगे बढ़ाता, तो समुद्र और उसके पार, उसके लिए परिणाम विनाशकारी होते।

भारतीय सेना ने पहलगाम हमले के तीन मुख्य साजिशकर्ताओं का लगभग 96 दिनों तक पीछा किया और खत्म किया। जनरल घई ने कहा, हमने उन्हें आराम नहीं करने दिया। जब हमने आखिरकार उन्हें ढूंढा, तो वे थके हुए और कुपोषित लग रहे थे, दौड़ने से थके हुए थे। हमने सभी को मार गिराया गया था। उन्होंने 7 मई की तड़के लश्कर-ए-तैयबा के मुरीदके मुख्यालय और बहावलपुर के शिविरों सहित, आतंकवादी ठिकानों पर किए गए सटीक हमलों की तस्वीरें भी साझा किए। इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की प्रतिक्रिया युद्ध के मैदान से कहीं आगे तक फैली हुई थी। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले के तुरंत बाद 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना उसी रणनीति का हिस्सा था जो यह संकेत देती थी कि आतंक और बातचीत की पुरानी रणनीति एक साथ नहीं चल सकती। उन्होंने कहा कि इससे भारत की सैन्य शक्ति को कूटनीतिक और आर्थिक साधनों के साथ जोड़ने की क्षमता का पता चलता है।सीमा पार से दशकों से जारी आतंकवाद पर बात करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल घई ने वैश्विक समुदाय को बताया कि भारत में इससे कितने लोग मारे गए और कितना नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, 1980 के दशक में अकेले जम्मू और कश्मीर में 28,000 से ज्यादा आतंकवादी घटनाएं हुईं। 60,000 से ज्यादा परिवार यानि एक लाख से ज्यादा लोग, अपने घरों से भागने को मजबूर हुए। 15,000 नागरिक और 3,000 सुरक्षाकर्मी मारे गए।

जदयू ने 57 प्रत्याशियों ...

गरखा से सीमांत मृणाल, बखरी से संजय पासवान और ब्रह्मापुर से हुलास पांडे को उम्मीदवार बनाया गया है।इससे पहले मंगलवार 14 अक्टूबर को भाजपा ने 71 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट के मुताबिक, भाजपा ने उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को तारापुर से टिकट दिया है। वहीं, विजय सिन्हा को लखीसराय से उम्मीदवार बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि एनडीए ने पहले ही सीट बंटवारे का ऐलान कर दिया था। भाजपा और जदयू बराबर 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं चिराग पासवान की एलजेपी 29 सीटों पर चुनाव में उतरेगी।

धनतेरस पर क्या खरीदें? दिवाली पर घरों को रंगोली से क्यों सजाते हैं?

प्रकाश पर्व दिवाली को दीपावली भी कहा जाता है। इस त्योहार को सिर्फ भारतीय ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में बसे हिंदू, जैन और सिख समुदाय मनाते हैं। यह अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान की जीत का प्रतीक है। यह त्योहार एक दिन का नहीं, बल्कि पूरे 5 दिनों तक चलता है। इसकी शुरुआत धनतेरस के साथ होती है। इसके बाद नरक चतुर्दशी (छोटी दिवाली), मुख्य दीपावली, गोवर्धन पूजा और अंत में भाई दूज आता है। हर दिन का अपना विशेष महत्व और पौराणिक कहानी है।

दिवाली मनाने के पीछे कई पौराणिक कथाएं हैं। हिंदू इसे भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है। कुछ क्षेत्रों में यह देवी लक्ष्मी के जन्म और भगवान विष्णु से उनके विवाह का प्रतीक है। जैन धर्म में यह भगवान महावीर के मोक्ष दिवस के रूप में और सिख धर्म में बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस साल दिवाली का मुख्य त्योहार 20 अक्टूबर 2025 (सोमवार) को मनाया जाएगा। जानिए दिवाली से जुड़े 10 सवाल-जवाब।

दिवाली पार्टी या अपनी जनरल नॉलेज को बेहतर बनाने के लिए आपको दिवाली से जुड़े खास फैक्ट्स पता होने चाहिए। जानिए दीपावली से जुड़े 10 सवाल और जवाब।

दिवाली क्यों मनाई जाती है?

जवाब: मुख्य रूप से, दिवाली भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की खुशी में मनाई जाती है, अयोध्या के लोगों ने उनके स्वागत में घी के दीये जलाए थे, जिससे अंधेरी रात रोशन हो गई थी।

दिवाली का शाब्दिक अर्थ क्या है?

जवाब: 'दीपावली' शब्द संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है- 'दीप' (दीया/रोशनी) और 'आवली' (पंक्ति)। इस तरह से दीपावली का शाब्दिक अर्थ है 'दीयों की पंक्ति'।

दिवाली का त्योहार कितने दिनों तक चलता है?

जवाब: दिवाली का त्योहार लगातार 5 दिनों तक चलता है। ये पांच दिन हैं: धनतेरस, नरक चतुर्दशी (छोटी दिवाली), दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज।

दिवाली पर देवी लक्ष्मी की पूजा क्यों की जाती है?

जवाब: माना जाता है कि दिवाली की रात देवी लक्ष्मी (धन और समृद्धि की देवी) पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं। लोग उन्हें अपने घरों में आमंत्रित करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए पूजा करते हैं। इससे उनके जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

धनतेरस पर कौन सी चीज खरीदना शुभ माना जाता है?

जवाब: धनतेरस के दिन सोना, चांदी या बर्तन खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में 13 गुना वृद्धि होती है।

छोटी दिवाली (नरक चतुर्दशी) क्यों मनाई जाती है?

जवाब: नरक चतुर्दशी के दिन भगवान कृष्ण ने राक्षस नरकासुर का वध किया था और 16,000 बंदी बनाई गई राजकुमारियों को मुक्त कराया था। यह दिन बुराई पर श्रीकृष्ण की जीत का प्रतीक है।

सिख धर्म में दिवाली को किस नाम से और क्यों मनाया जाता है?

जवाब: सिख धर्म में दिवाली को 'बंदी छोड़ दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन छठे गुरु हरगोबिंद सिंह जी 52 राजाओं के साथ ग्वालियर किले से रिहा हुए थे।

दिवाली के अगले दिन गोवर्धन पूजा क्यों होती है?

जवाब: गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण द्वारा इंद्र के अहंकार को तोड़ने और गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठाकर ब्रजवासियों को भारी बारिश से बचाने की याद में मनाई जाती है।

दिवाली पर घरों को रंगोली से क्यों सजाया जाता है?

जवाब: रंगोली को स्वागत का प्रतीक माना जाता है। इसे देवी लक्ष्मी और अन्य देवी-देवताओं को घर में आने के लिए आमंत्रित करने के लिए बनाया जाता है। यह कलाकृति शुभता और पॉजिटिव एनर्जी का प्रतीक है।

दिवाली और नए साल का संबंध क्या है?

जवाब: गुजरात और मारवाड़ी समुदायों में दिवाली के अगले दिन को गुजराती नया साल (बेस्तु वर्ष) माना जाता है। इस दिन व्यापारी अपना पुराना खाता बंद करके नई बहियां (खाते की किताबें) शुरू करते हैं।

गहनों से गैजेट तक, जानिए हर वस्तु की खरीददारी का शुभ लग्न मूहर्त

कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का संचरण 18 अक्टूबर 2025, दिन शनिवार को दोपहर 2 बजकर 5 मिनट से प्रारम्भ होगा, जिसके साथ धनतेरस की खरीददारी का शुभ मुहूर्त भी प्रारम्भ हो जाएगा। स्वर्ण आदि बहुमूल्य वस्तुओं की खरीददारी हेतु स्थिर लग्न अत्यन्त शुभ एवं उपयोगी मानी जाती है। लग्न तीन प्रकार की होती हैं, चर लग्न, स्थिर लग्न और द्विस्वभाव लग्न। जमीन-जायदाद, फ्लैट स्थिर लग्न में तथा चर लग्न में वाहन खरीदना बेहद कारगर रहता है, चर लग्न में खरीदे गए वाहन हमेशा सकुशल चलते रहते हैं।

गहने, आभूषण, जमीन-जायदाद- गहने, आभूषण, जमीन-जायदाद आदि बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय हेतु धनतेरस पर स्थिर लग्न विशेष महत्वपूर्ण रहती है। स्थिर लग्न में खरीदी गई जमीन, फ्लैट आदि बहुमूल्य संपत्ति पीढ़ियों तक स्थिर रहती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चर लग्न में खरीदी गई जमीन किसी न किसी कारणवश कुछ समय बाद दूसरे के नाम स्थानान्तरित होने की संभावनाएं रहती हैं, इसलिए स्थिर लग्न में ही संपत्ति का क्रय करें।

किचन का सामान- रोजमर्रा में काम आने वाली वस्तुएं जैसे किचन का सामान, धातु के बर्तन को कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का संचरण होने के साथ खरीददारी की जा सकती है, जिसका शुभ मुहूर्त धनतेरस के दिन यानी 18 अक्टूबर को दोपहर 2:05 से लेकर रात्रि पर्यनत रहेगा।

वाहन- शुभ मुहूर्त में खरीदा गया वाहन चोट-चपेट से व्यक्ति की रक्षा करता है, साथ ही व्यक्ति को यश-कीर्ति प्रदान करता है। प्रायः लोग शनिवार को वाहन आदि खरीदने से परहेज करते हैं, परन्तु धनतेरस के शुभ मुहूर्त और चर लग्न में वाहन का क्रय किया जा सकता है। जिनकी जन्मपत्री में शनि योगकारक ग्रह की भूमिका में होता है, उनके लिए धनतेरस के शुभ मुहूर्त, शनिवार के दिन खरीदा गया वाहन विशेष फलदायी रहेगा।

इलैक्ट्रॉनिक गैजेट- मोबाइल, फ्रिज, टी0वी0, वाशिंग मशीन आदि इलैक्ट्रॉनिक गैजेट धनतेरस पर स्थिर एवं द्विस्वभाव लग्नों में खरीदे जा सकते हैं।

धनतेरस पर चर लग्न, स्थिर लग्न इस प्रकार है।

कुम्भ स्थिर लग्न- दोपहर 2 बजकर 21 मिनट से 3 बजकर 53 मिनट तक

वृष स्थिर लग्न- सायं 6 बजकर 59 मिनट से 8 बजकर 55 मिनट तक

सिंह स्थिर लग्न- देर रात 1 बजकर 28 मिनट से भोर में 3 बजकर 43 मिनट तक रहेगी।

मकर चर लग्न- दोपहर 12 बजकर 36 मिनट से 2 बजकर 21 मिनट तक है, परन्तु धनतेरस तिथि का संचरण दोपहर 2 बजकर 5 मिनट से हो रहा है, अतः दोपहर 2:05 से 2:21 तक मकर चर लग्न में वाहन खरीदा जा सकता है।

मेष चर लग्न- सायं 5:21 से 6:59 तक

कर्क चर लग्न- रात्रि 11:09 से 1:28 तक

सूर्योदय और सूर्यास्त अलग-अलग जगह पर अलग-अलग समय पर होता है, अतः लग्न का यह समय अलग-अलग शहरों में कुछ मिनट आगे-पीछे हो सकता है।

धनतेरस पर डबल राजयोग से धनवान होंगी मिथुन सहित अन्य राशियां, मिलेगा धन संपत्ति का सुख

धनतेरस पर इस बार ग्रहों का बेहद ही अद्भुत संयोग बना है। धनतेरस पर इस बार हंस राजयोग बुधादित्य राजयोग ब्रह्म योग का बेहद ही शुभ संयोग बना है। दरअसल, गुरु का गोचर अपनी उच्च राशि कर्क में हो रहा है। जिससे हंस राजयोग का निर्माण होगा। साथ ही इस समय बुध और सूर्य की युति कन्या राशि में होने से बुधादित्य राजयोग प्रभावशाली हुआ है। इसी के साथ ब्रह्म योग का बेहद ही शुभ संयोग भी बना रहेगा ऐसे में धनतेरस के मौके पर मिथुन, कर्क सहित 5 राशियों को धन लाभ के साथ साथ कई नए अवसर और खूब मान सम्मान दिलाएगा।

मिथुन राशि को मिलेगा लाभ

मिथुन राशि वालों के दूसरे भाव में हंस राजयोग का निर्माण हो रहा है। ऐसे में मिथुन राशि के लोगों को धनतेरस के मौके पर संपत्ति का सुख मिल सकता है। साथ ही इस अवधि में आप अपने कार्यकौशल से सभी को प्रभावित कर लेंगे। हंस राजयोग के प्रभाव से मिथुन राशि के जातकों को बड़ी मात्रा में धन लाभ हो सकता है। इस अवधि में आप कोई संपत्ति भी खरीद सकते हैं। साथ ही आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। वहीं, पारिवारिक जीवन में सभी मतभेद दूर हो जाएंगे। साथ ही आपकी रुचि कलात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। जिससे आप अपनी स्किल्स को अच्छे से डेवलप कप पाएंगे।

कर्क राशि की अधूरी इच्छा होगी पूरी

कर्क राशि में ही हंस राजयोग का निर्माण हो रहा है। इस अवधि में शुभ ग्रह गुरु आपकी राशि में ही गोचर करेंगे। ऐसे में कर्क राशि के जातकों को वाहन या संपत्ति का सुख मिल सकता है। साथ ही आपको अब धन कमाने के अच्छे अवसर भी मिल सकते हैं। साथ ही आपको नई नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है। आपकी कोई अधूरी इच्छा भी पूरी हो सकती है। साथ ही आपके अंदर एक अलग ही आत्मविश्वास देखने को मिलेगा। आपके आर्थिक जीवन में स्थिरता रहने वाली है।

कन्या राशि भाग्य का मिलेगा सपोर्ट

कन्या राशि में ही बुधादित्य राजयोग का निर्माण हो रहा है। सूर्य और बुध की युति कन्या राशि में होगी। साथ ही आपकी राशि के ग्यारहवें भाव में गुरु का गोचर भी रहेगा। ऐसे में आपको लिए डबल लाभ का योग बना है। कन्या राशिवालों की आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी। साथ ही आप कोई संपत्ति भी खरीद सकते हैं। इस अवधि में आपको करियर में अप्रत्याशित फायदा मिलने की संभावनाएं हैं।

वृश्चिक राशि को मिलेगा भाग्य का सपोर्ट

वृश्चिक राशि के लोगों पर गुरु की पंचम दृष्टि रहेगी। ऐसे में गुरु की कृपा से आपको भाग्य का पूरा सपोर्ट मिलेगा। साथ ही आप बिजनेस में अच्छा लाभ हासिल कर पाएंगे। साथ ही संतान से भी आपको कोई सुखद समाचार सुनने को मिल सकता है। इस राशि के जो लोग अविवाहित है उनके विवाह के योग बन सकते हैं। वहीं, जो लोग खुद का व्यापार करते हैं उन्हें इस अवधि में बड़ा लाभ मिल सकता है। साथ ही बिजनेस में भी आप अच्छा लाभ हासिल कर लेंगे।

मकर राशि को मिलेगा बड़ा उपहार

मकर राशिवालों पर गुरु की सप्तम दृष्टि रहेगी साथ ही दसवें भाव में सूर्य रहेंगे। ऐसे में गुरु और सूर्य से मकर राशि के जातकों को लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिलेंगे। आपको धनतेरस से पहले बड़ा बोनस आदि का सुख भी मिल सकता है। साथ ही परिवार या किसी वरिष्ठ अधिकारी से आपको कोई बड़ा उपहार मिल सकता है। साथ ही आपको भाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। धनतेरस के बाद से ही आपके लिए सफलता और समृद्धि मिल सकती है।

धनतेरस पर होगी मां लक्ष्मी की कृपा, बस घर ले आएं ये वस्तुएं तो बरसेगा धन

देश भर में पूरे साल अनेक त्योहार मनाए जाते हैं, जिनमें से एक है धनतेरस। यह त्योहार दिवाली के पांच दिवसीय उत्सव की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है, इसे धनत्रयोदशी भी कहा जाता है।

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है, लेकिन यदि इस बार आपके पास सोना-चांदी खरीदने का बजट नहीं है, तो कुछ अन्य वस्तुएं भी ऐसी हैं, जिन्हें धनतेरस के दिन खरीदना बहुत ही मंगलकारी माना जाता है।

पीतल के बर्तन- पीतल को भगवान धन्वंतरि का प्रतीक माना जाता है, ऐसी मान्यता है कि धनतेरस के दिन पीतल का बर्तन खरीदकर घर में रखने से आरोग्य, सौभाग्य और धन में तेरह गुना वृद्धि होती है।

पीली कौड़िया- कौड़ी को मां लक्ष्मी से जुड़ा हुआ माना जाता है, धनतेरस के दिन कौड़ियां खरीदकर लानी चाहिए। यदि वे पहले से रंगी हुई न हों, तो उन्हें हल्दी में रंग लें। दिवाली की रात लक्ष्मी पूजन के बाद इन कौड़ियों को अपनी तिजोरी में रख दें, ऐसा करने से घर में निरंतर धन का प्रवाह बना रहता है।

गोमती चक्र- गोमती चक्र को बहुत पवित्र और चमत्कारी माना जाता है, धनतेरस के दिन 11 गोमती चक्र खरीदकर उन्हें लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी में रखना चाहिए। ऐसा करने से धन की कमी दूर होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

नई झाड़ू-धनतेरस के दिन नई झाड़ू खरीदना बहुत शुभ माना जाता है, इसे मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि नई झाड़ू घर से दरिद्रता को दूर करती है और सुख-समृद्धि का वास कराती है। इस झाड़ू को घर लाकर उपयोग में लाने से पहले इसकी पूजा अवश्य करनी चाहिए।

धनिया के बीज-धनतेरस पर धनिया के सूखे बीज खरीदकर मां लक्ष्मी को अर्पित करना शुभ माना जाता है। धनिया को धन का प्रतीक भी कहा जाता है। पूजा के बाद इन बीजों को अपनी तिजोरी या लक्ष्मीजी के स्थान पर रखने से घर में स्थिरता और समृद्धि आती है।

धनतेरस 2025: तिथि एवं मुहूर्त -इस वर्ष कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 18 अक्टूबर को दोपहर 12 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ होकर 19 अक्टूबर को दोपहर 1 बजकर 53 मिनट तक रहेगी। चूंकि प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि 18 अक्टूबर को ही पड़ रही है, इसलिए इसी दिन धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा।

वाशी योग पर दिवाली से पहले बदल जाएगी मेष, मिथुन सहित अन्य राशियों की किस्मत

आज यानी 16 अक्टूबर, गुरुवार को सूर्य कन्या राशि में होंगे और सूर्य से द्वादश में चंद्रमा के होने से शुभ वाशी योग का निर्माण होगा। इस योग के प्रभाव के कारण जातक को जीवन में कभी भी वस्तुओं की कमी नहीं होती और वह आत्मनिर्भर बनता है। यह योग कई राशियों के लिए शुभ रहने वाला है। इस दौरान मेष राशि वालों को नौकरी में उन्नति प्राप्त हो सकती है। वृष वालों के लिए नौकरी में परिवर्तन के योग बनते दिख रहे हैं। मिथुन को कोई शुभ समाचार मिलेगा और विलासिता में रुचि बढ़ेगी। सिंह राशि वालों को मित्रों की मदद से व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे। हालांकि, तुला राशि वालों की आर्थिक स्थिति थोड़ी बिगड़ सकती है।

मेष : धन लाभ के योग बनेंगे

मेष राशि के जातकों के लिए आज धन लाभ के योग बनते हुए दिख रहे हैं। दिनभर कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। राशि स्वामी हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में है। इससे आपके लिए पदोन्नति या नौकरी में उन्नति के संकेत मिल रहे हैं। बृहस्पति के मिथुन राशि में मार्गी होने से आपके स्वभाव में कुछ चिड़चिड़ापन आ सकता है। ऐसे में आपको धैर्य काम लेना होगा रखें। इस समय परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। शाम के समय किसी मंगल कार्य में भाग लेना के मौका मिलेगा।

वृष : कोई शुभ समाचार मिल सकता है

आज के दिन वृष राशि वालों को संपत्ति से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है। इस दौरान आपके परिवार में भी हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। घर का वातावरण सौहार्दपूर्ण बना रहने वाला है। बुजुर्गों के आशीर्वाद से आपको धन लाभ होने की संभावना दिखाई दे रही है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बनते दिख रहे हैं। हालांकि इस दौरान आपके खर्चों में अनावश्यक वृद्धि देखने को मिलेगी। ऐसे में आपको आज आर्थिक मामलों से जुड़ी चीजों को लेकर सावधानी बरतनी होगी।

मिथुन : प्रमोशन के चांस बन सकते हैं

मिथुन राशि के जातकों के लिए गुरुवार का दिन शुभ रहने वाला है। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन के चांस बनते दिख रहे हैं। इस दौरान संतान से संबंधित कोई शुभ समाचार मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज के दिन विलासिता के प्रति आपकी रुचि बढ़ती हुई दिख रही है। कार्यस्थल पर सहयोगियों का पूरा साथ मिलने से लाभ की संभावना बन रही है। मेहनत का सीधा फल आज आपको मिलने वाला है।

कर्क : गिफ्ट मिलने की संभावना है

आज के दिन कर्क राशि वालों को पश्चिम दिशा की यात्रा लाभदायक रहने वाली है। गुरु की कृपा से संतान पक्ष की ओर से सुखद समाचार प्राप्त होगा। मित्रों के सहयोग से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। इस दौरान आपको किसी प्रकार का गिफ्ट मिलने की संभावना दिख रही है। दिन के उत्तरार्ध में पढ़ाई-लिखाई में आपका मन लगेगा। कार्यक्षेत्र में प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह : धन लाभ का योग बन रहा है

सिंह राशि वालों के घर में आज घर में मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। मित्रों की मदद से व्यापार में आज के दिन आपको नए अवसर प्राप्त होंगे। अचानक धन लाभ का योग बनता हुआ दिख रहा है। हालांकि इस दिन स्वास्थ्य के प्रति आपको सचेत रहने की जरूरत है। शनि के प्रभाव से पाचन में गड़बड़ी या वायु विकार हो सकता है। ऐसे में अपने खान-पान में संयम रखें। आज का दिन आर्थिक रूप से लाभदायक रहने वाला है।

कन्या : शिक्षा के कार्यों से आय में वृद्धि होगी

आज के दिन कन्या राशि वालों को कार्यक्षेत्र में अधिक परिश्रम करनी पड़ेगी और अंत में इसका परिणाम भी आपके लिए लाभदायक रहेगा। लेखन और शिक्षा के कार्यों से आय में वृद्धि होगी। हालांकि इस समय आपको अपने क्रोध पर संयम बनाए रखना होगा। संतान की पढ़ाई से अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। वहीं, शाम के समय संपत्ति से जुड़ा कोई लाभ हो सकता है। दिन के अंत में भाई-बहनों के सहयोग से पुराने मतभेद समाप्त होंगे।

तुला : आर्थिक स्थिति गड़बड़ हो सकती है

तुला राशि वालों को आज अपनी इच्छा के विरुद्ध कार्य करना पड़ सकता है। इस दौरान आपके परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। हालांकि कुछ खर्चों के सामने आने से आर्थिक स्थिति गड़बड़ हो सकती है। वहीं, नौकरीपेशा जातकों को आज दफ्तर में अपने अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। शाम के समय किसी आध्यात्मिक कार्य में भागीदारी से आपका मन प्रसन्न रहेगा। रात का समय सामाजिक गतिविधियों में व्यतीत होगा।

वृश्चिक : कार्यों में सफलता प्राप्त होगी

आज का दिन वृश्चिक राशि के जातकों के लिए लिए शुभ संकेत लेकर आया है। राशि स्वामी मंगल द्वादश भाव में होकर चंद्रमा से दशम योग बना रहें है। इससे आपके कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। आज के दिन मां का आशीर्वाद आपके लिए फलदायी रहने वाला है। वही, लंबे समय से अटका हुआ धन आज के दिन मिलने की संभावना दिख रही है।

धनु : संपत्ति को लेकर मतभेद हो सकता है

बृहस्पति के मार्गी होने से धनु राशि के लोगों के संबंधों और कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। हालांकि शनि के प्रभाव से मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है। परिवार में संपत्ति को लेकर कुछ मतभेद हो सकते हैं। इस दौरान बातचीत में संयम बरतें। भाइयों के साथ विचारों में टकराव के आसार बन रहे हैं। शाम के बाद छोटी यात्रा करना पड़ सकती है। हालांकि इस दौरान आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा।

मकर : भाग्य का पूर्ण सहयोग मिलेगा

आज का दिन आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आया है। बुध और राहु का प्रभाव मकर राशि वालों के कार्यक्षेत्र में विशेष सफलता दिलाएगा। आज के दिन भाग्य का पूर्ण सहयोग मिलेगा। शत्रुओं पर विजय मिलेगी और धन की प्राप्ति के योग भी बनते दिख रहे हैं। आपके रुतबे से विरोधी भी आपके पक्ष में झुक सकते हैं। आज के दिन किसी शुभ कार्य की शुरुआत करने से उत्तम परिणाम मिलेंगे।

कुंभ : जीवनसाथी से मतभेद हो सकता है

आज आपको कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती हैं। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी। संपत्ति के विस्तार या उससे आय के नए अवसर मिलेंगे। हालांकि इस दौरान जीवनसाथी से मतभेद हो सकता है। ऐसे में अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है। शाम को धार्मिक आयोजन हो सकता है। मानसिक शांति के लिए ध्यान और योग कर सकते हैं।

मीन : आय के नए स्रोत आपके सामने आएंगे

आज आपका दिन सामान्य परिणाम देने वाला रहेगा। धर्म-कर्म में आपकी आस्था बढ़ेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्च हो सकता है। नजदीकी रिश्तेदारों का आगमन माहौल को खुशनुमा बनाएगा। आर्थिक रूप से आय के नए स्रोत आपके सामने आएंगे। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। निवेश के लिए ये सही समय है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 16 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बंडारू दत्तात्रेय ने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 15 अक्टूबर 2025 को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, सनतनगर, हैदराबाद का दौरा किया और छात्रों, संकाय सदस्यों एवं मरीजों के साथ बातचीत की।

इस अवसर पर ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ शिरीष कुमार जी. चव्हाण ने मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई उपलब्धियों और चल रहे विकास कार्यों पर एक प्रस्तुति दी।

श्री बंडारू दत्तात्रेय ने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए संस्थान के समग्र कामकाज की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से छात्रों को प्रदान की जा रही शिक्षा की गुण-वत्ता और बीमाकृत व्यक्तियों तथा आश्रित परिवारों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की प्रशंसा की।

श्री बंडारू दत्तात्रेय ने समग्र स्वास्थ्य सेवा के लिए आयुष और योग सेवाओं को जारी रखने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने छात्रों में मूल मूल्यों को विकसित करने के लिए प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित करने की भी सलाह दी।

इसके बाद श्री बंडारू दत्तात्रेय ने ईएसआईसी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का दौरा किया और मरीज श्रीमती बालामणि से बातचीत की, जिनकी अवेक क्रैनियोटॉमी सर्जरी हुई है। अवेक क्रैनियोटॉमी एक न्यूरोसर्जिकल प्रक्रिया है जो मरीज के जागृत अवस्था में की जाती है, ताकि भाषण और गति जैसे महत्वपूर्ण मस्तिष्क कार्यों की निगरानी और संरक्षण किया जा सके। मरीज ने सर्जरी के दौरान सहयोग किया, जिससे मस्तिष्क के कार्यों का मानचित्रण करने में मदद मिली और न्यूनतम न्यूरोलॉजिकल कमी के साथ अधिकतम सुरक्षित हटाने की अनुमति मिली।

श्री बंडारू दत्तात्रेय ने डायलिसिस यूनिट, न्यूरोसर्जरी विंग, कैथ लैब और ऑपरेशन थिएटर जैसी प्रमुख सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों और उनके परिचारकों से बातचीत की तथा दी जा रही उपचार और सेवाओं के बारे में पूछताछ की।

श्री बंडारू दत्तात्रेय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए संकाय सदस्यों और डॉक्टरों की सराहना की।

राधे राधे ग्रुप के तत्वावधान में बेगम बाजार और नामपल्ली में हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान सेवा आयोजित की गई। इस सेवा अवसर पर महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, राजेश सर योगा, गोविंद राम पचेरीया, लता गोयल, नीलम विजयवर्गी, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, सूचि गुप्ता और आशीष उपस्थित रहे।इसी क्रम में बुधवार को राधे राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास श्रीमती सोनम जी मित्तल की पुण्य स्मृति में विशेष अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।नियमित अन्नदान की आज की सेवा सोनम मित्तल वूमेन वेल्फेयर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संपन्न की गई। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, ई-जगन (चम्पापेट), गौरव गोयल, मनोज शर्मा, रोहित अग्रवाल और सुमन अग्रवाल उपस्थित रहे।

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

विकसित भारत के दिशा में राजभाषा का प्रयोग महत्वपूर्ण है : अनुराग कुमार

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के उपक्रम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 172वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार ने की। इस अवसर पर ईसीआईएल के प्रबंधक एवं प्रभारी राजभाषा अनुभाग डॉ. राजनारायण अवस्थी ने कॉरपोरेशन में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन की स्थिति, संसदीय राजभाषा समिति के सुझावों और उनके अनुपालन की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा की। राजभाषा के उपयोग को बढ़ाने और इसे कार्यालयीन कार्यों में सहज रूप से लागू करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव भी प्राप्त हुए। बैठक में हिन्दी भाषा के प्रगामी प्रयोग को सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रारंभ में पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई। इसके उपरांत ईसीआईएल के आंचलिक, शाखा एवं यूनिट कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई, जिसमें यह पाया गया कि सभी कार्यालयों से समय पर तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्राप्त हो रही हैं। तिमाही प्रगति रिपोर्टों में पत्राचार एवं टिप्पण के सतत सुधार पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। साथ ही, परमाणु ऊर्जा विभाग से प्राप्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की समीक्षा रिपोर्ट पर गहन विचार-विमर्श किया गया। ईसीआईएल की राजभाषा गृहपत्रिका 'ईसीआईएल गौरव' के आगामी अंक के प्रकाशन हेतु सभी समिति सदस्यों से लेख, कविता, संस्मरण आदि रचनात्मक सामग्री शीघ्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। बैठक के अंत में अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कुछ अन्य विषयों पर भी विचार किया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, अनुराग कुमार ने राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग को और अधिक व्यापक एवं स्वाभाविक बनाने हेतु सभी विभागों से सजग और सक्रिय प्रयास करने का आह्वान किया। अध्यक्ष महोदय ने राजभाषा हिन्दी से संबंधित विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी टूल्स के प्रयोग के बारे में सभी सदस्यों को निदेश दिया कि वे अधिक से अधिक अपने काम में इनका प्रयोग करें। इसके लिए वी कनका श्री महालक्ष्मी को प्रशिक्षण देने के लिए नामित किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि ईसीआईएल के प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का यह दायित्व है कि वह राजभाषा के प्रयोग एवं संवर्धन में अपनी भूमिका सुनिश्चित करे। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के वरिष्ठ सदस्य शेख वजीर अहमद, उपमहाप्रबंधक, सीबीडीएम ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी.कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर, अजहर सुल्तान तथा विनीला, प्रशिक्षु (राजभाषा) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जरूरतमंद परिवारों में पुराने पहनने योग्य कपड़े वितरित किए

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के द्वारा पहनने योग्य पुराने कपड़ों को संग्रहण शिविर में आए हुए कपड़ों को व्यवस्थित कर बुधवार को नगर के उस्मानिया अस्पताल, गांधी अस्पताल सिकंदराबाद, पेटलाबुरुज प्रसूतिगृह (जज्जगीखाना) में गांव से इलाज कराने आए हुए जरूरतमंद परिवार के लोगों में वितरण किया गया।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी, कोषाध्यक्ष संजय राठी, उपाध्यक्ष प्रेमचंद चंद मुनोत, बालप्रसाद मोदानी, गोविंद बिरादर, धर्माराम ढाका, सुनील शर्मा, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, सभी ने वितरण करने में सहयोग किया।

काल भैरव जन्मोत्सव 12 नवंबर को

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाजार घाट, नामपल्ली स्थित ऐतिहासिक काल भैरव मंदिर द्वारा बुधवार, 12 नवंबर को आयोजित किए जाने वाले काल भैरव जन्मोत्सव में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी बतौर मुख्य अतिथि सहभागिता करेंगे। उक्त कार्यक्रम में न्यायपालिका विभाग, गृह विभाग, खेल विभाग के अधिकारी, वीवीआईपी, सिनेमा जगत की हस्तियाँ और अनेक विद्वान बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

नामपल्ली का यह काल भैरव मंदिर लगभग 200 वर्ष पुराना एक अत्यंत शक्तिशाली एवं श्रद्धा का केंद्र माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि काल भैरव स्वामी की आराधना से भक्तों की सभी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं और उन्हें शुभ फल प्राप्त होता है।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा एवं आरती सम्पन्न

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बुधवार को केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा एवं आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। सभी भक्तों ने दूध से पूजा-अर्चना करते हुए आरती में सहभागिता की। प्रसाद वितरण के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने भक्तों को सूचित किया कि दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में 4 दिनों (दि. 18, 19, 20 और 22 अक्टूबर) तक विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 अक्टूबर को धनतेरस, 19 को रूप चौदस, 20 को दीपावली तथा 22 अक्टूबर को दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पूजा में विशेष यजमान प्रमोद कुमार सरायवाला रहे। पूजा में भाग लेने वालों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, संध्या रानी अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल, प्रमिला मांडोठिया, अशोक लाखोटिया, किशन दास डागा, राहुल सिंघल, प्रमोद कुमार सरायवाला, विजय कुमार अग्रवाल, अशोक रूंगटा, विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), प्रवीण कुमार अग्रवाल, डॉ. राधा कृष्ण, दीपा कुमार अग्रवाल, वेंकटेश रेड्डी, रामनिवासजी, पंडित फागुनी सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे। इस अवसर पर भक्ति वातावरण में गणेश आरती गूँज उठी और उपस्थित भक्तगणों ने एक-दूसरे को आगामी दीपावली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएँ दीं।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस. डी. सिग्नोदिया कॉलेज के एमबीए विभाग में बुधवार को प्रथम वर्ष 2025-26 हेतु कक्षाएं प्रारंभ हुईं। अवसर पर विभाग की निर्देशिका पल्लवी रंगनाथ, सहायक प्रोफेसर वेंकटेश, सत्यजीत सिंह, वेंकटेश, लाइब्रेरियन सीनू एवं प्रथम वर्ष के विद्यार्थिगण उपस्थित थे।

तिलक रोड स्थित तेलंगाना सारस्वत परिषद सभागृह में सहकार वॉलेंटरी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गुजराती ब्राह्मण समाज अध्यक्ष तरूण महेता को महात्मा गांधी पीस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। तेलंगाना विधान परिषद में विपक्ष के नेता एस. मधुसूदन चारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री एस. वेणुगोपाल चारी, न्यायाधीश वामन राव, फिल्म अभिनेत्री संध्या जनक, अनुप्रसाद, हेमंत बत्तुला सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह सम्मान समारोह संपन्न हुआ।

स्वदेशी जागरण मंच ने आयोजित किया निर्यात लचीलेपन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वदेशी जागरण मंच, तेलंगाना के तत्वावधान में सेमिनार का आयोजन एफटीसीसीआई सुराना ऑडिटोरियम, हैदराबाद में किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 50 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सेमिनार में भारत के निर्यात पर प्रभाव डालने वाली चुनौतियों तथा उन्हें दूर करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि पिछले तीन शताब्दियों में भारत ने अनेक औद्योगिक अवसर खो दिए थे, किंतु आज स्वदेशी नवाचारों के बल पर भारत विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व की भूमिका निभाने की स्थिति में है।

उन्होंने कहा कि देश के विकास मार्ग में पूंजी की कमी, परिवहन सुविधाओं का अभाव, नीतिगत देरी तथा भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं अब भी बाधक हैं, परंतु सरकार और उद्योग जगत के समन्वय से इन्हें दूर किया जा सकता है।

कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में प्रो. अश्विनी महाजन, स्वदेशी जागरण मंच अखिल भारतीय सह संयोजक; श्री सतीश कुमार, अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री, स्वदेशी जागरण मंच; श्री विद्या सागर, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, सागर एशिया; तथा डॉ. एस. लिंगमूर्ति, दक्षिण मध्य क्षेत्र संयोजक, स्वदेशी जागरण मंच प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने देशी उद्योगों को सशक्त करने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने तथा निर्यात क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उ

न्होंने कहा कि भारत को अब अपने व्यापारिक दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना होगा और गुणवत्ता, तकनीकी नवाचार तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पर विशेष ध्यान देना होगा।

वक्ताओं ने यह भी उल्लेख किया कि अमेरिका द्वारा हाल ही में लगाए गए शुल्क भारत के लिए छिपे हुए अवसर सिद्ध हो सकते हैं, जो देश को और अधिक आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करेंगे।

स्वदेशी जागरण मंच देशभर में इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग जगत और नीतिनिर्माताओं से आह्वान कर रहा है कि वे मिलकर आत्मनिर्भर भारत और मजबूत निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण हेतु कार्य करें।

अहान पांडे की अगली फिल्म से आया नया लुक!

अली अब्बास जफर की एक्शन मूवी के लिए बदल डाला लवर बॉय वाला हुलिया

सैयारा एक्टर अहान पांडे एक बार फिर से ज़ेन जी वाली भीड़ की धड़कनें बढ़ाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। अहान पांडे ने अली अब्बास जफर की अगली फिल्म से अपना लुक दिखा दिया है, जिसपर फैन्स अभी से दिल हारे बैठे नजर आ रहे हैं। लोगों ने अभी से उनके लुक और फिल्म के लिए डेट ब्लॉक करने की बातें भी कह दी हैं।

अहान पांडे अब अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए रेडी दिख रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे और इसे यशराज फिल्म्स के आदित्य चोपड़ा प्रड्यूस कर रहे हैं। 'सैयारा' की ऐतिहासिक सफलता के बाद जो भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव-स्टोरी बनी उसके बाद अब अहान अपने करियर के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं। यह फिल्म अली अब्बास जफर की यशराज फिल्म्स में वापसी को भी है। अहान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपना

नया लुक शेयर किया, जिसमें 'सैयारा' के रोमांटिक लवर बॉय लुक से बिल्कुल अलग लुक है।

अहान के इस लुक पर फैन्स जोरदार फिदा दिख रहे हैं। एक ने कहा- आप इस हेयरस्टाइल में एक्स्ट्रा हैंडसम दिख रहे। एक और ने कहा- अहान आप कितने हैंडसम दिख रहे हैं। एक ने कहा- इतने सालों बाद इन्हें शॉर्ट हेयर में देख रहा। एक ने तो इतना कहा कि मैं कैसे बताऊं कि मेरे दिल की धड़कनें आपको देखकर बंद हो गई। एक और यूजर ने लिखा- भाई साहब, ये लड़का सारा रेकॉर्ड ब्रेक करने वाला है बॉलीवुड में। एक फैन ने कहा- जो भी डेट हो, अभी से बुक है।

माना जा रहा है कि लव-स्टोरी के बाद अब ये नई एक्शन-रोमांस फिल्म आहान को एक बिल्कुल नए अंदाज में पेश करने का वादा करती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी। ये आदित्य चोपड़ा व अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म होगी, जिनकी जोड़ी ने 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी हिट फिल्में दी हैं।

बिग बॉस 19 में मालती चाहर बनाम नेहल

कपड़ों पर तंज से बिगड़ा मामला घरवाले हुए आगबबूला

टीवी के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में जहां एक तरफ कॉन्ट्रोवर्सी, ड्रामा और टकराव रोजाना देखने को मिलते हैं, वहीं इस बार घर के अंदर एक छोटी सी बात ने बड़ा तूफान ला दिया है। इस बार सूजी का हलवा ही घर के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। 'हलवे की लड़ाई' ने बिग बॉस के घर का पूरा माहौल गर्मा दिया है, और इसके बीच वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट मालती चाहर ने विवाद को और भड़का दिया है। शुरुआत में मालती चाहर जब घर में आईं, तो लगा कि शायद माहौल में एक नया रंग आएगा। लेकिन उनके सधे हुए अंदाज ने घर में तूफान खड़ा कर दिया, जिससे घर के कई सदस्य, खासतौर पर फरहाना, नेहल और तान्या, अक्सर उनके खिलाफ नजर आते हैं। पहले भी कई बार उनका विवाद सामने आ चुका है, लेकिन इस बार जो हुआ, उससे पूरे घर में हलचल मच गई। मामला तब और बिगड़ा जब बिग बॉस ने घरवालों को एक टास्क दिया, 'टेडी डियर' टास्क। इसमें सभी कंटेस्टेंट्स को एक बड़े टेडी बियर का खास ख्याल रखना था, ताकि वह किसी भी चीज या जमीन पर न गिरे। लेकिन मालती के हाथों ये टास्क उलझ गया। उन्होंने टेडी बियर को संभालने की जगह जमीन पर गिरा दिया, जिसके कारण बिग बॉस ने पूरे घर को कड़ी सजा दी और राशन के 11 आइटम कैंसिल कर दिए। यह खबर सुनते ही गुस्साए घरवाले मालती को सुनाने लगे।

मालती ने अपनी गलती स्वीकार की और माफी भी मांगी, लेकिन माफी मांगने के बाद भी चीजें शांत नहीं हुईं। जब नेहल ने मालती की माफी पर सवाल उठाया, तो मालती भड़क गईं। विवाद तब और बढ़ गया जब मालती ने नेहल के कपड़ों पर तंज कसा और कहा, 'अगली बार कपड़े पहनकर बात करना मुझसे।' ये बात घर के बाकी सदस्यों को बिलकुल पसंद नहीं आई।

कृति शेट्टी का तिरुपति में आध्यात्मिक पड़ाव, बालाजी के किए दर्शन

कृति शेट्टी को हाल ही में तिरुपति बालाजी मंदिर में दर्शन करते हुए देखा गया, जहाँ उन्होंने शांति और भक्ति से परिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना की। जिसने प्रशंसकों का ध्यान खींचा। पारंपरिक पोशाक में और सादगी भरे अंदाज़ में नज़र आईं कृति ने अपने व्यस्त ग्लैमर जीवन से थोड़ा समय निकालकर दक्षिण भारत के सबसे पूजनीय मंदिरों में से एक में आशीर्वाद प्राप्त किया। अपनी बढ़ती प्रसिद्धि के बावजूद ज़मीन से जुड़ी रहने वाली बॉलीवुड की अगली सुपर स्टार का यह शांतिपूर्ण मंदिर-दर्शन यात्रा ने सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों के दिलों को छू गया। अभिनेत्री की इस यात्रा की तस्वीरें जल्द ही सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गईं, जहाँ कई लोगों ने उनकी सादगी और श्रद्धा की सराहना की। तिरुपति लंबे समय से अनेक कलाकारों के लिए एक पवित्र पड़ाव रहा है - विशेषकर तब, जब वे किसी बड़े व्यक्तिगत या पेशेवर मोड़ की ओर बढ़ते हैं। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, कृति ने बिना किसी दिखावे के पूजा की और मंदिर में कुछ पल शांत वातावरण में बिताए, जिसके बाद वे अपने व्यस्त शेड्यूल की ओर लौट गईं। कार्य के मोर्चे पर, कृति शेट्टी भारतीय फ़िल्म जगत में अपनी मजबूत पहचान बनाती जा रही हैं। दिसंबर उनके लिए बेहद अहम साबित होने वाला है, क्योंकि इसी महीने उनकी तीन बड़ी फ़िल्में - वाा वथियार, लव इंश्योरेंस कंपनी और जीनी - की रिलीज़ की तैयारी कर रही है, जो एक ही महीने में सिनेमाघरों में रिलीज़ होंगी। अपने करियर के इस निर्णायक पड़ाव पर कृति शेट्टी पूरी तरह अपनी आस्था और एकाग्रता में संतुलित नज़र आ रही हैं।

दीपावली पर मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह डूबना चाहती हूं : पारुल गुलाटी

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इस बार दीपावली का त्योहार अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मनाएंगी। उनके लिए दीपावली सिर्फ एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि एक लंबे जश्न की शुरुआत है जो नए साल तक चलता है। आईएएनएस से बात करते हुए पारुल ने कहा, ''दीपावली के दिन मेरी योजना अपने परिवार के साथ घर पर रहने की है। लेकिन उससे पहले, हां, मैं कुछ दोस्तों की दीपावली पार्टियों में जा रही हूं। इन पार्टियों में ढेर सारी मिठाइयां खाने का इंतजार कर रही हूं।'' पारुल का मानना है कि दीपावली से लेकर नए साल तक का समय खुशियों और स्वादों से भरा होता है, जिसमें खुद को रोकना मुश्किल हो जाता है।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''मुझे लगता है कि जब मुंह में मिठाई चली जाती है, तो एक ही काफी नहीं होती। इसके बाद आपको खाते ही रहना पड़ता है। इस पूरे फेस्टिव सीजन में मेरा कोई फिटनेस प्लान नहीं है। इस समय मैं खुद को मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह डुबो देना चाहती हूं और यही मेरा प्लान है।''

पारुल ने आईएएनएस से साझा किया कि हर साल दीपावली के बाद वह अपनी नानी के घर जाती हैं और वहां एक हफ्ते तक परिवार के साथ समय बिताती हैं। यह उनके लिए एक खास परंपरा की तरह है, जिससे वह हर साल जुड़ी रहती हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि जब तक ये त्योहार खत्म नहीं हो जाते, तब तक फिटनेस के बारे में सोचने का सवाल ही नहीं उठता।

फिल्मी करियर की बात करें तो पारुल गुलाटी ने 'पी.ओ.डब्ल्यू.- बंदी युद्ध के', 'सेलेक्शन डे', और 'गर्ल्स हॉस्टल' जैसे चर्चित शोज में काम किया है। अब वह जल्द ही एक नई वेब सीरीज 'दोनाली' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ दिव्येंदु और बरुन सोबती जैसे लोकप्रिय अभिनेता भी हैं।यह सीरीज 1960 के दशक के चंबल की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसे मध्य प्रदेश की अलग-अलग जगहों पर शूट किया गया है। शो का निर्देशन ई निवास ने किया है। इसमें चंकी पांडे और यशपाल शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान की थी दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग : इशिता दत्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है। इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में 'दे दे प्यार दे 2' के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक 'नई शुरुआत' जैसा लग रहा है।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी का आशीर्वाद चाहिए... क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूं।

हाल ही में फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में आर. माधवन रकुल प्रीत सिंह के पिता के रोल में दिखाई देंगे। पहले तो वह इस रिश्ते से खुश रहते हैं, लेकिन बाद में धीरे-धीरे उनका असली रूप सामने आता है। इसका ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है।

पहली तेलुगु पार्श्व गायिका बालासरस्वती देवी का निधन

दिग्गज तेलुगु और तमिल अभिनेत्री एवं पार्श्व गायिका आर बालासरस्वती देवी का बुधवार को उनके आवास पर वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया। वह 97 वर्ष की थीं। बालासरस्वती देवी तेलुगु फिल्म उद्योग की पहली पार्श्व गायिका थीं।पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि वह पिछले दो-तीन दिनों से बीमार थीं और आज सुबह आठ बजे उनका शांतिपूर्ण निधन हो गया। उनका गायन करियर 'सती अनसूया' फिल्म से शुरू हुआ था और उन्होंने तेलुगु, तमिल तथा अन्य भाषाओं में 2,000 से अधिक गाने गाए।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बालासरस्वती देवी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की।तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बालासरस्वती देवी, जो दक्षिण की पहली पार्श्व गायिका थीं और जिन्होंने तेलुगु फिल्म उद्योग में शास्त्रीय संगीत की शुरुआत की, का निधन फिल्म उद्योग के लिए एक अपूरणीय क्षति है।पवन कल्याण ने अपने शोक संदेश में कहा, आठ दशक पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों में अभिनय करने वाली बालासरस्वती देवी ने एक गायिका के रूप में भी दर्शकों को अपनी आवाज़ सुनाई। उन्होंने शास्त्रीय संगीत में एक विशेष स्थान बनाया और आकाशवाणी पर कई गीत गाए।बालासरस्वती देवी के संगीत और अभिनय ने तेलुगु और तमिल सिनेमा में एक अमिट छाप छोड़ी है, जो सदैव स्मरणीय रहेगी।

बॉलीवुड डांसर-अभिनेत्री मधुमति नहीं रहीं

बॉलीवुड से एक और बुरी खबर सामने आई है। बीते जमाने की पॉपुलर डांसर और एक्ट्रेस मधुमती का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी मौत से इंडस्ट्री सदमे में डूब गई है।

मधुमति को उनके शानदार डांस की वजह से जाना जाता था और उनकी तुलना डांसर हेलन से होती थी। खबर सामने आने के बाद से बॉलीवुड सेलेब्स उनके निधन पर दुख व्यक्त कर रहे हैं। अक्षय कुमार, चंकी पांडे और विंदू दारा सिंह ने पोस्ट शेयर कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है।

अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर एक स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें वे डांसर और एक्ट्रेस मधुमती के साथ दिख रहे हैं। अक्षय ने कैप्शन में लिखा, 'मेरी पहली गुरु, जिनसे मैंने डांस के बारे में सब कुछ सीखा। आपके कदमों को देखकर मैंने डांस सीखा, हर अदा, हर एक्सप्रेशन में आपकी याद हमेशा रहेगी।'

वहीं विंदू दारा सिंह ने मधुमती की फोटोज शेयर कर लिखा, 'हमारी शिक्षिका और

अक्षय कुमार ने गमगीन होकर कहा- सबकुछ आपसे सीखा है

मार्गदर्शक मधुमती जी की आत्मा को शांति मिले। हममें से कई लोगों ने इस महान हस्ती से नृत्य सीखा और उनके प्यार और आशीर्वाद से भरपूर एक सुंदर जीवन जिया।' चंकी पांडे ने भी मधुमति की फोटो शेयर कर दुख जाहिर किया है। एक्टर ने भी मधुमती से डांस सीखा था।

मराठी फिल्म से की थी शुरुआत

बता दें कि मधुमती का जन्म महाराष्ट्र के एक गांव में साल 1938 में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मराठी फिल्म से बतौर डांसर की थी, जिसके बाद उन्होंने खुद को सिर्फ मराठी तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि अपना कला का प्रदर्शन भोजपुरी, पंजाबी, मराठी, दक्षिण भारतीय और हिंदी सिनेमा में भी किया। उनका डांस पर्दे पर इतना हिट हुआ कि उनकी तुलना डांसर हेलन से होने लगी।

राजा हरिश्चंद्र फिल्म से शुरू किया करियर

डांसर मधुमती ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' से की थी। उन्होंने अपने पति के साथ अजंता आर्ट्स मंडली के साथ भी काफी सालों तक काम किया था, जो भारतीय सेना के लिए शो करती थी। पर्सनल लाइफ की बात करें तो मधुमती ने 19 साल की उम्र में शादी कर ली थी और साल 1977 में डांस छोड़ दिया, लेकिन पति की मौत के बाद उन्होंने मुंबई में मधुमती नृत्य अकादमी खोली और वहां डांस में खुद को समर्पित कर दिया था।

मूल्यांकन कवि गोष्ठी में आकाश कविघोष पर सार्थक विमर्श

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के कवियों की संस्था गीत चांदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संस्थान के तत्वावधान में मौजमजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल के सेलार सभागृह में एक यादगार मूल्यांकन गोष्ठी एवं कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बिजनौर, लखनऊ से प्रकाशित साप्ताहिक ई–पत्रिका आकाश कविघोष के नवीन अंक पर समीक्षात्मक चर्चा हुई। मूल्यांकन सत्र की अध्यक्षता हिंदी साहित्य की विदुषी डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने की, जबकि वरिष्ठ गीतकार और गीत चांदनी के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद ने कवि गोष्ठी की अध्यक्षता की।

सत्र का शुभारंभ संस्था की 336वीं मूल्यांकन गोष्ठी और गीत चांदनी की 44 वर्षों की सक्रिय काव्य यात्रा के उल्लेख से हुआ। संस्था के कार्यदर्शी और गोलकोंडा दर्पण के संपादक कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि साहित्य, संस्कृति और शोध के क्षेत्र में यह संस्थान लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है।

इस मूल्यांकन गोष्ठी में आकाश कविघोष साप्ताहिक ई–पत्रिका (संपादक: आकाश श्रीवास्तव) के वर्ष चार, अंक 34 (26 अगस्त, 2025) पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकारों ने अपने विचार साझा किए।

कवि सुनील मिश्रा ने कहा कि पत्रिका की भाषा सरल और भावनाओं से परिपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से डॉ. गीता पांडे अपराजिता (रायबरेली) और सीमा गर्ग 'मंजरी' (मेरठ) की कविताओं की सराहना की।

कवि श्रीपूनम जोधपुरी ने पत्रिका में प्रकाशित कविताओं को जीवनदायी और प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने राजीव वशिष्ठ (दिल्ली), रमेश मनोहर (मध्य प्रदेश), पूर्णिमा सुमन (झारखंड), तुषार सिंह (पटना) और श्रीमती रस्तोगी (लखनऊ) की रचनाओं की प्रशंसा की।

अध्यक्षीय टिप्पणी में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने कहा कि जब आज साहित्यिक पत्रिकाओं का अस्तित्व संकट में है, तब 'आकाश कविघोष' जैसी पत्रिकाएं हिंदी साहित्य को नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं।

कवि गोविंद अक्षय ने कहा कि पत्रिका की सभी रचनाएं उत्कृष्ट हैं और पाठकों को सकारात्मक ऊर्जा देती हैं। कवि गोष्ठी के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद ने कहा कि पत्रिका का संपादकीय प्रभावशाली है और इसकी भाषा प्रवाहपूर्ण एवं त्रुटिहीन है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आयोजित कवि गोष्ठी में नगरद्वय (हैदराबाद–सिकंदराबाद) के प्रतिष्ठित कवियों ने अपने गीत, कविताएं और मुक्तक प्रस्तुत किए। कविताओं में श्रृंगार, देशभक्ति, आतंकवाद, जीवन दर्शन और सामाजिक विषमताएं जैसे विविध विषयों का प्रभावशाली चित्रण किया गया।

कविता पाठ करने वाले कवियों में गोविंद अक्षय, ममता मिश्रा, शिव कुमार तिवारी 'कोहिरी', चंपालाल बैद, सत्यनारायण काकड़ा, सुनील मिश्रा, जलीस भारती, श्रीपूनम जोधपुरी, अरविंद कुमार जायसवाल, बासित अली रईस, सदानंद लाल गोगिकार, राजकुमार यादव, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और अनिल कुमार गुप्ता प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम के समापन पर गीत चांदनी के कार्यदर्शी कवि गोविंद अक्षय ने सभी उपस्थित कवियों, समीक्षकों और अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। गीतकार श्री चंपालाल बैद द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम का संचालन सौहार्दपूर्ण और आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।

मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा द्वारा दिवाली पर ..एक मुस्कान जरूरतमंदों के नाम.. कार्यक्रम के तहत शमशाबाद एमपीपीएस गवर्नमेंट स्कूल में बच्चों को स्कूल बैग, प्लेट, पेंसिल, रबर, शार्पनर, नोट बुक, मिठाई, चौक बॉक्स का वितरण किया गया।
इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सोहन सीरवी, पूर्व अध्यक्ष रमेश चौधरी, पूरण कुमार चौधरी, भाकर राम कुमावत, पूर्व मंत्री राजू सिरवी, कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार चौधरी, आंध्र प्रदेश तेलंगाना प्रांत के रिपोर्टिंग संयोजक पारस सोलंकी, रक्तदान संयोजक प्रेम कच्छवा, रमेश जैन, प्रिंसिपल सर जितेंद्र कुमार रेड्डी एवं स्कूल स्टाफ आदि उपस्थित रहे। प्रिंसिपल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आकांक्षा महिला संस्था की मासिक बैठक आयोजित

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आकांक्षा महिला संस्था की मासिक बैठक होटल मेजबान बेगमपेट में आयोजित की गई। दिवाली पूर्व इस सभा के आयोजन में सभी महिला सदस्यों को दीपावली उत्सव को अपने आसपास के जरूरतमंद बच्चों के परिवार में सहायता के रूप में बनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक सुमन गुप्ता, विनीता, ममता के साथ सभी महिला सदस्यों ने भाग लिया। आगामी सभा दिवाली अन्नकूट के साथ मनाने का भी निर्णय लिया गया।

हब्शीगुडा में आध्यात्मिक वक्ता डॉ. शील्पा दीदी – सदेहा फाउंडेशन के नये कार्यालय उद्घाटन अवसर पर उपस्थित भारतीयम सत्यवती अम्मा, स्वामी अदवैतानंद (भद्रीनाथ), शुक्ल यजुर्वेद गणपती शरद देशमुख, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, तरूण महेता, मुकेश चौहान, भाजपा नेता करनम परीणीता, पंडीत क्रष्णा देशमुख एवं अन्य ।

13वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में तेलंगाना का व्यक्तिगत श्रेणी में तीसरा स्थान

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

छत्तीसगढ़ के भिलाई शहर में आयोजित 13वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तेलंगाना ने टीम इवेंट और व्यक्तिगत श्रेणियों में अपना सिक्का जमाया।

छत्तीसगढ़ के शिक्षा एवं ग्रामीण उद्योग मंत्री गजेंद्र यादव ने विजेता खिलाड़ियों को पदक से सम्मानित किया। आगामी दिनों में गतका पीथियन खेलों में अंतरराष्ट्रीय मुकाबले होंगे।गतका खेल एसोसिएशन तेलंगाना के महासचिव एस. विशाल सिंह ने बताया कि पीथियन काउंसिल के प्रमुख गोयल द्वारा गतका के वैश्विक प्रसार के लिए हर प्रकार की मदद का भरोसा दिलाया गया है।

तेलंगाना ने इस परंपरागत सिख मार्शल आर्ट गतका की 13वीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप में व्यक्तिगत श्रेणियों में कांस्य पदक जीतकर तेलंगाना राज्य का नाम रोशन किया गया। यह प्रतियोगिता भिलाई में आयोजित हुई, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से टीमों ने भाग लिया।

तेलंगाना की टीम को कांस्य पदक जीतने के लिए तेलंगाना गतका एसोसिएशन के अध्यक्ष सुखदेव सिंह, महासचिव एस विशाल सिंह, कोच गुरविंदर सिंह और अन्य सदस्यों के समर्पित मार्गदर्शन का श्रेय जाता है।

व्यक्तिगत श्रेणियों में हरदीप सिंह (अंडर–17) और एस जगत सिंह (अंडर–22) ने व्यक्तिगत रूप से कांस्य पदक जीतकर राज्य के लिए दोहरी खुशी दिलाई। महासचिव एस. विशाल सिंह ने कहा कि उपाध्यक्ष एस गुरविंदरपाल सिंह भी चैंपियनशिप में टीम का मनोबल बढ़ाने के लिए उपस्थित रहे। यह जीत केवल पदक नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के जुनून, अनुशासन और मेहनत का प्रमाण है। वे अगली बार स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य रख रहे हैं। यह उपलब्धि न केवल तेलंगाना की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करती है, बल्कि राज्य में गतका के बढ़ते वर्चस्व और युवाओं की रुचि का भी प्रतीक है।

एसवीपीएनपीए में 77वें बैच के आईपीएस अधिकारियों की दीक्षांत परेड कल

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

देश की प्रमुख पुलिस प्रशिक्षण संस्था सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) 17 अक्टूबर को 77वें नियमित भर्ती बैच (77 आरआर) के आईपीएस अधिकारियों के लिए दीक्षांत परेड का आयोजन करेगी।

इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी मुख्य अतिथि होंगे, जो परेड की समीक्षा करेंगे और अधिकारियों को संबोधित करेंगे। आज आयोजित एक प्रेस वार्ता में अकादमी के निदेशक अमित गर्ग ने बताया कि यह समारोह 49 सप्ताह के प्रशिक्षण का समापन होगा, जिसमें दिल्ली और अन्य स्थानों पर अटैचमेंट भी शामिल हैं। इस बैच में कुल 190 प्रशिक्षु हैं, जिनमें 174 आईपीएस अधिकारी और नेपाल, भूटान, मालदीव जैसे देशों के 16 विदेशी अधिकारी शामिल हैं।

इस बैच में 62 महिला अधिकारी शामिल हैं। 174 आईपीएस अधिकारियों में से 51% के पास पूर्व कार्य अनुभव है और 49% ने इंजीनियरिंग, कानून या चिकित्सा में डिग्री प्राप्त की है। बैच की औसत आयु 28 वर्ष है, जिसमें उत्तर प्रदेश से 35, राजस्थान और महाराष्ट्र से 19–19 अधिकारी शामिल हैं।

तेलंगाना कैडर के लिए नियुक्त अधिकारी हैं: आयशा फातिमा (मध्य प्रदेश), मंधारे सोहम सुनील (महाराष्ट्र), मनीषा नेहरा (राजस्थान) और राहुल कांत (झारखंड)। ये अधिकारी प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद तेलंगाना में सेवा शुरू करेंगे।

आंध्र प्रदेश कैडर के लिए नियुक्त अधिकारी हैं: अश्विन मणि दीप काकुमानु (आंध्र प्रदेश), जाधवराव निरंजन महेन्द्रसिंह (महाराष्ट्र), जया शर्मा (दिल्ली) और तरुण (हरियाणा)।

प्रशिक्षण में इनडोर और आउटडोर दोनों विषय शामिल थे। इनडोर विषयों में भारतीय कानूनों जैसे भारतीय न्याय संहिता , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता , भारतीय साक्ष्य अधिनियम, जांच तकनीक, फॉरेंसिक, साइबर क्राइम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिप्टोकरेंसी आदि शामिल थे। आउटडोर प्रशिक्षण में शारीरिक फिटनेस, हथियार प्रशिक्षण, बिना हथियारों की लड़ाई, फील्ड क्राफ्ट और रणनीति शामिल थी।

दीक्षांत परेड में सम्मानित होने वाले अधिकारियों में कीर्ति यादव (एजीएमयूटी कैडर) को सर्वश्रेष्ठ आउटडोर प्रोबेशनर के लिए आईपीएस एसोसिएशन की स्वॉर्ड ऑफ ऑनर दी जाएगी। मंधारे सोहम सुनील (तेलंगाना कैडर) को इक्विटेशन के लिए टोंक कप मिलेगा। अश्विनी एस (तमिलनाडु कैडर) को पुलिस विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए ट्रॉफी दी जाएगी।

वरुण के गौड़ा (नागालैंड) को कानून में उत्कृष्टता के लिए मणिपुर कप और मनोज कुमार (मध्य प्रदेश) को कंप्यूटर अध्ययन में उत्कृष्टता के लिए एनसीआरबी ट्रॉफी दी जाएगी। आउटडोर विषयों में रिगजेन चोफेल (रॉयल भूटान पुलिस) को दक्षता के लिए बीएसएफ ट्रॉफी और कीर्ति यादव (एजीएमयूटी) को सर्वश्रेष्ठ महिला प्रोबेशनर के लिए एसवीपीएनपीए निदेशक ट्रॉफी दी जाएगी।

सगुन खड़का (नेपाल पुलिस) को फेज–ख में सर्वश्रेष्ठ विदेशी अधिकारी प्रशिक्षु के लिए निदेशक की ट्रॉफी दी जाएगी।

77 आरआर दीक्षांत परेड के परेड कमांडर अंजित ए नायर (तमिलनाडु कैडर) होंगे, जो प्रशिक्षण के दौरान उनके नेतृत्व और उत्कृष्टता को दर्शाता है।

अब तक एसवीपीएनपीए द्वारा कुल 6,476 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें 380 विदेशी अधिकारी शामिल हैं, जो नेपाल, भूटान, मालदीव, मॉरीशस आदि देशों से हैं।

27वां जीवन विद्या सम्मेलन 30 से बांदा में

जीवन को समझने का एक विशेष अवसर

बांदा, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांदा जिले के बड़ोखर खुर्द ग्राम में स्थित प्रेम सिंह की बगिया में 30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक 27वां जीवन विद्या सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देशभर से जीवन विद्या के अभ्यासी, किसान और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागी शामिल होंगे।आयोजकों ने बताया कि यह सम्मेलन केवल ज्ञान देने वाला कार्यक्रम नहीं है, बल्कि जीवन को समझने और जीने का उत्सव है। इस आयोजन की खासियत यह है कि यहाँ जीवन विद्या के सिद्धांतों को केवल बताया नहीं जाएगा, बल्कि प्रतिभागी उसे व्यवहार में अनुभव भी करेंगे।यहाँ प्रतिभागी जीवन विद्या के दर्शन को सुनने के साथ–साथ उसे जीते हुए देखेंगे और अनुभव करेंगे। यह स्थल एक जीवित प्रयोगशाला की तरह होगा।कार्यक्रम में आरामदायक आवास, उत्तम भोजन और उच्च गुणवत्ता वाले मंच की व्यवस्था की गई है ताकि प्रतिभागी बिना किसी असुविधा के पूरे कार्यक्रम का आनंद ले सकें।प्रतिभागियों को उन ग्रामीणों से मिलने का अवसर मिलेगा जिन्होंने जीवन विद्या को अपनाकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं।यह आयोजन रिश्तों, विचारों और जीवन के हर पहलू में स्पष्टता और आनंद खोजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।आयोजक प्रेम सिंह भैया और उनकी टीम ने सभी इच्छुक लोगों से इस सम्मेलन में भाग लेकर जीवन विद्या के वास्तविक अनुभव को साझा करने की अपील की है।

दीपावली के मद्देनज़र मिठाई दुकानों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए जीएचएमसी का विशेष निरीक्षण अभियान

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आगामी दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) ने बुधवार को मिठाई दुकानों में गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष निरीक्षण अभियान शुरू किया है।

यह पहल जीएचएमसी आयुक्त के निर्देशों के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से की जा रही है, जो नियमित साप्ताहिक औचक निरीक्षणों के बाद शुरू की गई है।

जीएचएमसी के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने अपने–अपने सर्कलों में औचक निरीक्षण किए हैं और अब तक 27 मिठाई दुकानों की जांच की जा चुकी है, जबकि अन्य क्षेत्रों में यह अभियान जारी है।

निरीक्षण के दौरान जिन दुकानों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और नियम एवं विनियम, 2011 का उल्लंघन पाया गया, उन्हें सुधार के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। गंभीर उल्लंघनों के मामलों में संबंधित निर्णय अधिकारी के समक्ष न्यायिक कार्यवाही शुरू की जाएगी।

दुकानदारों को खाद्य तैयारियों में सख्त स्वच्छता मानकों का पालन करने और रसोई परिसर को साफ रखने की सलाह दी गई है। खाद्य वस्तुओं की उचित लेबलिंग, जिसमें निर्माण तिथि और शेल्फ लाइफ शामिल है, प्रदर्शन काउंटरों पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जानी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान देखे गए सामान्य उल्लंघनों में कीट नियंत्रण की कमी, खाद्य तैयारी में बिना परीक्षण किए गए पानी का उपयोग, टिफिन सेक्शन में टूटी हुई फर्श, कर्मचारियों के लिए चिकित्सा रिकॉर्ड की अनुपस्थिति, प्रदर्शन क्षेत्रों में मक्खियों का संक्रमण, गंदे ओवन और उचित स्वच्छता उपायों के बिना काम कर रहे खाद्य हैंडलर्स शामिल हैं। जीएचएमसी ने ऑपरेटरों को इन मुद्दों को तुरंत ठीक करने की चेतावनी दी है ताकि त्योहार के मौसम में मिठाइयों का सुरक्षित उपभोग सुनिश्चित किया जा सके।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 22^0

शेयर मार्केट

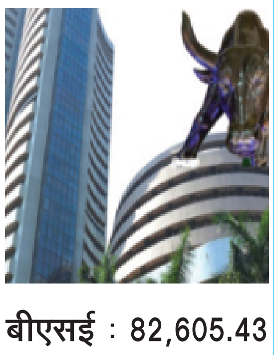

बीएसई : 82,605.43
+575.45 +0.70% ↑
एनएसई :25,323.55
178.05 (0.71%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,30,580/–
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,80,120/–
(प्रति किलोग्राम)

पत्रकारों के कल्याण को प्राथमिकता दे रही तेलंगाना सरकार, जल्द जारी होगी मान्यता नीति

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में पत्रकारों के कल्याण को सुदृढ़ करने के लिए कदम उठा रही है। यह जानकारी राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने दी।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए नियम और विनियम तैयार किए जा रहे हैं कि सरकार की कल्याणकारी योजनाएं सभी पात्र पत्रकारों तक पहुँचें।

बुधवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में मंत्री ने मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी, सूचना एवं जनसंपर्क आयुक्त सीएच प्रियंका और सीपीआरओ मालसुर के साथ आगामी पत्रकार मान्यता नीति पर चर्चा की।

मंत्री पोंगुलेटी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे एक वैज्ञानिक और पारदर्शी मान्यता नीति तैयार करें जो पात्र पत्रकारों की गरिमा की रक्षा करे।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इस महीने के अंत तक नीति और प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दिया जाए ताकि मान्यता कार्डों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जा सके, ऐसा एक आधिकारिक बयान में कहा गया।

सरकारी बाल गृह का बाल अधिकार आयोग द्वारा निरीक्षण

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने आज सैदाबाद स्थित सरकारी बाल गृह में बच्चों की जीवन स्थितियों, कल्याण और सुरक्षा का आकलन करने के लिए व्यापक निरीक्षण और जांच की।निरीक्षण के दौरान आयोग के सदस्य और स्टाफ ने बच्चों और संस्थान के कर्मचारियों से सीधे बातचीत की ताकि देखभाल की गुणवत्ता और बाल कल्याण मानकों के पालन की समीक्षा की जा सके।इस निरीक्षण का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना और बाल गृहों से संबंधित सभी मानकों का अनुपालन करना था।आयोग ने संस्थान की सुविधाओं की समीक्षा की, देखभाल की प्रक्रियाओं की जांच की और बच्चों व स्टाफ से फीडबैक प्राप्त किया ताकि सभी निवासियों के लिए एक सुरक्षित और पोषक वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।अपने अवलोकनों और बातचीत के आधार पर आयोग एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रहा है जिसमें निष्कर्ष और सिफारिशें शामिल होंगी। यह रिपोर्ट महिला एवं बाल कल्याण सचिव को आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत की जाएगी, ऐसा एक आधिकारिक बयान में कहा गया।

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No JC 732207A Sub Maj ARUMUGAM K of Unit:Adm.Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o. 56 APO that my mother name and DOB is to be changed from CHINNAKULANTHAI, DOB:12-08-1943 to CHINNAKUZHANTHAIYAMMAL K, DOB:01-07-1934 and daughter name is to be changed from A SUJITHA to SUJITHA A.

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा, जो आपको तनाव दे सकता है। कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़-भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी। आपका जीवनसाथी बिना जाने कुछ ऐसा ख़ास काम कर सकता है, जिसे आप कभी भुला नहीं पाएंगे। लोगों के बीच रहकर सबका सम्मान करना आपको आता है इसलिए आप भी सबकी नजरों में अच्छी छवि बना पाते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। जरुरी कामों को समय न देना और फिज़ूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। आज किसी सामाजिक काम में हिस्सेदारी करके आपको अच्छा महसूस होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है इसलिए साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है। यदि आप किसी खेल में महारत रखते हैं तो आज के दिन आपको वो खेल खेलना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़, थोड़ी छेड़-छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। हालांकि किसी भी चीज़ की अति नुक़सानदेह है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। इस राशि के युवाओं को आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनाव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है- जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। समय को व्यर्थ गँवाने की बजाय आज किसी विदेशी भाषा को सीखना आपके वार्तालाप के तरीक़ों में वृद्धि कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। बच्चों को साथ समय का पता नहीं चलता आज आप भी अपने बच्चों के साथ वक्त बिताकर यह जान जाएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है। अगर आज कुछ अधिक करने को नहीं है तो अपने घर के सामानों को दुरुस्त करके आप अपने को व्यस्त रख सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है- क्योंकि जल्दी ही आपको आपका जीवन-साथी मिलने वाला है। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सकें और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करें। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का असली स्वाद चख सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। ग़लतफ़हमी के लम्बे दौर के बाद इस शाम आपको जीवनसाथी के प्यार का तोहफ़ा नसीब होगा। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 अक्टूबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी प्रात: 10:37 तक
नक्षत्र : आश्लेषा दोपहर 12:42 तक
योग : शुभ रात्रि 02:10 तक
करण : विष्टि प्रात: 10:37 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 12:42 तक
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 05:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:00 (बेंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 05:52 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00 सूर्यास्त 05:45 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कार्तिक मासे दीप-दानम् , भद्रा प्रात: 10:36 तक , गण्डमूल चालू है

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जैसलमेर बस हादसा

एक और घायल बच्चे की मौत, हादसे में मरने वालों की संख्या 21 हुई

सीएम भजनलाल ने की घायलों से मुलाकात

जयपुर/जैसलमेर ,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के जैसलमेर में मंगलवार को एक बस में आग लगने की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आर्मी स्टेशन के पास जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर चलती बस में अचानक भड़की आग ने 21 यात्रियों की जान ले ली। यह भयावह दुर्घटना मंगलवार 14 अप्रैल की दोपहर जैसलमेर में हुई, जिसने पूरे राज्य को स्तब्ध कर दिया. हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मौके पर मारे गए 19 मृतकों के शव इस कदर जल चुके हैं कि उनकी पहचान अब केवल डीएनए जांच के जरिए ही संभव है। हादसे की जानकारी मिलते ही, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री देर रात चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, राज्यमंत्री केके बिश्नोई और शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी के साथ विशेष विमान से जैसलमेर से जोधपुर पहुंचे. उन्होंने महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती गंभीर रूप से घायल 15 यात्रियों से मुलाकात की, जिनका बर्न यूनिट में इलाज चल रहा है. दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि घायलों में से एक ने अस्पताल लाते समय दम तोड़ दिया था. लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सहित कई नेताओं ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया। जिला प्रशासन ने राहत कार्य शुरू कर दिए हैं और डीएनए जांच के जरिए मृतकों की पहचान की प्रक्रिया चल रही है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने एक्स पोस्ट में लिखा, जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर बस में आग लगने से हुई जनहानि अत्यंत हृदय विदारक है। इस हादसे में अपनों को खोने वाले परिजनों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें, तथा अधिक से अधिक यात्रियों की रक्षा करें।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी हादसे पर दुख जताया। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पोस्ट में लिखा, राजस्थान के जैसलमेर में बस में आग लगने की दुखद घटना में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

हादसे पर पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी ने भी दुख जताया। उन्होंने इस घटना को हृदय विदारक और दुखद बताते हुए कहा कि इस हादसे ने पूरे देश और प्रदेश को व्यथित कर दिया है। जब उन्हें इस घटना की जानकारी मिली तो वे भी स्तब्ध रह गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिला प्रशासन से राहत-बचाव कार्य की जानकारी ली। इस दर्दनाक हादसे में मौके पर ही 19 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक गंभीर रूप से घायल यात्री को जोधपुर रेफर किया गया था, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

उन्होंने आगे कहा कि मृतकों के शव बुरी तरह जल चुके हैं, जिसके कारण पहचान करना मुश्किल हो रहा है। प्रशासन ने डीएनए जांच के जरिए शवों की पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू की है। इस त्रासदी से परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और पूरा प्रदेश उनके साथ खड़ा है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण शॉर्ट सर्किट सामने आया है, हालांकि विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक कारणों का खुलासा होगा। जिला प्रशासन और राहत दलों की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मौके पर पहुंचकर दमकल विभाग ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि पूरी बस कुछ ही मिनटों में राख हो गई।

उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने जैसलमेर से जोधपुर जा रही बस में आग लगने की घटना पर कहा, यह बहुत दुखद घटना है, इसमें 20 लोगों की मौत हो गई है। हमारी सरकार उनके साथ है। मुख्यमंत्री उस घटनास्थल पर गए और घायलों के इलाज के निर्देश दिए।

राज्य सरकार आगे आकर जैसलमेर बस दुखांतिका की गहन जांच करवाए : गहलोत

जोधपुर,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को जोधपुर में महात्मा गाँधी अस्पताल में मंगलवार को जैसलमेर में हुए बस हादसे के घायलों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की तथा चिकित्सकों से उनके इलाज की जानकारी ली।परिजनों से मिलने के पश्चात गहलोत ने बताया कि परिजन परेशान हैं कि उन्हें कोई बताने वाला नहीं है कि डीएनए टेस्ट कब पूरा हो जाएगा और इस बात से वो लोग बहुत आक्रोशित हैं, वो मांग कर रहे हैं हमें बॉडी दो हमारी, मालूम नहीं कौन सी बॉडी हमारी है, तो डीएनए टेस्ट से मालूम होगा वो टेस्ट जल्दी होना चाहिए ये उनकी मांग है गहलोत ने शोकाकुल परिजनों की मांग के बारे में बताया। गहलोत ने बताया कि उन्होंने इस हादसे में मुआवजा जारी करने एवं परिजनों से परिवार का बेहतर संपर्क स्थापित करने के संबंध में फोन पर बात की। गहलोत ने जोधपुर प्रशासन के संबंधित अधिकारियों की भी सर्किट हाउस में बैठक ली।

जैसलमेर बस अग्नि दुखान्तिका पर सरकार सख्त दो मोटर वाहन निरीक्षक निलंबित, 11 बसें जब्त

जयपुर,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जैसलमेर जिले के थईयात गांव के पास मंगलवार को बस में लगी भीषण अग्नि दुर्घटना एवं जयपुर में बाल वाहिनी द्वारा दुर्घटना करने के मामले को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है। इस प्रकरण में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विस्तृत समीक्षा कर परिवहन विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त को सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर परिवहन विभाग द्वारा दुर्घटनाग्रस्त वाहन संख्या आरजे 09 पीए 8040 (स्लीपर बस) की प्राथमिक जाँच में सामने आया कि अग्नि दुर्घटना में शामिल वाहन का पंजीयन, फिटनेस, बीमा एवं परमिट वैध था लेकिन वाहन में बस बॉडी मानक एआईएस 119 की पालना नहीं की गई थी। इस बस का पंजीयन जिला परिवहन अधिकारी, चित्तौडगढ़ के कार्यालय से 1 अक्टूबर 2025 को किया गया था।

प्रभारी मंत्री मदन दिलावर घायलों से मिले

जोधपुर।,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जिले के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर बुधवार को जैसलमेर बस दुखांतिका में घायल हुए यात्रियों से मिलने महात्मा गांधी अस्पताल के बर्न यूनिट पहुंचे। दुख की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ितों के साथ है। महात्मा गांधी अस्पताल के बर्न यूनिट में भर्ती घायलों की कुशलक्षेम पूछते हुए उन्होंने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। परिजनों से बातचीत के दौरान दिलावर ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह समय पूरे प्रदेश को एक सूत्र में बाँधने का है। राज्य सरकार इस दुःख की घड़ी में प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है।प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार का हर विभाग राहत और सहयोग के कार्यों में सक्रिय है तथा पीड़ितों को हरसंभव सहायता दी जा रही है।

चुनाव व्यय पर निगरानी रखने के लिए व्यय पर्यवेक्षक तैनात किए गए

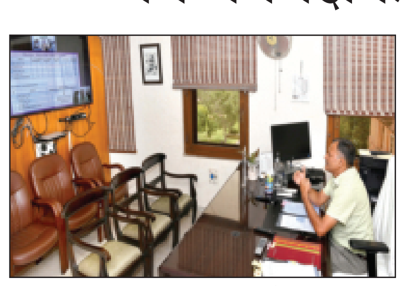

जयपुर,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत निर्वाचन आयोग ने 6 अक्टूबर, 2025 को बिहार विधान सभा के आम चुनाव और 8 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि आयोग ने धनबल, मुफ्तखोरी, नशीले पदार्थों, ड्रग्स और शराब के अवैध उपयोग को रोकने के लिए सभी संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव में उम्मीदवारों के चुनावी खर्च की प्रभावी निगरानी के लिए व्यय पर्यवेक्षक नामित किए गए हैं। निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न प्रवर्तन एजेंसी चुनाव अधिसूचना के दिन से सक्रिय हैं। मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों पर नजर रखने हेतु उड़न दस्ते, निगरानी दल और वीडियो निगरानी टीमें चौबीसों घंटे सतर्क रहेंगी।

निर्वाचन आयोग ने चुनाव अवधि के दौरान एफएस, एसएसटी एवं प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई जब्ती और अवरोधन की रिपोर्टिंग के लिए ऑनलाइन प्रणाली इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम (ईएसएमएस) भी सक्रिय कर दी है।

आयोग ने प्रवर्तन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे जांच और निरीक्षण के दौरान उपचुनाव क्षेत्र में आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न पहुंचाएं।

साथ ही, अंता विधानसभा क्षेत्र से आम नागरिक किसी भी उल्लंघन की सूचना सी-विजिल ऐप के माध्यम से दे सकते हैं। महाजन ने बताया कि आईआरएस अधिकारी मुकेश राठौड़ को अंता उपचुनाव-2025 के लिए व्यय पर्यवेक्षक नामित किया गया है। अब तक अंता विधानसभा क्षेत्र में 2 करोड़ 45 लाख रूपए की कीमत की जब्ती की गयी। जिसमें राज्य पुलिस विभाग द्वारा 2 करोड़ 38 लाख, राज्य आबकारी विभाग द्वारा 6 लाख तथा अन्य विभागों द्वारा लगभग 1 लाख रुपए की कीमत की जब्ती शामिल है।

अंता में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

बारां,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अन्ता विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया की नामांकन रैली एवं जनसभा अन्ता की कृषि उपज मण्डी पर सम्पन्न हुई जिसमें राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, एआईसीसी के राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, एआईसीसी महासचिव जितेन्द्र सिंह, सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस विधायक, सांसद, विधायक प्रत्याशी, सांसद प्रत्याशियों सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता तथा आमजन शामिल हुए। इस अवसर पर जनसभा में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि 2023 के आमचुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेशवासियों को भ्रमित कर सरकार बना ली लेकिन आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति अन्ता से चुनाव जीते किन्तु अपराध साबित होने पर माननीय न्यायालय से सजा होने के कारण भाजपा विधायक की विधानसभा सदस्यता चली गई और आज उपचुनाव हो रहे है। उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी एवं आलाकमान ने प्रत्याशी के रूप में प्रमोद जैन भाया को उतारा क्योंकि समस्त हाड़ौती से जन-जन की पुकार थी कि जनसेवा में हमेंशा लगे रहने वाले प्रमोद जैन भाया को ही उम्मीदवार बनाया जाए। उन्होंने कहा कि यह समय और मौका है जब सभी को चेतना होगा और भारतीय जनता पार्टी के कुशासन के विरूद्ध मतदान करना होगा क्योंकि यदि इस समय मौका चूके तो भाजपा की सरकार पूरी तरह से बेलगाम हो जाएगी।

सभी कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता दिन-रात लग कर पार्टी को जिताने हेतु कार्य करेंगे और जनता के बीच जाकर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए भाजपा के कुशासन को उजागर करेंगे। अन्ता की जनता के दुख, तकलीफों में हमेशा कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया शामिल रह कर उन तकलीफों को दूर करने का प्रयास करते रहे है किन्तु अब भाजपा शासन में यह कसक जनता महसूस कर रही है कि जनता के बीच रहने वाला जनप्रतिनिधि सिर्फ प्रमोद जैन भाया ही हो सकता है।

वाई पूरन कुमार का हुआ अंतिम संस्कार, बेटियों ने दी मुखाग्नि

चंडीगढ़,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार का अंतिम संस्कार बुधवार को किया गया। दोपहर 3 बजे उनकी अंतिम यात्रा सेक्टर-24 स्थित आवास से शुरू हुई और लगभग 4 बजे सेक्टर-25 के श्मशान घाट पहुंची। वहां पुलिस टुकड़ी ने सलामी दी, और बड़ी संख्या में उपस्थित पुलिस, प्रशासन और सरकारी प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उनकी दोनों बेटियों ने मुखाग्नि दी। यहां उनकी पत्नी, आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार, कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, श्याम सिंह राणा, एसीएस गृह सुमिता मिश्रा, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, नव नियुक्त डीजीपी ओपी सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

इससे पहले, सुबह पूरन कुमार के आत्महत्या के नौवें दिन चंडीगढ़ के पीजीआई में उनका पोस्टमॉर्टम किया गया। मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की गई, जिसमें लगभग चार घंटे का समय लगा। उसके बाद दोपहर में एम्बुलेंस से उनके पार्थिव शरीर को सेक्टर-24 स्थित आवास पर लेकर जाया गया।पुलिस ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पूरन कुमार ने अपनी सर्विस पिस्तौल से खुद को गोली मार ली और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने नौ पन्नों का एक 'अंतिम नोट' छोड़ा है जिसमें 15 वर्तमान और पूर्व अधिकारियों के नाम हैं, जिससे राज्य पुलिस के शीर्ष अधिकारी जातिवाद और पक्षपात के आरोपों के घेरे में आ गए हैं। इस घटना के बाद हरियाणा सरकार ने तत्काल कदम उठाए। डीजीपी शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेज दिया गया और उनकी जगह ओपी सिंह को कार्यवाहक डीजीपी बनाया गया।

हरियाणा सरकार में सब कुछ ठीक नहीं: शैलजा

चंडीगढ़,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा में पुलिस अधिकारी के सुसाइड मामले को लेकर कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने हरियाणा सरकार पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक अधिकारी सुसाइड कर रहे हैं, इसका मतलब यह है कि हरियाणा सरकार में सबकुछ ठीक नहीं है। राजधानी दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने हरियाणा पुलिस के एएसआई संदीप कुमार की आत्महत्या मामले में राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह घटना हरियाणा सरकार की विफलता को उजागर करती है, जहां अधिकारी सिस्टम पर भरोसा खो चुके हैं। एएसआई संदीप की मौत आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या के एक सप्ताह बाद हुई है, जिससे पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार और दबाव के आरोपों ने जोर पकड़ लिया है। कुमारी शैलजा ने कहा कि हम शुरू से कह रहे हैं कि यह बहुत गंभीर मामला है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के

चौथे दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को दी उपाधियां

चंडीगढ़,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे सुधारों पर बल दे रही है, जिनसे युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी मिलें और वे समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। प्रदेश सरकार ने बिना पर्ची-खर्ची के अब तक 1.80 लाख युवाओं को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी हैं और तीसरे कार्यकाल में 2 लाख नौकरियों का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कड़ी मेहनत करते रहे, उनकी मेहनत अवश्य रंग लाएगी। मुख्यमंत्री बुधवार को रोहतक में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर के चौथे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को पदक एवं उपाधियां प्रदान की। नायब सिंह सैनी ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी शिक्षण संस्थान के गौरव और उपलब्धि का प्रतीक होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2012 में स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय का चौथा दीक्षांत समारोह इस पावन भूमि की ज्ञान-परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी जी के मार्गदर्शन की सराहना की और बताया कि 1957 में महंत श्रेयोनाथ जी महाराज द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ आयुर्वेदिक महाविद्यालय आज एक विशाल विश्वविद्यालय का रूप ले चुका है, जहां आयुर्वेद से लेकर इंजीनियरिंग, कानून, नर्सिंग और मानविकी जैसे विविध क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान की जा रही है।

2025-26 खरीफ धान की खरीद की व्यवस्था की जाए : उत्तम कुमार रेड्डी

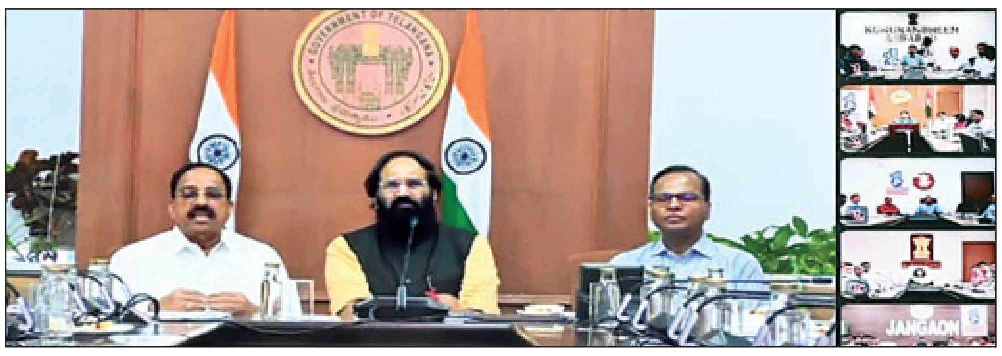

आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के नागरिक आपूर्ति एवं सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि 2025-26 खरीफ सीजन से संबंधित धान की खरीद के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए। राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, नागरिक आपूर्ति, कृषि, परिवहन, एफ.सी.आई. और विभागीय आयुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टरों, अतिरिक्त कलेक्टरों, नागरिक आपूर्ति, विपणन, सहकारिता, ग्रामीण विकास, कृषि, परिवहन और पुलिस विभागों के साथ खरीफ सीजन की धान खरीद प्रक्रिया की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।इस अवसर पर बोलते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य में खरीफ 2025-26 सीजन के धान की खरीद के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए। उन्होंने बताया कि राज्य भर में 8,342 क्रय केंद्र स्थापित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) डेविड, कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव सहित नागरिक आपूर्ति, कृषि, विपणन और परिवहन विभागों के अधिकारी जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल से बैठक में शामिल हुए।इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में खरीफ 2025-26 सीजन में 44 हजार मीट्रिक टन धान उत्पादन होने की संभावना है और जिले में 40 क्रय केंद्र (आईकेपी के तत्वावधान में 22 और प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के तत्वावधान में 18) स्थापित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस महीने की 24 तारीख तक सभी क्रय केंद्र खोलने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और लगभग 30 हजार मीट्रिक टन धान क्रय केंद्रों तक पहुँचने की संभावना है।उन्होंने बताया कि ए ग्रेड धान का मूल्य 2,389 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य किस्म का 2,369 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, तथा पतली किस्म के धान पर 500 रुपये का बोनस दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्रय केंद्रों पर पेयजल, छाया, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनें, गन्ना बोरा, धान सफाई मशीनें, ड्रायर, नमी मापने वाली मशीनें और टैब मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।उन्होंने बताया कि हार्वेस्टर वाहनों के मालिकों के साथ बैठक की जाएगी और कृषि विभाग व केंद्रों के प्रबंधकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों के समन्वय से जिले में शांतिपूर्ण माहौल में धान क्रय कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम में जिला विपणन अधिकारी अश्वाक अहमद, कृषि विभाग अधिकारी वेंकट, जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ता राव, नागरिक आपूर्ति विभाग अधिकारी स्वामी, सादिक, संबंधित अधिकारी व अन्य शामिल हुए।

मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण कार्य में और तेजी लाई जाए : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल ज़िला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकार ज़िले के हाजीपुर मंडल के गुडीपेट में बन रहे सरकारी मेडिकल कॉलेज भवन के निर्माण कार्य में और तेज़ी लाने के लिए ठोस कदम उठाए।

गुडीपेट में निर्माणाधीन सरकारी मेडिकल कॉलेज के कार्यों का बुधवार को उन्होंने निरीक्षण किया। इस अवसर पर ज़िला कलेक्टर ने कहा कि ज़िले के लोगों को शीघ्र बेहतर चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डॉक्टरों और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसी क्रम में 216 करोड़ रुपये की लागत से सरकारी मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य समय पर पूरा करने के लिए आपसी समन्वय से कार्य करें।

बाद में, उन्होंने ज़िला केंद्र में कॉलेज रोड पर बन रहे सरकारी अस्पताल के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया और ठेकेदारों के साथ बैठक कर काम में और तेज़ी लाने व इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

नि:शुल्क नेत्र उपचार शिविर का आयोजन 24 को

चेन्नूर, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायंस क्लब के तत्वावधान में इस महीने की 24 तारीख, शुक्रवार को एक निःशुल्क नेत्र उपचार शिविर का आयोजन किया जाएगा। संबंधित दीवार पोस्टर का अनावरण चेन्नूर के तहसीलदार मल्लिकार्जुन और उप तहसीलदार सनथ ने किया।

लायंस क्लब ऑफ चेन्नूर के अध्यक्ष लायन जेडी तिरुपति ने बताया कि यह शिविर सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक कृष्णमूर्ति कॉम्प्लेक्स, पश्चिम (लाइम ट्री), चेन्नूर में नए बस स्टैंड के पीछे, बंधन बैंक के सामने आयोजित किया जाएगा। चेन्नूर और आसपास के क्षेत्रों के लोग इसका लाभ उठा सकते हैं।इस कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष लायन निम्माला सागर, ज़ोन चेयरपर्सन मोडुमपुरम वेंकटेश्वर, लायन प्रताप सिंह, अन्य लोग उपस्थित थे।

अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध अधिग्रहण!

2.09 एकड़ भूमि मामले में जांच जारी

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में रियल एस्टेट कारोबारी, अवैध तत्व और अधिकारी मिलकर बेशकीमती सरकारी जमीनों को हड़प रहे हैं। जिला मुख्यालय में नगरपालिका और अन्य सरकारी संपत्तियों को हथियाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

कुछ दिन पहले बड़े रियल एस्टेट कारोबारियों ने राजस्व और सर्वेक्षण अधिकारियों के साथ मिलकर रणधीरनगर स्थित स्टेट बैंक में गिरवी और प्रवर्तन विभाग के अधीन करोड़ों रुपये की 2.09 एकड़ जमीन अपने नाम करवा ली थी। पुलिस ने रियल एस्टेट कारोबारियों समेत दस लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है।

आदिलाबाद शहर के कुछ रियल एस्टेट व्यापारियों और जमीन हड़पने वालों को सरकारी जमीनों, विवादित जमीनों और अन्य संपत्तियों की अच्छी जानकारी है। बड़े रियल एस्टेट व्यापारियों से जुड़े लोग अपना काम करवाने के लिए रोजाना राजस्व और सर्वेक्षण कार्यालयों के चक्कर काटते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों की मदद से वे विभिन्न जमीनों का ब्योरा हासिल कर लेते हैं।

रणधीरनगर में 2.09 एकड़ जमीन जब प्रवर्तन विभाग के नियंत्रण में थी, तब रियल एस्टेट व्यापारियों ने उसे अपने नाम पर दर्ज करवा लिया। बाद में सर्वेक्षण अधिकारियों की मदद से उन्होंने एक अतिरिक्त सेटवार तैयार करवा लिया।

जमीनों का विवरण और सीमा बताने वाले अभिलेखों को सेटवार कहते हैं। जमीनों की खरीद-फरोख्त से जुड़ी समस्याओं के समाधान और सर्वेक्षण व भूमि विभाग के पास 1950 से पहले मौजूद सेटवार अभिलेखों के आधार पर उन्हें फिर से बनाने की प्रक्रिया को पूरक सेटवार माना जाता है।

पता चला है कि सर्वेक्षण अधिकारियों ने रियल एस्टेट कारोबारियों की मदद के लिए इन अभिलेखों में छेड़छाड़ की है। आदिलाबाद शहरी तहसीलदार कार्यालय में पंजीकरण के बाद सर्वेक्षण अधिकारियों ने जमीन से जुड़ी पूरक सेटवार तैयार की।

पुलिस इस मामले में पूरक सेटवार देने वाले अधिकारियों और कब्जेदारों की मदद करने वाले लोगों की जांच कर रही है।

अपराध नियंत्रण हेतु समन्वित एवं योजनाबद्ध कार्रवाई की जाए : अंबर किशोर

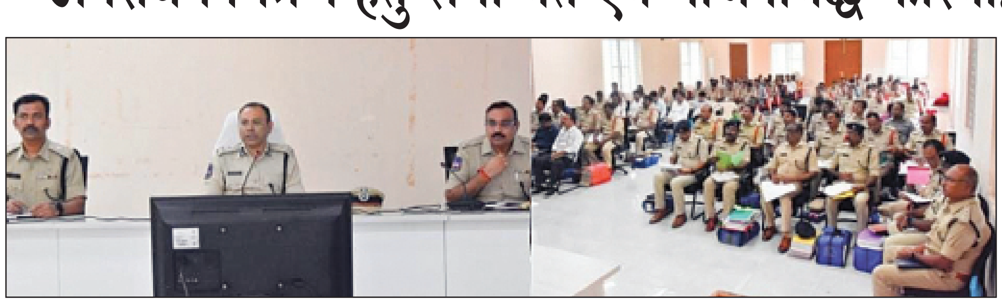

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सितंबर माह की अपराध समीक्षा के अंतर्गत बुधवार को पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने आयुक्तालय कार्यालय में पेद्दापल्ली एवं मंचेरियाल अंचल के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। इस बैठक में पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (प्रशासन), सहायक पुलिस आयुक्त, निरीक्षक एवं उपनिरीक्षक उपस्थित थे।पुलिस आयुक्त ने सर्वप्रथम पुलिस आयुक्तालय के अधिकारियों से थाना, संभाग एवं अंचल स्तर पर अपराधियों की गिरफ्तारी, विवेचना, साक्ष्य संकलन एवं आरोप पत्र से संबंधित लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने थाना-वार विस्तृत समीक्षा करते हुए रामागुंडम पुलिस आयुक्तालय में दर्ज गंभीर प्रकरणों, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, संपत्ति अपराध, पॉक्सो प्रकरण, गुमशुदगी, गांजा, साइबर अपराध, आत्महत्या और सड़क दुर्घटना जैसे मामलों की प्रगति पर चर्चा की। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि पूर्व में हुई त्रुटियों से सबक लेते हुए भविष्य में प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु प्रभावी कदम उठाए जाएँ। साथ ही अपराध नियंत्रण के लिए समन्वित एवं योजनाबद्ध रणनीति अपनाई जाए।उन्होंने यह भी कहा कि जांच की गुणवत्ता और सुलझाए गए मामलों का प्रतिशत बढ़ाया जाना चाहिए। अपराधों से संबंधित विवेचनाओं को त्वरित गति से संचालित करते हुए न्यायालय को समुचित साक्ष्य उपलब्ध कराए जाएँ ताकि अभियुक्तों को न्यायालय में सजा मिल सके।

छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कार्य करे : खुशबू गुप्ता

आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्नूर समग्र आदिवासी विकास संगठन की परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने एक बयान में कहा कि छात्रों को अपने कल्याण और भविष्य को ध्यान में रखते हुए ड्यूटी पर आना चाहिए। उन्होंने बताया कि आदिवासी कल्याण छात्रावासों में अंशकालिक/दैनिक वेतन पर काम करने वाले 220 कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुए हैं और उनके खातों में तीन महीने का वेतन जमा कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि दशहरा की छुट्टियों के बाद इस महीने की 4 तारीख को स्कूल खुलने के बाद से कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं आए हैं, इसलिए बाहर से आए लोग अस्थायी रूप से छात्रों के लिए खाना पकाने, स्वच्छता और छात्रों के कल्याण का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि वेतन देने के बाद भी कुछ कर्मचारी बिना पूर्व अनुमति और उच्च अधिकारियों को सूचित किए हड़ताल जारी रखे हुए हैं। कर्मचारियों को ड्यूटी से नहीं हटाया गया है और उन्हें केवल यह सूचित किया गया है कि उन्हें पूर्व अनुमति के बिना ड्यूटी पर आने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि चूँकि कर्मचारी आदिलाबाद, मंचेरियाल और निर्मल जिलों में ड्यूटी पर हैं, इसलिए उन्हें छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अनुमति लेकर ड्यूटी पर आना चाहिए।

सीपीआर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल में ज़िला कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर के तत्वावधान में सीपीआर (कार्डियोपल्मनरी रिससिटेशन) पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ज़िला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. अनीता ने प्रजावाणी कार्यक्रम में भाग लेने वाले ज़िला अधिकारियों और उपस्थित लोगों को सीपीआर सप्ताह के महत्व की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन ज़िला सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों - डॉ. श्रीलता, डॉ. प्रत्यूषा, डॉ. कोटेश्वर राव (डीसीएच), डॉ. सुधाकर नायक (उप ज़िला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी), डॉ. प्रसाद (कार्यक्रम अधिकारी), डॉ. शिव प्रताप तथा 108 समन्वयक संपत प्रशांति, डीपीओ नामदेव, सीएचओ पद्मा, डीपीएचएन, ज़िला सरकारी अस्पताल के कर्मचारी, ज़िला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय के कार्मिक तथा ज़िला मास मीडिया अधिकारी बुक्का वेंकटेश्वर द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को सीपीआर करने की विधि एवं उसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनता और सरकारी अधिकारियों में जीवन-रक्षक तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

मवेशियों को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए टीका लगवाना आवश्यक : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले के डेयरी पालकों को अपने मवेशियों को खुरपका-मुँहपका रोग से बचाव के लिए अनिवार्य रूप से टीका लगवाना चाहिए। बुधवार को उन्होंने आसिफाबाद मंडल के अंकुशपुर गाँव स्थित पशु चिकित्सा उप-केंद्र में पशु चिकित्सा एवं समसामयिकी विभाग द्वारा आयोजित खुरपका-मुँहपका रोग टीकाकरण वितरण कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ भाग लिया और स्वयं मवेशियों को टीका लगाया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि पशुपालकों को अपने मवेशियों को खुरपका-मुँहपका रोग से सुरक्षित रखने के लिए कोई भी पशु टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम डेयरी पालकों के कल्याण के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारी वर्षा के कारण मवेशियों में बीमारियाँ बढ़ी हैं और लंगड़ापन उनमें से एक प्रमुख समस्या है, इसलिए सभी पशुपालकों को समय पर टीकाकरण करवाना चाहिए। जिला कलेक्टर ने यह भी सुझाव दिया कि पशुपालक अपने नज़दीकी पशु चिकित्सा अधिकारियों के मोबाइल नंबर अपने पास रखें ताकि किसी आपात स्थिति में त्वरित मदद मिल सके।

इसके बाद, वेंकटेश धोत्रे ने पशुपालकों को मल्टी-मिक्स पाउडर के पैकेट वितरित किए, जो पशुओं को अतिरिक्त पोषण और शक्ति प्रदान करते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय पशु रोग निवारण कार्यक्रम की दीवार प्रतियों का भी अनावरण किया।

इस कार्यक्रम में जिला पशु चिकित्सा एवं पशुपालन अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार, चिकित्सक, पशुपालक एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध रेत परिवहन पर जिला प्रशासन की सख्ती

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीजीएमडीसी मंचेरियाल एवं भूपालपल्ली जिला परियोजना अधिकारी पी. रामकृष्ण ने कहा है कि जिले में अवैध रेत परिवहन को रोकने के लिए संबंधित विभागों के साथ मिलकर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर रेत माफिया के सक्रिय होने और अधिकारियों द्वारा लापरवाही बरतने की खबरें निराधार हैं। जिला प्रशासन के साथ मिलकर व्यापक निरीक्षण किए जा रहे हैं और सीमाई क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है।

परियोजना अधिकारी ने कहा कि निजी लाभ के लिए सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार करने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही होगी।

लाभार्थियों को सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पारदर्शी तरीके से रेत परिवहन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे अप्रासंगिक और झूठे प्रचार पर विश्वास न करें तथा केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर भरोसा करें।

ट्रक की टक्कर में तीन महीने के बच्चे समेत चार की मौत

कामारेड्डी, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में बुधवार को गलत दिशा से आ रही एक ट्रक ने एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे थे।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना जंगमपल्ली में उस समय हुई जब टिप्पर की एक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन से सीधी टक्कर हो गई।पीड़ितों में 54 वर्षीय व्यक्ति, उसकी 28 वर्षीय बेटी और उसके चार वर्ष और तीन महीने के दो पोते-पोतियां शामिल थे।अधिकारी ने बताया कि दो पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शेष दो को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

आसिफाबाद में शिक्षक ने अक्षर न पढ़ पाने वाले बच्चे को पीटा

आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद के एक प्राथमिक सरकारी स्कूल के छात्र को उसके शिक्षक ने इसलिए बेरहमी से पीटा क्योंकि वह अंग्रेजी वर्णमाला पढ़ने में असमर्थ था।

यह घटना मंगलवार, 14 अक्टूबर को कौटाला मंडल के मुथ्यमपेट गांव में घटी।

कार्तिक के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि साई ने उनके बच्चे को इसलिए बुरी तरह पीटा क्योंकि वह वर्णमाला ठीक से नहीं पढ़ पाया था। बच्चे के हाथ-पैरों में गंभीर सूजन आ गई है। उसके माता-पिता ने शिकायत दर्ज कराई है।

करीमनगर में 300 क्विंटल पीडीएस चावल जब्त, तस्करी रैकेट का भंडाफोड़

करीमनगर, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अवैध चावल तस्करी पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, करीमनगर जिले के डुब्बापल्ली गांव में पुलिस ने 300 क्विंटल राशन चावल जब्त किया, जिसे महाराष्ट्र ले जाने के लिए जमा किया जा रहा था।

एक गुप्त सूचना के आधार पर, स्थानीय पुलिस ने अचानक छापा मारा और एक निजी गोदाम में अवैध रूप से रखे गए भारी मात्रा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के चावल बरामद किए। यह चावल, जो कम आय वाले परिवारों में वितरित किया जाना था, कथित तौर पर राज्य की सीमा पार अवैध बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था।

अभियान के दौरान, पुलिस ने गंगाराम नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जिसे तस्करी नेटवर्क का मुख्य व्यक्ति माना जा रहा है। अधिकारियों ने इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने और चावल की खरीद कैसे की गई, यह पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी है।अधिकारियों ने कहा कि सरकारी कल्याणकारी आपूर्ति का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और चेतावनी दी कि राशन चावल की कालाबाजारी को रोकने के लिए करीमनगर और आसपास के क्षेत्रों में गहन निरीक्षण जारी रहेगा।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

संयुक्त राष्ट्र के सैन्य फोरम पर भारत की सैन्य नीतियों पर चर्चा

ऑपरेशन सिंदूर भारत की परिवर्तित नीतियों की मुनादी है

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह भारत की नीतियों के क्रांतिकारी परिवर्तन की सनद है। डीजीएमओ से भारतीय थलसेना के उप प्रमुख बने लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सैद्धांतिक बदलाव आया है। यह बदलाव कहता है कि आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों में कोई अंतर नहीं है। यह केवल सैद्धांतिक बदलाव नहीं बल्कि रणनीतिक बदलाव भी है। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य हमला नहीं था, बल्कि यह भारत के आतंकवाद-रोधी सिद्धांत में एक रणनीतिक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे खुद प्रधानमंत्री मोदी ने देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कहा, आतंकवाद के विरुद्ध हमारी रणनीति में सैद्धांतिक बदलाव आया है। यह बदलाव साफ-साफ कहता है, आतंकवादी हमला युद्ध जैसा ही है। इस पर भारत निर्णायक जवाबी कार्रवाई करेगा और भारत परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों में कोई अंतर नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें पाकिस्तान

ऑपरेशन में सौ से अधिक पाकिस्तानी सैनिक मरे: डीजीएमओ

समर्थित आतंकवादियों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करके 26 पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्हें धर्म पूछ-पूछकर मारा गया था। शुरुआत में एक आतंकी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। लेकिन उन्हें जल्द ही एहसास हो गया कि स्थिति उनके नियंत्रण से बाहर हो गई है और वे तुरंत पीछे हट गए। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि भारत की प्रतिक्रिया अपेक्षित थी, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह सोच-समझ के साथ की गई कार्रवाई थी

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने यह भी खुलासा किया कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में तमाम आतंकी और सैन्य ठिकानों के ध्वस्त होने के साथ-साथ पाकिस्तान के 100 से ज्यादा फौजी भी मारे गए थे। पाकिस्तान ने यह बात छुपा ली। लेकिन पाकिस्तान दिवस पर दिए गए सैन्य पुरस्कारों की सूची में सौ से अधिक उन अधिकारियों और जवानों के नाम हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के दरम्यान मारे गए। उस लिस्ट के सामने आने से यह दुनिया के सामने उजागर हुआ कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी सेना के कितने लोग मारे गए थे।

भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने पाकिस्तान में मरण-ोपरांत दिए गए सैन्य पुरस्कारों की सूची सार्वजनिक की है। डीजीएमओ ने कहा, पाकिस्तान ने 14 अगस्त को अपने पुरस्कारों की सूची जारी की। मरणोपरांत दिए गए पुरस्कारों की संख्या से असली तस्वीर सामने आई, जो बताती है कि नियंत्रण रेखा पर उनके हताहतों की संख्या 100 से ज्यादा थी। पाकिस्तान ने मई महीने में 12 से ज्यादा एयरक्राफ्ट खो दिए। 7 मई को भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद पाकिस्तान ने सीमा पार से गोलीबारी शुरू कर दी थी।

संयुक्त राष्ट्र में सैन्य योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन में भी लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने यह तथ्य सामने रखा। जनरल घई ने कहा कि पाकिस्तान के जल्दबाजी में किए गए आत्मसमर्पण ने भारत के राजनीतिक और सैन्य उद्देश्यों को पुष्ट किया। उन्होंने चेतावनी दी, आगे का संघर्ष उनके लिए विनाशकारी होता। उन्होंने बताया कि कैसे भारत की सोची-समझी प्रतिक्रिया ने इस्लामाबाद के पास कोई रणनीतिक विकल्प नहीं छोड़ा। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना की भागीदारी वाली सैन्य क्षमता और सफल रणनीति की जीत थी। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने कैसे पाकिस्तान के 11 हवाई ठिकानों पर हमला किया, आठ प्रमुख ठिकानों, तीन हैंगरों और चार रडारों को क्षतिग्रस्त कर दिया। जमीन पर पाकिस्तानी हवाई सम्पत्तियां नष्ट कर दी गईं, जिनमें एक सी-130 विमान, एक एईडब्लू प्रणाली और कई लड़ाकू विमान शामिल थे। इसमें नौसेना ने भी निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, भारतीय नौसेना पहले ही अरब सागर में आगे बढ़ चुकी थी। अगर पाकिस्तान इसे और आगे बढ़ाता, तो समुद्र और उसके पार, उसके लिए परिणाम विनाशकारी होते।

भारतीय सेना ने पहलगाम हमले के तीन मुख्य साजिशकर्ताओं का लगभग 96 दिनों तक पीछा किया और खत्म किया। जनरल घई ने कहा, हमने उन्हें आराम नहीं करने दिया। जब हमने आखिरकार उन्हें ढूंढा, तो वे थके हुए और कुपोषित लग रहे थे, दौड़ने से थके हुए थे। हमने सभी को मार गिराया गया था। उन्होंने 7 मई की तड़के लश्कर-ए-तैयबा के मुरीदके मुख्यालय और बहावलपुर के शिविरों सहित, आतंकवादी ठिकानों पर किए गए सटीक हमलों की तस्वीरें भी साझा किए। इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की प्रतिक्रिया युद्ध के मैदान से कहीं आगे तक फैली हुई थी। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले के तुरंत बाद 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना उसी रणनीति का हिस्सा था जो यह संकेत देती थी कि आतंक और बातचीत की पुरानी रणनीति एक साथ नहीं चल सकती। उन्होंने कहा कि इससे भारत की सैन्य शक्ति को कूटनीतिक और आर्थिक साधनों के साथ जोड़ने की क्षमता का पता चलता है।

सीमा पार से दशकों से जारी आतंकवाद पर बात करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल घई ने वैश्विक समुदाय को बताया कि भारत में इससे कितने लोग मारे गए और कितना नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, 1980 के दशक में अकेले जम्मू और कश्मीर में 28,000 से ज्यादा आतंकवादी घटनाएं हुईं। 60,000 से ज्यादा परिवार यानि एक लाख से ज्यादा लोग, अपने घरों से भागने को मजबूर हुए। 15,000 नागरिक और 3,000 सुरक्षाकर्मी मारे गए।

सरकारी दबाव पर गैंगरेप को नकारने लगी बंगाल पुलिस

मुस्लिमों का नाम आते ही बचाने में लग गई टीएमसी

दुर्गापुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल कॉलेज की छात्रा से गैंगरेप के मामले में मुस्लिमों का नाम आते ही सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अभियुक्तों बचाने में लग गई। सामूहिक बलात्कार के सभी आरोपी टीएमसी के सदस्य हैं। सरकारी दबाव पर अब पुलिस भी गैंगरेप की घटना को नकारने में लग गई है। सरकार प्रायोजित छद्म से इस मामले में अजीबोगरीब मोड़ आ गया है। पुलिस ने मंगलवार को पीड़िता के 23 वर्षीय दोस्त वासिफ अली को गिरफ्तार कर लिया, जो घटना के वक्त उसके साथ था। सबसे अहम बात यह है कि पश्चिम बंगाल पुलिस अब कह रही है कि यह गैंगरेप नहीं बल्कि एक ही व्यक्ति द्वारा रेप का मामला हो सकता है। जबकि प्रथम द्रष्टया यह साफ हो चुका है कि 10 अक्टूबर की शाम को पांच लोगों ने उसे सुनसान इलाके में घसीटकर उसके साथ गैंगरेप किया था।

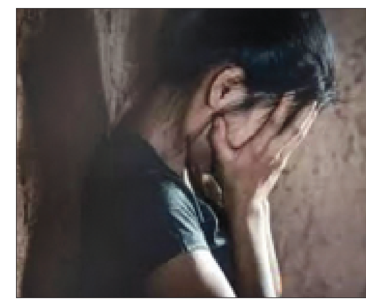

सामने आने लगे टीएमसी और पुलिस के विरोधाभासी बयान

पुलिस ने पांचों आरोपियों आपू बाउरी, शेख फिरदौस, शेख रियाजुद्दीन, शेख नासिरुद्दीन और शेख शफीकुल को गिरफ्तार कर लिया था। ये सभी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े हुए हैं। अब ममता सरकार बलात्कारियों को बचाने के लिए नई कहानी गढ़ रही है। वासिफ से पुलिस यह जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रही है कि वह युवती के साथ था तो उसे छोड़ कर कहां गायब हो गया था। इस मामले को लव-जेहाद के एंगल से देखा जा रहा था। लेकिन अचानक पुलिस ने अपना सुर बदल दिया। अब पुलिस कह रही है कि यह मामला गैंगरेप का नहीं है। इसमें केवल एक ही व्यक्ति के शामिल होने की आशंका है। अगर इस मामले में एक व्यक्ति ही लिप्त है तो युवती के दोस्त आसिफ की क्या भूमिका थी? इस सवाल पर पुलिस की संदेहास्पद चुप्पी है। सीसीटीवी फुटेज में भी घालमेल करने की कोशिशें की जा रही हैं।

आसनसोल-दुर्गापुर के पुलिस कमिश्नर सुनील कुमार चौधरी ने कहा कि पीड़िता का दोस्त वासिफ अली संदिग्ध है और अब तक मिले सबूत बताते हैं कि इसमें केवल एक व्यक्ति शामिल था, कई नहीं थे। उन्होंने बताया कि बाकी पांच गिरफ्तार लोगों की भूमिका की जांच अब भी जारी है लेकिन फिलहाल के मेडिकल और फॉरेंसिक रिपोर्ट्स बताती हैं कि गैंगरेप नहीं हुआ था। पुलिस कमिश्नर ने यह भी कहा कि घटना वाली रात पीड़िता और उसके दोस्त द्वारा पहने गए कपड़े जब्त कर लिए गए हैं और सभी आरोपियों का डीएनए टेस्ट किया जाएगा। कमिश्नर चौधरी ने कहा, हमने पीड़िता और उसके दोस्त के अलावा उस रात मौजूद सभी पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। हमने उनके कपड़े जब्त कर लिए हैं और मौके का निरीक्षण पीड़िता के दोस्त के साथ किया गया है। अब तक मिले सबूतों और बयानों के आधार पर यह साफ है कि केवल एक व्यक्ति ने रेप किया था, बाकी की भूमिका जांच में है। फिर उन्होंने यह भी कहा कि जांच जारी है और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी। पीड़िता के दोस्त से भी पूछताछ की जा रही है और उसकी भूमिका भी जल्द सामने आ जाएगी। पीड़िता के पिता ने 11 अक्टूबर को मामले की शिकायत दर्ज कराई थी और उन्होंने अपने बयान में बेटी के सहपाठी को भी संदिग्ध बताया था।

भाजपा ने जारी की 12 उम्मीदवारों की दूसरी सूची

जदयू ने 57 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की

गायिका मैथिली ठाकुर व आईपीएस आनंद मिश्र को टिकट

पटना, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार 15 अक्टूबर को भाजपा ने 12 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी। भाजपा ने मंगलवार को पार्टी में शामिल हुईं लोक गायिका मैथिली ठाकुर को अलीनगर सीट से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा को बक्सर सीट से टिकट दिया गया है। भाजपा ने अलीनगर से मैथिली ठाकुर, हायाघाट से रामचंद्र प्रसाद, मुजफ्फरपुर से रंजन कुमार, गोपालगंज से सुभाष सिंह,

बनियापुर से केदारनाथ सिंह, छपरा से छोटी कुमारी, सोनपुर से विनय कुमार सिंह, रोसड़ा से वीरेंद्र कुमार, बाढ़ से सियाराम सिंह, अगिआंव से महेश पासवान, शाहपुर से राकेश ओझा और बक्सर से पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा के नाम का ऐलान किया है।

दूसरी तरफ बिहार चुनाव के लिए जदयू ने 57 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की है। जदयू ने अनंत सिंह को मोकामा और श्याम रजक को फुलवारी शरीफ से प्रत्याशी घोषित किया है। पहली सूची में सोनबरसा से रत्नेश सदा को भी टिकट दिया गया है। इसके साथ ही एलजेपी ने भी चार सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। लिस्ट के अनुसार, गोविंदगंज से राजू तिवारी, गरखा से सीमांत मृणाल, बखरी से संजय पासवान और ब्रह्मापुर से हुलास पांडे को उम्मीदवार बनाया गया है।

इससे पहले मंगलवार 14 अक्टूबर को भाजपा ने 71 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट के मुताबिक, भाजपा ने उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को तारापुर से टिकट दिया है। वहीं, विजय सिन्हा को लखीसराय से उम्मीदवार बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि एनडीए ने पहले ही सीट बंटवारे का ऐलान कर दिया था। भाजपा और जदयू बराबर 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं चिराग पासवान की एलजेपी 29 सीटों पर चुनाव में उतरेगी।

'महाभारत' के 'कर्ण' पंकज धीर का निधन

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। फिल्म निर्माता बीआर चोपड़ा के बेहद चर्चित और प्रसिद्ध टीवी सीरियल महाभारत में कर्ण की भूमिका अदा कर दुनियाभर में विख्यात हुए अभिनेता पंकज धीर का 68 साल की उम्र में निधन हो गया। महाभारत सीरियल में अर्जुन की भूमिका निभाने वाले उनके दोस्त फिरोज खान ने पंकज के निधन की जानकारी सार्वजनिक की और कहा कि उन्होंने अपना सबसे अच्छा दोस्त खो दिया।

पंकज धीर के निधन की खबर फिल्म इंडस्ट्री के दोस्त और फैंस गहरे सदमे में हैं। उनके करीबियों ने बताया कि पंकज धीर कैंसर से जूझ रहे थे, हालांकि उन्होंने कैंसर को हराया था लेकिन कुछ समय के बाद उनका कैंसर फिर से लौट आया।

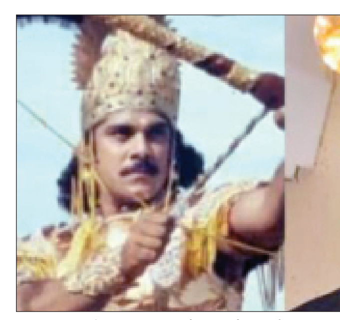

पंकज धीर ने तमाम टीवी सीरियल के साथ कई चर्चित और हिट फिल्मों में भी अभिनय किया। उन्होंने ने निर्देशक के रूप में भी माय फादर गॉडफादर फिल्म का निर्देशन किया।

पंकज ने एक्टिंग एकेडमी की भी स्थापना की थी।

महाभारत में कृष्ण का किरदार निभा चुके अभिनेता नितिश भारद्वाज ने कहा, एक न एक दिन हम सभी को इस दुनिया से जाना ही होता है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि हम ऐसा जीवन जिएं कि दुनिया हमें प्यार और सम्मान के साथ याद करे। टीम महाभारत ने एक और अनमोल रत्न खो दिया है, एक ऐसे कलाकार को, जो संवेदनशील, मजबूत व्यक्तित्व वाले, उत्कृष्ट हास्यबोध और सोने जैसे दिल के मालिक थे। भारतीय साहित्यिक धरोहर के पहले एंग्री यंग मैन अब हमारे बीच नहीं रहे। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को सद्गति और शाश्वत शांति प्राप्त हो।

बिहार चुनाव : तेजस्वी का नामांकन करते ही हमला

जेडीयू नीतीश के नियंत्रण से बाहर, 3 नेता चला रहे पार्टी

पटना (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को महागठबंधन के पूर्व में घटक दल रहे जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि पार्टी अब अपने अध्यक्ष नीतीश कुमार के नियंत्रण में नहीं है। तेजस्वी यादव ने कहा कि जेडीयू का संचालन वे नेता कर रहे हैं जिन्हें बीजेपी ने खरीद लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ललन सिंह, संजय झा और विजय चौधरी जेडीयू को चला रहे हैं। इन नेताओं ने नीतीश कुमार को बर्बाद कर दिया है। तेजस्वी यादव ने यह बयान राघौपुर सीट से नामांकन दाखिल करने के बाद दिया।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि जेडीयू अब नीतीश कुमार के

हाथ में नहीं है। उनके अनुसार, पार्टी का असली नियंत्रण ललन सिंह, संजय झा और विजय चौधरी जैसे नेताओं के पास है। उनका कहना है कि ये तीनों नेता बीजेपी के प्रभाव में आ गए हैं और उन्होंने नीतीश कुमार को कमजोर कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इन नेताओं ने नीतीश कुमार को बर्बाद कर दिया है।

इससे पहले, जेडीयू ने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपने 57 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। यह जानकारी पार्टी की एक आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई थी। विज्ञप्ति के अनुसार, 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों के पहले चरण के लिए उम्मीदवारों की सूची को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने मंजूरी दी है।

इस लिस्ट में जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा को मनेर से, बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार को नालंदा से और सुनील कुमार को भोर (एससी) से उम्मीदवार बनाया गया है। इनके अलावा कई अन्य उम्मीदवारों के नाम भी सूची में शामिल हैं। तेजस्वी यादव आरजेडी को लगातार निशाना बना रहे हैं। माना जाता है कि तेजस्वी यादव के इस बयान का मकसद जेडीयू के भीतर असंतोष पैदा करना और नीतीश कुमार की छवि को कमजोर करना है।

एआईएमआईएम ने एएसपी और एजेपी के साथ मिलकर बनाया ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस, 64 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

किशनगंज (एजेंसियां)। बिहार में अब थर्ड फ्रंट बन चुका है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) ने थ्रड फंट की घोषणा कर दी है। जहां आजाद समाज पार्टी (एएसपी) और अपनी जनता पार्टी (एजेपी) के साथ एआईएमआईएम ने गठबंधन का लिया है। किशनगंज के एआईएमआईएम कार्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी है।

जहां अख्तरूल ईमान ने कहा कि हमे आपको बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हम लोगों ने एक गठबंधन बनाया है, जिसका नाम है ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस। ये तीनों पार्टियां मिलकर बिहार के हक की मजबूत लड़ाई लड़ेगी और फिर्कापरस्त ताकतों के

खिलाफ लड़ाई लड़ेगी। पूरे बिहार में क्षेत्र विषमता का सबसे ज्यादा शिकार सीमांचल हुआ है। इस क्षेत्रीय विषमता उसके खिलाफ लड़ाई हमारी अलायंस करेगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं ये समझता हूं, किशनगंज और सीमांचल के लिए एक सौभाग्य बात है कि बिहार के कोने कोने से लोग किशनगंज आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमलोग 243 सीटों पर नहीं लड़ने जा रहे हैं। अबतक एआईएमआईएम 35 सीटों, एएसपी 25 सीटों पर और एजेपी 4 सीटों पर लड़ेगी।

बीजेपी के पहली लिस्ट में मुस्लिम कैंडिडेट नहीं होने पर उन्होंने कहा कि आप कौवे के आशियाने में बगुला के चूजे का तलाश करते हैं। नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि उनके उतार चढ़ाव पर बोलना मुश्किल है। कभी लगता है वो बुद्धिमान हो गए हैं और कभी कभी लगता है नॉर्मल हो गए हैं।

टिकट की घोषणा पर उन्होंने कहा कि बिहार की बड़ी पार्टियों ने अभी तक नहीं क्लियर किया है, हम तो छोटी पार्टी हैं। बड़ों के वहां बिरयानी नहीं पकी है तो छोटों के यहां क्यों खोज रहे हैं। 17 लास्ट डेट है, उससे पहले हम अपनी कैंडिडेट्स की घोषणा कर देंगे। हमारी पार्टी ने जिन लोगों का भी एप्लिकेशन दिया है उनके साथ साथ शपथ भी कराया है, ताकि हमारे नेता जब असेंबली में जाए तो वहां शपथ लेने में दिक्कत न हो। इस दौरान आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जौहर आजाद, जिला अध्यक्ष डॉक्टर वसीम अकरम, अपनी जनता पार्टी के बिहार अध्यक्ष विक्रम पासवान, अळाळा प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान, नेशनल प्रवक्ता आदिल हसन मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com

मुख्यमंत्री रेड्डी करेंगे पुलिस शिकायत प्राधिकरण की वेबसाइट और लोगो का शुभारंभ

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी गुरुवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय स्थित अपने कक्ष में नवगठित तेलंगाना राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण (टीजीएसपीसीए) की वेबसाइट और लोगो का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। यह जानकारी टीजीएसपीसीए के अध्यक्ष न्यायमूर्ति डॉ. बी. शिवा शंकर राव ने दी।

तेलंगाना सरकार ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा डब्ल्यूपी (सिविल) संख्या 310/1996 में प्रकाश सिंह और अन्य द्वारा दायर याचिका के निर्देशों के अनुसार राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण के साथ हैदराबाद और वारंगल क्षेत्रों के लिए दो जिला पुलिस शिकायत प्राधिकरण भी गठित किए हैं। इन प्राधिकरणों के लिए नियम और प्रक्रियाएं 2013 से 2020 के बीच पूर्ववर्ती सरकार द्वारा जारी की गई थीं, लेकिन अज्ञात कारणों से ये प्राधिकरण सक्रिय नहीं हो पाए थे।

हाल ही में 13 अप्रैल 2025 को गृह (कानूनी) विभाग द्वारा जारी जी.ओ. आरटी. नं.315 के तहत राज्य सरकार ने एसपीसीए और दोनों डीपीसीएएस के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की है। इन प्राधिकरणों का उद्देश्य पुलिस बल में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना है, जिससे नागरिकों को दुर्व्यवहार, हिरासत में प्रताड़ना, अधिकारों के दुरुपयोग और अन्य गंभीर उल्लंघनों की शिकायत दर्ज करने के लिए एक विश्वसनीय मंच मिल सके।टीजीएसपीसीए और डीपीसीएएस को शिकायतों की जांच, निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने, और पुलिस में व्यावसायिकता व ईमानदारी को बढ़ावा देने का कार्य सौंपा गया है। ये प्राधिकरण सरकार को शिकायतकर्ताओं और गवाहों की सुरक्षा, सामुदायिक संबंधों को मजबूत करने, और कानून प्रवर्तन में जन विश्वास बढ़ाने के उपायों पर भी सलाह देंगे।

इन प्राधिकरणों की स्थापना तेलंगाना में पुलिस सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य पुलिस बल को अधिक उत्तरदायी, जवाबदेह और पेशेवर बनाना है, साथ ही नागरिक अधिकारों की रक्षा करना है। ऐसा एक आधिकारिक बयान में कहा गया।

हैदराबाद साइबर क्राइम यूनिट ने दी चेतावनी त्यौहारों के दौरान ऑनलाइन ठगी से रहें सतर्क

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद सिटी पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट ने दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि साइबर ठग इस समय फर्जी ई-कॉमर्स साइट्स, फ़िशिंग लिंक, हानिकारक ऐप्स और सोशल मीडिया विज्ञापनों के माध्यम से अविश्वसनीय छूट का लालच देकर लोगों को निशाना बना रहे हैं।

बुधवार को जारी एक पुलिस बयान में कहा गया कि ठग त्योहारों की भीड़भाड़ का फायदा उठाकर लोगों से बैंकिंग विवरण, कार्ड की जानकारी और व्यक्तिगत डेटा हासिल कर रहे हैं, जिससे गंभीर वित्तीय नुकसान हो रहा है। वे नकली शॉपिंग ऐप्स, .रज़ि फाइलें और फर्जी कस्टमर केयर नंबर प्रसारित कर रहे हैं ताकि पीड़ितों के फोन और बैंक खातों तक रिमोट एक्सेस प्राप्त किया जा सके।

एक मामले में, सिकंदराबाद की एक महिला ने 'दीवाली गिफ्ट ऑफर' के झांसे में आकर 1.4 लाख गंवा दिए, जबकि आजमपुरा के एक अन्य पीड़ित ने 1 लाख से अधिक की राशि खो दी जब उसने ठगों द्वारा ब्लिंकिट कस्टमर सपोर्ट के रूप में भेजा गया एक हानिकारक ऐप इंस्टॉल किया।

साइबर क्राइम यूनिट ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे अनजान ऐप्स डाउनलोड न करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और केवल प्रमाणित प्लेटफॉर्म पर ही खरीदारी करें। साथ ही, किसी भी अज्ञात कॉलर या वेबसाइट के साथ ओटीपी, पिन या बैंकिंग विवरण साझा न करें।

यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार होता है, तो उसे तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करके या www.cyber-crime.gov.in पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए ताकि धोखाधड़ी वाले लेन-देन को रोका जा सके।

आबकारी विभाग ने हैदराबाद में ट्रैवल एजेंट द्वारा चलाए जा रहे विदेशी शराब रैकेट का भंडाफोड़ किया

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना आबकारी विभाग ने बुधवार, 15 अक्टूबर को जुबली हिल्स स्थित एक ट्रैवल एजेंट द्वारा कथित तौर पर चलाए जा रहे विदेशी शराब रैकेट का पर्दाफाश किया और कार्रवाई के दौरान 52 बोतलें जब्त कीं।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सुमित नामक एक ट्रैवल एजेंट ट्रैवल एजेंसी की आड़ में विदेशी शराब की तस्करी कर रहा था और उसे हैदराबाद में ग्राहकों को बेच रहा था।इस रैकेट का खुलासा तब हुआ जब आबकारी विभाग की टीमों ने बोराबंडा में मूर्ति युगेंद्र नामक एक व्यक्ति को दोपहिया वाहन पर शराब की बोतलें बेचते हुए पकड़ा। उसके पास से नौ बोतलें जब्त की गईं। पूछताछ में मूर्ति ने बताया कि उसने मनीष कुमार नाम के व्यक्ति से ये बोतलें खरीदी थीं। इसके बाद आबकारी टीम ने मनीष कुमार के घर और कार की तलाशी ली, जिसमें से 43 अतिरिक्त बोतलें बरामद हुईं। मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने एक कार, एक दोपहिया वाहन और कुल 52 विदेशी शराब की बोतलें जब्त की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 6 लाख रुपये बताई गई है।

बीआरएस ने बीसी आरक्षण के समर्थन में 18 अक्टूबर के राज्यव्यापी बंद का किया समर्थन

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्यसभा सांसद आर. कृष्णैया के साथ विभिन्न पिछड़ा वर्ग (बीसी) संगठनों के नेताओं ने बुधवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव (केटीआर) से मुलाकात की और 18 अक्टूबर को बीसी संघों द्वारा आयोजित राज्यव्यापी बंद के लिए पार्टी का समर्थन मांगा।

बैठक में बीआरएस के वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए, जिसमें पिछड़ा वर्ग आरक्षण और कल्याण से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक के दौरान केटीआर ने पिछड़े वर्गों के हितों के प्रति बीआरएस की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई और कांग्रेस सरकार की ईमानदारी की कमी के लिए आलोचना की।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पिछड़ा वर्ग समुदाय की कोई सच्ची चिंता नहीं है। कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए बड़े-बड़े वादे किए थे - एक लाख करोड़ रुपये के बजट से लेकर पिछड़ा वर्ग उप-योजना तक - लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग आरक्षण कभी लागू नहीं होगा। जब तक वह

सत्ता में हैं, पिछड़ा वर्ग के साथ विश्वासघात होता रहेगा। बीआरएस तब तक सवाल उठाता रहेगा और लड़ता रहेगा जब तक पिछड़ा वर्ग से किए गए हर वादे पूरे नहीं हो जाते, उन्होंने जोड़ा।

केटीआर ने याद दिलाया कि कांग्रेस द्वारा घोषित 42 प्रतिशत आरक्षण केवल स्थानीय निकाय चुनावों तक सीमित था, जबकि शिक्षा, रोज़गार और अन्य सभी क्षेत्रों में समान प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, अगर हर क्षेत्र में 42 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाए, तो लाखों पिछड़े वर्ग के युवाओं को लाभ होगा। पिछड़े वर्ग के संगठनों को सरकारी नौकरियों से लेकर ठेकों तक, सभी क्षेत्रों में अपने वाजिब हिस्से की मांग जारी रखनी चाहिए।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस पर दोहरे मापदंड और राजनीतिक छल का आरोप लगाया। केटीआर ने कहा, पिछड़े वर्ग के आरक्षण पर कांग्रेस पाँच अलग-अलग स्वरों में बोलती है - संविधान संशोधन, पार्टी घोषणापत्र, अध्यादेश, विधेयक के ज़रिए, और अब कह रही है कि यह तभी होगा जब राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे। यह उनकी ईमानदारी के पूर्ण अभाव को दर्शाता है।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि बीआरएस हमेशा विधानसभा और संसद दोनों में पिछड़े वर्गों के हितों के साथ खड़ी रही है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी ने तेलंगाना विधानसभा में पिछड़े वर्गों के आरक्षण में वृद्धि के समर्थन में दो बार प्रस्ताव पारित किया, लेकिन हमने कभी इसका बखान नहीं किया।

तेलंगाना राज्य के संघर्ष से तुलना करते हुए, केटीआर ने पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए एकजुट संघर्ष का आह्वान किया। उन्होंने कहा, जैसे हमने तेलंगाना के लिए संघर्ष किया और उसे हासिल किया, वैसे ही इस मुद्दे को दिल्ली ले जाएँ और पिछड़े वर्गों के आरक्षण को हकीकत बनने तक लड़ें। केटीआर ने कहा कि बीआरएस पिछड़े वर्गों के संगठनों द्वारा 18 अक्टूबर को आयोजित बंद को पूरा समर्थन देगा।

उन्होंने राष्ट्रीय दलों से भी निर्णायक कार्रवाई करने की अपील की। केटीआर ने कहा, अगर राहुल गांधी और नरेंद्र मोदी साथ आएँ, तो पिछड़े वर्गों के आरक्षण का मुद्दा एक मिनट में सुलझ सकता है। भारत और एनडीए दोनों गठबंधन मिलकर संसद में पिछड़े वर्गों के आरक्षण विधेयक को पारित कर सकते हैं। अगर भाजपा इसे प्रधानमंत्री के पास ले जाती है, तो हम उनके साथ खड़े होंगे और उनके पक्ष में मतदान करेंगे।

तेलंगाना सरकार ने इंदिराम्मा आवास योजना के तहत 250 करोड़ रुपए से अधिक जारी किए

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने इस सप्ताह इंदिराम्मा आवास योजना के तहत 252.87 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थियों के खातों में जारी की। इसके साथ ही, वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में कुल व्यय 2,233.21 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है।

तेलंगाना हाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक और विशेष सचिव वी.पी. गौतम के अनुसार,

राशि निर्माण के विभिन्न चरणों के अनुसार 22,305 लाभार्थियों को सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गई।सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, बेसमेंट स्तर पर 1,43,963 घरों के लिए 1,439.63 करोड़ रुपये, छत स्तर पर 46,206 घरों के लिए 462.06 करोड़ रुपये तथा स्लैब स्तर तक पहुँचे 16,576 घरों के लिए 331.52 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

वर्तमान में तेलंगाना राज्य में लगभग 2.18 लाख घर निर्माण के विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं।

पिछले महीने सरकार ने आवास योजना के लाभार्थियों को 1,612 करोड़ रुपये वितरित किए थे। विज्ञप्ति में कहा गया है, इंदिराम्मा योजना के तहत निर्माण कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

जुबली हिल्स उपचुनाव: उड़नदस्ते की टीमों ने 10 लाख रुपए की बेहिसाबी नकदी जब्त की

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव को देखते हुए निगरानी के लिए तैनात फ्लाइंग स्कायड टीमों (एफएसटी) ने बुधवार, 15 अक्टूबर को अलग-अलग अभियानों में कुल 10 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी जब्त की।सूत्रों के अनुसार, अमीरपेट एक्स रोड पर एक वाहन से 1.5 लाख रुपये बरामद किए गए, जबकि वेंकटगिरी कॉलोनी से 2.3 लाख रुपये और मधुरानगर क्षेत्र से 6.5 लाख रुपये जब्त किए गए।जब्त नकदी मधुरानगर पुलिस थाने को सौंप दी गई है।

6 अक्टूबर को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के बाद से एफएसटी टीमों ने अब तक 88.45 लाख रुपये नकद और 225 शराब की बोतलें जब्त की हैं और एमसीसी उल्लंघन के तहत 29 एफआईआर दर्ज की हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अब्दुल कलाम को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को दिवंगत नेता की जयंती के अवसर पर हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सांसद रघुवीर रेड्डी, चमाला किरण कुमार रेड्डी और विधायक रामदास नायक ने भी डॉ. अब्दुल कलाम के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। क्या आप चाहेंगे कि मैं इस समाचार का एक छोटा संस्करण (संक्षिप्त रिपोर्ट) भी तैयार कर दूँ जिसे सोशल मीडिया या बुलेटिन उपयोग के लिए इस्तेमाल किया जा सके?

जुबली हिल्स उपचुनाव में अब तक 35 नामांकन दाखिल

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के तीसरे दिन कुल 13 नामांकन 10 उम्मीदवारों द्वारा दाखिल किए गए, जिससे अब तक दाखिल नामांकनों की कुल संख्या 35 हो गई है।आज नामांकन दाखिल करने वालों में बीआरएस की मागंती सुनीता और एलायंस ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स पार्टी के बुद्धैया अंबोजू शामिल हैं।इस बीच, भारत निर्वाचन आयोग और जिला निर्वाचन अधिकारी, हैदराबाद के निर्देशों पर गठित जिला शिकायत समिति ने वैध दावेदारों को जब्त की गई 21.21 लाख की नकदी जारी की है।निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता और निष्पक्षता की प्रतिबद्धता के अनुरूप, डीजीसी यह सुनिश्चित करता है कि वास्तविक मामलों का समाधान दो दिनों के भीतर किया जाए ताकि जनता को असुविधा न हो। अब तक पांच मामलों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 21 लाख से अधिक की सत्यापित नकदी जारी की जा चुकी है।

पीएम मोदी आज कुर्नूल में 13,430 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास और उद्घाटन

विजयवाड़ा, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 अक्टूबर को कुर्नूल जिले की अपनी यात्रा के दौरान लगभग 13,430 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे।ये परियोजनाएं उद्योग, बिजली पारेषण, सड़क, रेलवे, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सहित प्रमुख क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जो क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, औद्योगीकरण को गति देने और राज्य में समावेशी सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

प्रधानमंत्री 2,880 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर कुर्नूल-खखख पूलिंग स्टेशन में ट्रांसमिशन सिस्टम स्ट्रेंथनिंग का शिलान्यास करेंगे। इस परियोजना में 765 केवी डबल-सर्किट कुर्नूल-खखख पूलिंग स्टेशन-चिलकलूरिपेटा ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण शामिल है, जो परिवर्तन क्षमता को 6,000 एमवीए तक बढ़ाएगी और

देश के विकास में सहायता के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के बड़े पैमाने पर संचरण को सक्षम बनाएगी।प्रधानमंत्री कुर्नूल में ओरवाकल औद्योगिक क्षेत्र और कडपा में कोप्पर्थी औद्योगिक क्षेत्र के लिए भी शिलान्यास करेंगे, जिनमें कुल 4,920 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन ट्रस्ट और आंध्र प्रदेश इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से विकसित ये आधुनिक, बहु-क्षेत्रीय औद्योगिक केंद्र प्लग-एंड-प्ले बुनियादी ढांचे और वॉक-टू-वर्क अवधारणा से युक्त हैं।

चुनाव आयोग ने जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान एग्जिट पोल पर लगाया प्रतिबंध

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए 6 से 11 नवंबर के बीच एग्जिट पोल के संचालन और प्रकाशन पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है।

यह प्रतिबंध प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया सहित सभी प्रकार के मीडिया प्लेटफॉर्म पर लागू रहेगा। आयोग ने चेतावनी दी है कि किसी भी उल्लंघन की स्थिति में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126- के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह धारा चुनाव अवधि के दौरान एग्जिट पोल के संचालन या परिणामों के प्रसार पर प्रतिबंध से संबंधित है।अधिकारियों ने मीडिया संगठनों, राजनीतिक दलों और व्यक्तियों से अपील की है कि वे चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए आयोग के नियमों और दिशानिर्देशों का पालन करें।

असदुल्लाह तेलंगाना वक्फ बोर्ड के प्रभारी सीईओ नियुक्त

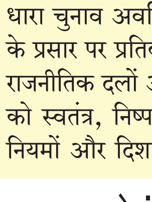

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने बुधवार, 15 अक्टूबर को अतिरिक्त कलेक्टर मोहम्मद असदुल्लाह को तेलंगाना वक्फ बोर्ड का प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया।तेलंगाना सरकार के सचिव बी. शफीउल्लाह द्वारा जारी सरकारी आदेश संख्या 96 में कहा गया है कि वक्फ बोर्ड के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यह नियुक्ति की गई है। आदेश में उल्लेख है, प्रशासनिक आवश्यकताओं के मद्देनजर और तेलंगाना वक्फ बोर्ड के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए, सरकार अगले आदेश तक अतिरिक्त कलेक्टर मोहम्मद असदुल्लाह की सेवाएं वक्फ बोर्ड के प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में लेने का निर्णय लेती है।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of issue
SUBSCRIPTION FORM
Name :
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive ....
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.